जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 354 प्रभात चूरू, बुधवार 22 अप्रैल, 2026 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

प्रशांत किशोर की पुरानी कंपनी आई-पैक पर छापा पड़ने से हिल गए ममता बनर्जी व स्टालिन

दोनों पार्टियाँ, यह ही कहने में जुटी हैं कि छापा पड़ने व कुछ उच्चाधिकारियों की गिरफ्तारी के बाद भी चुनाव अभियान पर कोई फर्क नहीं पड़ा है, चुनाव अभियान पहले जैसे यथावत चल रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- प्रशांत किशोर, एक बार तो चुनाव रणनीतिकार के रूप में आधुनिक अवतार के रूप में उभरे थे तथा कांग्रेस व भाजपा से भी लंबी-लंबी बाते हुई थी, पार्टी का संगठन और सोच प्रशांत किशोर को सौंपने के बारे में। कांग्रेस व भाजपा दोनों पार्टियों ने उनके इस चमत्कारी ''प्लान'' को स्वीकार करने से इन्कार कर दिया था। पर, तृणमूल और डीएमके ने उनका प्लान स्वीकार किया और काफी कुछ प्रशांत किशोर पर निर्भर हो गए थे।
- प्रशांत किशोर ने अधिकृत रूप से आई-पैक से अपने आप को अलग करके सीधे चुनाव व ग्रास रूस स्तर से राजनीतिक गतिविधि शुरु की तथा जन स्वराज पार्टी नाम से पार्टी बना कर बिहार के चुनाव में कूदे। परन्तु, उन्हें करारी हार मिली, एक भी सीट नहीं जीते, बिहार के चुनाव में।
- पर, उनके द्वारा शुरु की गई संस्था आई-पैक, बंगाल व तमिलनाडु में खूब फली-फूली। दोनों राज्यों में उनका प्रभुत्व, सिक्का, ममता बनर्जी व स्टालिन ने स्वीकार किया तथा आई-पैक पर उनकी निर्भरता पूर्ण थी। पर, अब दोनों नेता यह कहने में जुटे हैं कि आई-पैक का रोल केवल साथ देने तक सीमित था।

नई दिल्ली, 21अप्रैल। आई-पैक पर बढ़े राजनीतिक तनाव के बीच, तृणमूल और डीएमके (द्रमुक) दोनों, अपने चुनाव अभियानों को किसी भी व्यवधान से सुरक्षित रखने की कोशिश कर रहे हैं। यह कंसल्टेंसी फर्म, जो कभी उच्च-दांव वाले चुनावी रणनीति में केन्द्रीय भूमिका निभाती थी, अब जांच के दायरे में है, जिससे दोनों पार्टियों ने सोच समझकर नियमित बदलाव किए और इन हाउस सिस्टम को प्रचार के लिए चुना है।

दोनों पार्टियों का जोर अभियान की निरंतरता पर है और नेताओं ने स्पष्ट किया है कि अंतिम चरण में अभियान की गति कम नहीं होने दी जाएगी।

पश्चिम बंगाल में, तृणमूल की आई-पैक पर निर्भरता 2021 विधानसभा चुनावों के बाद से लगातार समायोजित की जा रही है, जब प्रशांत किशोर के नेतृत्व में इस फर्म ने संदेश और अभियान संरचना पर लगभग पूरी तरह से नियंत्रण रखा था। इसके बाद, अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में पार्टी ने आंतरिक टीमों का निर्माण किया, जो अब डेटा, बूथ प्रबंधन और मतदाता संपर्क संभालती हैं। पार्टी सूत्रों ने कहा,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीवर में सफाई कर्मचारियों की मौत पर मानवाधिकार आयोग ने जवाब मांगा

जयपुर, 21 अप्रैल। राज्य मानवाधिकार आयोग ने झोटवाड़ा इलाके में सीवरेज में सफाई के लिए उतरे दो सफाई कर्मचारियों की मौत के मामले में जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस कमिश्नर, निगम आयुक्त, झोटवाड़ा जोन उपायुक्त और सामाजिक न्याय निदेशक से तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब की है।

इसके साथ ही, आयोग ने कहा कि दोषी फर्म के अधिकारियों और निगम के जिम्मेदार अफसरों पर उचित कार्रवाई करते हुए मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने के साथ ही यह

- आयोग ने दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही तथा मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने को कहा।

सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में सीवर में सफाई के लिए कर्मचारियों को नहीं उतारा जाए व इस संबंध में सार्वजनिक सूचना भी जारी की जाए।

आयोग अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने यह आदेश प्रकरण में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए दिए। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि ऐसी घटना को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहले ही निर्देश दे चुका है। सफाई कर्मचारियों को गैस से भरे सीवर में उतारना, स्वयं में मानव वध के समान गंभीर प्रकृति का कृत्य है।

नुकसान सीमित क्षेत्र में रहा, मरम्मत कर रिफायनरी शीघ्र शुरु कर लेंगे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने रिफायनरी के निरीक्षण के बाद कहा कि एचपीसीएल के अधिकारियों को मशीनें ठीक करने में पूरा सहयोग देंगे

जयपुर, 21 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज बाड़मेर जिले के पचपदरा स्थित राजस्थान रिफाइनरी का दौरा कर हाल ही में हुई घटना का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने आग पर तत्परता से काबू करने वाले अग्निशमन कर्मियों और आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों से मुलाकात कर उनकी सराहना की। उन्होंने सुरक्षा मानकों की पुनः समीक्षा कर उन्हें और सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया।

रिफाइनरी परिसर का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों के साथ

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को पचपदरा स्थित रिफाइनरी का अग्निकांड के बाद निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ हादसे को लेकर चर्चा की।

उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक भी की।

मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी परिसर में हुई घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ''सैंटर पीस'' बन गए हैं, असम, बंगाल व तमिलनाडु के चुनाव प्रचार में

इन राज्यों में गैर भाजपा दल प्रधानमंत्री मोदी पर कई आरोप लगा रहे हैं और भाजपा इन आरोपों को देश की जनता का अपमान बता रही है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- हाल ही में तमिलनाडु में दिए गए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर भाजपा नेता हंगामा कर रहे हैं कि खड़गे ने मोदी को ''आतंकवादी'' कहा है। भाजपा ने कहा कि खड़गे को देश से माफी मांगनी चाहिए।
- इससे पहले प.बंगाल में तृणमूल नेता ममता बनर्जी ने प्र.मंत्री को ''सबसे बड़ा घुसपैठिया'' कह दिया था, इस पर भी भारी बवाल मचा था और भाजपा ने इस पर उग्र विरोधी अभियान चलाया।

नई दिल्ली, 21अप्रैल। असम, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान एक प्रवृत्ति देखी जा रही है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ विपक्षी नेताओं द्वारा कथित या वास्तविक ''अपमान'' के विरोध में अभियान चलाने की कोशिश भाजपा द्वारा की जा रही है।

पिछले महीने, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को कथित रूप से ''सबसे बड़ा घुसपैठिया'' बताया, जिससे विवाद बढ़ गया। तमिलनाडु में, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी को कथित रूप से ''आतंकवादी'' कहकर भाजपा में उफान ला दिया, और भाजपा ने माँग की कि खड़गे राष्ट्र से माफी माँगें। इससे पहले, बिहार में भाजपा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत माँ हीराबेन के खिलाफ विपक्षी मंच से की गई अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर बहुत आक्रोश में थे। इन विवादों की एक आम विशेषता यह है कि प्रधानमंत्री मोदी इस नाटक के केन्द्र बिंदु रहे। ऐसा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सीजेआई सूर्यकांत 18 घंटे काम करते हैं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। 19 अप्रैल को, मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै बैंच के लिए नए अतिरिक्त न्यायालय

- सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सुंदरेश ने यह बात मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बैंच के नए अतिरिक्त भवन के उद्घाटन समारोह में कही। कार्यक्रम में सीजेआई सूर्यकांत भी थे। जस्टिस सुंदरेश बता रहे थे कि जज का जीवन कितना व्यस्त होता है।

भवन और गेस्ट हाउस का उद्घाटन मदुरै जिला न्यायालय में किया गया। इस कार्यक्रम में कई वरिष्ठ न्यायाधीशों ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान युद्ध में गतिरोध जारी, अभी तक वार्ता स्थगित है

दोनों तरफ से बस धमकियों का आदान-प्रदान हो रहा है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- अमेरिका ने ईरान के दो जहाजों को एक ओमान की खाड़ी और दूसरा हिन्द महासागर पर बंदी बना लिया है।
- ट्रंप ने प्रैस कॉन्फ्रैंस में कहा, एक जहाज पर वो सामान था जो चीन, ईरान को बतौर सौगात भेज रहा था। ट्रंप ने चीन को भी धमकी दी कि वो दिक्कत में फंस जाएगा। पहले भी ट्रंप ने चीन पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। अगर, चीन ने ईरान को युद्ध की सामग्री दी।
- यह भी माना जा रहा है कि अमेरिका व ईरान के बीच सीज़फायर की अवधि अब बुधवार को पूरी हो रही है तथा दोनों देश युद्धविराम की अवधि बढ़ाने के लिए वार्ता पुनः शुरु हो, उसके पहले अपनी-अपनी तलवारें खड़खड़ा रहे हैं तथा ईरान ने भी कहा कि उसके जांबाज़ युद्ध पुनः शुरु करने को लालायित हैं।

नई दिल्ली, 21अप्रैल। अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता फिर से शुरू करने का प्रयास पश्चिम एशियाई खाड़ी के किनारों पर फंस गया है।

स्पष्ट गतिरोध दिखाई दे रहा है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से बमबारी फिर से शुरू करने की धमकी शामिल है। स्थिति को और ज्यादा जटिल यह स्थिति बनाती है कि अमेरिकी मरीन ईरानी जहाजों पर चढ़ गए और उन्हें उच्च समुद्र में ही जब्त कर लिया। ईरान की ओर से दावा किया गया है कि यदि अमेरिका जमीनी लड़ाई में उतरता है, तो उसके सेनानी पूरी तरह से सशस्त्र हैं और युद्ध के लिए तैयार हैं।

इस मौजूदा गतिरोध के पीछे दो मूलभूत मुद्दे हैं, पहला, होर्मुज़ स्ट्रेट की पूर्व स्थिति की बहाली, यानी इसे एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग के रूप में मान्यता देना, जिस पर किसी देश का कोई विशेष अधिकार न हो, और दूसरा, बड़ी मात्रा में समृद्ध यूरेनियम का निपटान, जो कथित रूप से किसी पहाड़ी गुफा में छिपा हुआ है।

इसलिए, इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता फिलहाल स्थगित लग रही है, जबकि अमेरिकी टीम, जो नामित और तैयार है, वॉशिंगटन में रुकी हुई है। अमेरिका ने बार-बार कहा है कि एक टीम, जिसका उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस फिर से नेतृत्व कर रहे हैं, इस्लामाबाद के लिए रवाना होने के लिए तैयार है।

इसी बीच, ईरान ने इस्लामाबाद आने से इनकार कर दिया। ईरान का कहना है कि होर्मुज़ स्ट्रेट पर अमेरिका की नाकेबंदी और ईरान से जुड़े जहाजों पर कब्जा करना जारी है।

अमेरिका ने सोमवार को एक और ईरानी जहाज जब्त किया, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने चीन से आने वाले उपहारों से भरा बताया। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने पहले रिपोर्ट किया था कि चीन ईरान को महत्वपूर्ण उपकरण और निगरानी उपकरण भेज रहा था।

चीन ने इन आपूर्तियों का खंडन किया है, लेकिन ईरान द्वारा अमेरिकी संपत्तियों पर सटीक हमले किसी भी प्रकार की खुफिया साझेदारी और विशेष उपकरण की मौजूदगी की ओर संकेत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'महिला की ''आउट ऑफ टर्न'' सुनवाई की जाए'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21अप्रैल। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में गठित एक अपीलीय न्यायाधिकरण से

- सुप्रीम कोर्ट ने प.बंगाल की एक महिला के सम्बंध में एपेलैट ट्रिब्यूनल को यह निर्देश दिया। ज्ञातव्य है कि आधार व पासपोर्ट होने के बाद भी एसआईआर प्रक्रिया में मतदाता सूची से उक्त महिला को बाहर कर दिया गया था।

अनुरोध किया कि वह उस महिला की विशेष (आउट-ऑफ-टर्न) सुनवाई प्रदान करे, जो एसआईआर प्रक्रिया के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 42 बीघा भूमि विवाद में एकलपीठ के आदेश पर रोक लगाई

अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार और जयपुर विकास प्राधिकरण सहित अन्य से जवाब मांगा

-कार्यालय संवाददाता-

- ज्ञात रहे कि जयपुर में बी-टू-बाईपास पर 2200 करोड़ रुपए की उक्त बेशकीमती जमीन पर पिछले दिनों हाईकोर्ट की एकलपीठ ने हाऊसिंग बोर्ड का मालिकाना हक माना था।
- अब खंडपीठ ने एकलपीठ के गत 9 अप्रैल के उस आदेश को स्थगित कर दिया है, जिसमें इस 42 बीघा जमीन को आवासन मंडल की मानते हुए 31 जुलाई, 1981 के समझौता विक्रय को अवैध मानते हुए शून्य घोषित कर दिया था।
- श्रीराम कॉलोनी की ओर से दायर अपील में सीनियर एडवोकेट कमलाकर शर्मा और आशीष शर्मा ने बताया कि एकलपीठ ने उन मुद्दों पर पुनः निर्णय दिया है, जो सुप्रीम कोर्ट की ओर से पहले ही तय किए जा चुके हैं। आवासन मंडल ने अपीलार्थी पर धोखाधड़ी के जो आरोप लगाए हैं, उन आरोपों को भी पूर्व में ही न्यायिक कार्यवाहियों में खारिज किया जा चुका है।

जयपुर, 21 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के गत 9 अप्रैल के उस आदेश को स्थगित कर दिया है, जिसमें एकलपीठ ने जयपुर में बी-टू-बाईपास पर स्थित 42 बीघा जमीन को आवासन मंडल की मानते हुए 31 जुलाई, 1981 के समझौता विक्रय को अवैध मानते हुए शून्य घोषित कर दिया था। अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार और जेडीए सहित अन्य से जवाब मांगा है। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश मंगलवार को श्रीराम कॉलोनी-बी विकास समिति की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत में आवासन मंडल की ओर से कैविएटर के तौर पर अधिवक्ता दिनेश यादव मौजूद रहे, जबकि श्रीराम कॉलोनी-बी विकास समिति की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा और उनके सहयोगी आशीष शर्मा पैरवी के लिए उपस्थित हुए।

श्रीराम कॉलोनी की ओर से दायर अपील में सीनियर एडवोकेट कमलाकर शर्मा और आशीष शर्मा ने बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ ने गत 9 अप्रैल को उन मुद्दों पर पुनः निर्णय दिया है, जो सुप्रीम कोर्ट की ओर से पहले ही तय किए जा चुके हैं। इसके अलावा राजस्थान आवासन मंडल ने अपीलार्थी पर धोखाधड़ी के जो आरोप लगाए हैं, उन आरोपों को भी पूर्व में ही न्यायिक कार्यवाहियों में खारिज किया जा चुका है।

वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा ने कोर्ट में दलील देते हुए कहा कि 31 जुलाई 1981 के विक्रय समझौतों को शून्य घोषित करना, वहां गत करीब 4 दशक से रह रहे 200 परिवारों के साथ अन्याय है। ऐसे में एकलपीठ के आदेश को रद्द किया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश पर रोक लगाते हुए संबंधित पक्षकारों से जवाब तलब किया है।

गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट में जस्टिस गणेशराम मीणा की एकलपीठ ने गत 9 अप्रैल को अपने आदेश में जेडीए की ओर से 29 मई, 1995 को इस 42 बीघा जमीन पर दी गई योजना स्वीकृति और उसके बाद के आदेशों को अवैध मानते हुए कहा था कि समझौता विक्रय से स्वामित्व हस्तांतरित नहीं होता है। एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा था कि ''धोखाधड़ी से प्राप्त कोई भी आदेश अंतिम हो तो भी वह अवैध ही होता है। 12 फरवरी, 2002 को एकलपीठ से गलत तथ्यों से आदेश प्राप्त किया गया था, ऐसे में उसे रद्द किया जाता है। एकलपीठ ने वर्ष 1986 की ऑडिट रिपोर्ट और 25 जुलाई, 2019 की जांच समिति रिपोर्ट के आधार पर माना कि अधिग्रहण से पूर्व ऐसी कोई योजना अस्तित्व में ही नहीं थी और समिति ने मूल खातेदारों को भी पक्षकार नहीं बनाया। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि खातेदार सिविल कोर्ट में जमा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की सजा

जयपुर, 21 अप्रैल। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर प्रथम ने घर में घुसकर नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त आकाश को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत

- इस घटना की रिपोर्ट मानसरोवर थाने में अक्टूबर 2023 को हुई थी।

ने अभियुक्त पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। पीठासीन अधिकारी दीक्षा सूद ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने नाबालिग पीड़िता के साथ घर में घुसकर दुष्कर्म किया है। इससे वह न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक रूप से भी प्रताड़ित हुई है। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

निरन्तर बदलने की इच्छा रखना एक ताकत होती है, चाहे इसकी वजह से कंपनी का एक बड़ा हिस्सा कुछ देर के लिए पूरी तरह से अव्यवस्थित क्यों ना हो जाए। –जैक वेल्च

परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में देश का बड़ा कदम

इस माह के पहले हफ्ते में भारत ने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की जब तमिलनाडु के कल्पक्कम में 500 मेगावाट के फास्ट ब्रीडर रिएक्टर के प्रोटोटाइप ने सफलतापूर्वक पहली क्रिटिकैलिटी हासिल कर ली है। इसका अर्थ है कि इस संयंत्र में परमाणु के लगातार चल सकने वाली नियंत्रित विखंडन श्रृंखला की शुरुआत हुई है। देश में दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने और स्वदेशी परमाणु प्रौद्योगिकी क्षमताओं को आगे बढ़ाने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक कदम है। यह उपलब्धि परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड की सभी शर्तों को पूरा करने के बाद मिली, जिसने संयंत्र प्रणालियों की सुरक्षा की गहन समीक्षा के बाद इसे मंजूरी मिली थी। हमारे लिये गर्व की बात यह है कि फास्ट ब्रीडर रिएक्टर प्रोटोटाइप का प्रौद्योगिकी विकास और डिज़ाइन परमाणु ऊर्जा विभाग के अनुसंधान और विकास केंद्र इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र में स्वदेशी रूप से हुआ है। इसका निर्माण और चालू करने का कार्य परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड ने किया है। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि फास्ट ब्रीडर रिएक्टर भारत की दीर्घकालिक परमाणु रणनीति की आधारशिला हैं। पारंपरिक थर्मल रिएक्टरों के विपरीत, यह प्रोटोटाइप यूरेनियम और प्लूटोनियम के मिश्रित ऑक्साइड ईंधन का उपयोग करता है। इस संयंत्र का अंदरूनी कोर हिस्सा यूरेनियम-238 की एक परत से घिरा होता है। तीव्र न्यूट्रॉन, यूरेनियम-238 को विखंडनीय प्लूटोनियम-239 में परिवर्तित कर देते हैं, जिससे रिएक्टर अपनी ईंधन की खपत से अधिक ईंधन का उत्पादन करने में सक्षम हो जाता है। इस रिएक्टर को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि भविष्य में इसकी परत में थोरियम-232 का उपयोग किया जा सके। ट्रांसम्यूटेशन की प्रक्रिया के माध्यम से, थोरियम-232 को यूरेनियम-233 में परिवर्तित किया जाएगा, जो भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के तीसरे चरण के लिए ईंधन का काम करेगा। यह अद्वितीय क्षमता परमाणु ईंधन संसाधनों के उपयोग को काफी हद तक बढ़ा देती है और देश को अपने सीमित यूरेनियम भंडारों से कहीं अधिक ऊर्जा प्राप्त करने में सक्षम बनाती है, साथ ही भविष्य में देश में उपलब्ध थोरियम के भंडारों का बड़े पैमाने पर उपयोग करने के लिए भी तैयार करती है। पहली क्रिटिकैलिटी हासिल करने के साथ ही, भारत अपने तीन-चरणों वाले परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की पूर्ण क्षमता को साकार करने के और करीब पहुंच गया है। फास्ट ब्रीडर टेक्नोलॉजी, प्रेशराइज्ड हेवी वॉटर रिएक्टरों के मौजूदा इकाइयों और भविष्य में थोरियम-आधारित रिएक्टरों की तैनाती के बीच एक ज़रूरी पुल का काम करेगी और देश के प्रचुर थोरियम संसाधनों का इस्तेमाल करके लंबे समय तक स्वच्छ ऊर्जा पैदा करने में मदद करेगी। यह उपलब्धि भारत के स्वदेशी डिज़ाइन, इंजीनियरिंग और मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम की ताकत को दर्शाती है। इस रिएक्टर में उन्नत सुरक्षा प्रणालियां, उच्च-तापमान वाली लिक्विड सोडियम कूलेंट टेक्नोलॉजी और एक क्लोज्ड फ्यूल साइकिल की समझ शामिल है। यह समझ परमाणु सामग्री की रीसाइक्लिंग को संभव बनाएगी, जिससे स्थिरता बढ़ेगी है और परमाणु कचरा कम होगा।।

यह प्रोजेक्ट बड़ी संख्या में उन वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, तकनीशियनों और उद्योग भागीदारों के समर्पण को भी दर्शाता है, जिन्होंने मुख्य रूप से स्वदेशी टेक्नोलॉजी और घटकों का उपयोग करके रिएक्टर के डिज़ाइन, निर्माण और संरचना में योगदान दिया है। उनके प्रयास उन्नत परमाणु इंजीनियरिंग में राष्ट्र की बढ़ती क्षमता को उजागर करते हैं और आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप तकनीकी आत्मनिर्भरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को मज़बूत करते हैं। ऊर्जा उत्पादन से परे, फास्ट ब्रीडर कार्यक्रम परमाणु ईंधन चक्र टेक्नोलॉजी, उन्नत सामग्री, रिएक्टर भौतिकी और बड़े पैमाने की इंजीनियरिंग में रणनीतिक क्षमताओं को मज़बूत करता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विकसित ज्ञान और बुनियादी ढांचा भविष्य के रिएक्टर डिज़ाइनों और अगली पीढ़ी की परमाणु टेक्नोलॉजी विकसित करने में मदद करेगा। जैसे-जैसे भारत अपने स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहा है, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर उच्च तापीय दक्षता के साथ विश्वसनीय, कम-कार्बन और बेस-लोड बिजली प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसलिए फर्स्ट क्रिटिकैलिटी की उपलब्धि न केवल एक तकनीकी मील का पत्थर है, बल्कि विकसित भारत के लिए एक स्थायी और आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदम भी है। परमाणु ऊर्जा सबसे स्वच्छ और सबसे भरोसेमंद ऊर्जा स्त्रोतों में से एक मानी जाती है। जो तकनीक आजकल सबका ध्यान खींच रही है, वह है थोरियम रिएक्टर। पारंपरिक यूरेनियम-आधारित प्रणालियों के मुकाबले थोरियम रिएक्टरों को कई देश भविष्य के स्वच्छ ऊर्जा मिश्रण के हिस्से के तौर पर परख रहे हैं क्योंकि इसे एक सुरक्षित और अधिक प्रचुर विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। थोरियम रिएक्टर की कार्यप्रणाली को समझने के लिए, सबसे पहले यह जानना आवश्यक है कि थोरियम को सीधे ईंधन के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता है। इसके बजाय, रिएक्टर में परमाणु विखंडन प्रक्रिया का उपयोग करके थोरियम-232 को यूरेनियम-233 के ईंधन में परिवर्तित किया जाता हैं। यह परिवर्तन रिएक्टर के अंदर न्यूट्रॉन की सहायता से होता है, जिससे एक नियंत्रित श्रृंखला अभिक्रिया शुरू होती है और ऊर्जा उत्पन्न होती है। थोरियम रिएक्टर की कार्यप्रणाली को यूं समझ सकते हैं कि पहले चरण में थोरियम को थोडी मात्रा में यूरेनियम या प्लूटोनियम के साथ रिएक्टर कोर में डाला जाता है। यह प्रारंभिक ईंधन न्यूट्रॉन उत्सर्जित करता है जो थोरियम को यूरेनियम-233 में परिवर्तित करने में सहायता करते हैं, जो बाद में मुख्य ईंधन बन जाता है। दूसरे चरण में थोरियम-232 एक न्यूट्रॉन को अवशोषित करता है और रेडियोधर्मी क्षय के माध्यम से धीरे-धीरे यूरेनियम-233 में परिवर्तित हो जाता है। इस प्रकार बना नया यूरेनियम-233 नाभिकीय अभिक्रिया को कुशलतापूर्वक बनाए रख सकता है। तीसरे चरण में जब यूरेनियम-233 के परमाणुओं पर न्यूट्रॉन टकराते हैं, तो उनमें विखंडन होता है, जिससे भारी मात्रा में ऊष्मा निकलती है। इस ऊष्मा का उपयोग भाप बनाने के लिए किया जाता है, जो टर्बाइनों को चलाकर बिजली पैदा करती है। चौथे चरण में रिएक्टर में पैदा हुई गर्मी को सुरक्षित रूप से नियंत्रित किया जाता है। कई डिज़ाइन, जैसे कि मोल्टन सॉल्ट रिएक्टर, कम दबाव पर काम करते हैं और उनमें सुरक्षा के लिए अंतर्निहित विशेषताएं होती हैं, जिससे मेल्टडाउन का जोखिम कम हो जाता है। वरना गर्मी इतनी होती है कि खुद रिएक्टर ही गल जाए। पांचवें चरण में थोरियम रिएक्टर कम समय तक रेडियोधर्मी रहने वाला अपशिष्ट उत्पन्न करते हैं। हालांकि यह अभी भी खतरनाक है, लेकिन अपशिष्ट कम समय तक रेडियोधर्मी रहता है, जिससे इसका प्रबंधन और भंडारण आसान हो जाता है। भारत और चीन जैसे देश अपने विशाल थोरियम भंडारों और बढ़ती ऊर्जा ज़रूरतों के कारण थोरियम-आधारित तकनीकों पर सक्रिय रूप से शोध कर रहे हैं।

यह प्रोजेक्ट बड़ी संख्या में उन वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, तकनीशियनों और उद्योग भागीदारों के समर्पण को भी दर्शाता है, जिन्होंने मुख्य रूप से स्वदेशी टेक्नोलॉजी और घटकों का उपयोग करके रिएक्टर के डिज़ाइन, निर्माण और संरचना में योगदान दिया है। उनके प्रयास उन्नत परमाणु इंजीनियरिंग में राष्ट्र की बढ़ती क्षमता को उजागर करते हैं और आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप तकनीकी आत्मनिर्भरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को मज़बूत करते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में स्वच्छ और अधिक टिकाऊ बिजली उत्पादन में यह तकनीक अहम भूमिका निभा सकती है। भारत में थोरियम आधारित परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम एक दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य देश के विशाल थोरियम भंडार का उपयोग करके ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है। भारत के पास यूरेनियम की तुलना में थोरियम का बहुत बड़ा भंडार है, खासकर केरल, तमिलनाडु और ओडिशा के तटीय इलाकों में। इसी कारण भारत ने थोरियम आधारित परमाणु ऊर्जा को विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया है। इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रसिद्ध वैज्ञानिक होमी जहांगीर भाभा ने की थी। भारत ने थोरियम के उपयोग के लिए 3-स्टेज न्यूक्लियर प्रोग्राम बनाया है जिसमें पहला चरण प्रेसराइज्ड हेवीवाटर रिएक्टर का है जिसमें यूरेनियम-238 ईंधन से प्लूटोनियम-239 बनाया जाता है। दूसरे चरण में फास्टब्रीडर रिएक्टर प्लूटोनियम का उपयोग करके अधिक ईंधन (यूरेनियम-233) बनाता है। यह चरण थोरियम उपयोग की तैयारी करता है। कल्पक्कम फास्ट ब्रीडर रिएक्टर इस चरण का प्रमुख प्रोजेक्ट है। इसके आगे तीसरे चरण में थोरियम आधारित रिएक्टर थोरियम-232 को यूरेनियम-233 में बदलेगा। यही भविष्य का लक्ष्य है। इस प्रमुख थोरियम आधारित प्रोजेक्ट में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र द्वारा एडवांस हेवी वाटर रिएक्टर विकसित किया जा रहा है जिसमें थोरियम और यूरेनियम-233 को मिलाकर ईंधन बनाया जाएगा। इसकी विशेषता यह है कि वह अधिक सुरक्षित है तथा कम रेडियोधर्मी कचरा पैदा करता है। लंबे समय तक ऊर्जा उत्पादन के लिये थोरियम के अनेक फायदे गिनाए जाते हैं। सबसे बड़ा फायदा तो यह कि थोरियम भारत में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है जो अधिक सुरक्षित और कम जोखिम वाला इसलिए है कि वह कम परमाणु कचरा उत्पन्न करता है और देश के लिये दीर्घकालिक ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराता है। लेकिन इसकी चुनौतियां भी है। यह तकनीक अभी विकास के चरण में है। यूरेनियम-233 का उत्पादन जटिल होता है जिसे भारतीय वैज्ञानिक अपनी मेधा से पार पा रहे हैं। इस प्रौद्योगिकी की प्रारंभिक लागत अधिक होती है, लेकिन यदि यह सफलता पूर्वक हासिल कर ली जाती है तो बाद में दीर्घ काल तक मुनाफा देने वाली साबित होती है। यह भी सही है कि अभी यह प्रौद्योगिकी विकास के चरण में हैं और इसका वाणिज्यिक स्तर पर उपयोग अभी पूरी तरह हासिल नहीं किया जा सका है। वर्तमान स्थिति पर नजर डालें तो भारत अभी इस तकनीक के दूसरे चरण पर काम कर रहा है। थोरियम आधारित रिएक्टर तीसरा चरण होगा जिस पर अनुसंधान जारी है। इसलिए नई तकनीक से बड़े पैमाने पर बिजली उत्पादन का लक्ष्य अभी दूर है। मगर भारत का थोरियम आधारित परमाणु कार्यक्रम भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यदि यह सफल होता है, तो भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकता है और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में दुनिया का अग्रणी देश बन सकता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

चिकित्सक : वर्षों की तपस्या, भारी निवेश और समाज की विडम्बना

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल

हमारे समाज में एक गहरा और चिंताजनक विरोधाभास मौजूद है। एक ओर हम चिकित्सक को भगवान का रूप कहकर सम्मानित करते हैं, वहीं दूसरी ओर व्यवहार में उसी चिकित्सक के श्रम, ज्ञान और समय का मूल्य देने से बचते हैं। यह विरोधाभास केवल शब्दों और व्यवहार का अंतर नहीं है, बल्कि यह उस मानसिकता का प्रतिबिंब है जिसमें हम सेवा और पेशेवर मूल्य के बीच का अंतर समझने में असफल रहते हैं।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि एक डॉक्टर बनना किसी सामान्य डिग्री हासिल करने जैसा नहीं है। यह एक लंबी, कठिन और अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक यात्रा है, जिसमें 15 से 20 वर्षों तक लगातार अध्ययन, प्रशिक्षण और मानसिक दबाव शामिल होता है। एक छात्र को सबसे पहले एनइइटी जैसी कठिन परीक्षा को पास करना होता है, जिसमें लाखों विद्यार्थी भाग लेते हैं, लेकिन सीटें सीमित होती हैं। इसके बाद एमबीबीएस की 5.5 वर्षों की पढ़ाई, जिसमें थ्योरी के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण और इंटर्नशिप शामिल होती है। लेकिन यह यात्रा यहीं समाप्त नहीं होती। एक सामान्य डॉक्टर बनने के बाद भी यदि कोई विशेषज्ञ बनना चाहता है, तो उसे पीजी (एमडी/एमएस) करना पड़ता है, जिसके लिए फिर से कठिन प्रतिस्पर्धा का सामना करना होता है। इसके बाद भी कई डॉक्टर सुपर-स्पेशलाइजेशन (डीएम/एमसीएच) करते हैं, जिससे उनकी कुल तैयारी का समय 15-20 वर्ष तक पहुँच जाता है।

इस पूरी प्रक्रिया में केवल समय ही नहीं, बल्कि आर्थिक निवेश भी अत्यधिक होता है। सरकारी कॉलेज में पढ़ाई करने वाले छात्रों को कुछ राहत मिलती है, लेकिन निजी मेडिकल कॉलेजों में फीस लाखों से लेकर करोड़ों तक पहुँच जाती है। कई परिवार अपने जीवनभर की बचत, जमीन-जायदाद, या कर्ज लेकर अपने बच्चों को डॉक्टर बनाते हैं।

यह निवेश केवल पैसे का नहीं होता – यह समय, मानसिक शांति, सामाजिक जीवन और युवावस्था के त्याग का निवेश होता है।

अब प्रश्न यह उठता है कि इतने बड़े त्याग और निवेश के बाद जब वही व्यक्ति डॉक्टर बनकर समाज के सामने आता है, तो क्या उसे वह सम्मान मिलता है जिसका वह अधिकारी है?

वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। समाज के कई वर्ग डॉक्टर को सेवा प्रदाता के रूप में तो देखते हैं, लेकिन उसे एक पेशेवर के रूप में स्वीकार करने में संकोच करते हैं।

मोहल्ले का किराने वाला डॉक्टर से हर वस्तु का पूरा पैसा लेता है, लेकिन डॉक्टर से मुफ्त में सलाह लेना अपना अधिकार समझता है। ट्यूशन पढ़ाने वाला शिक्षक अपनी फीस पूरी लेता है, लेकिन डॉक्टर से स्वास्थ्य संबंधी सलाह मुफ्त चाहता है।

यहाँ तक कि कई बार घर के कर्मचारी, परिचित और रिश्तेदार भी यही अपेक्षा रखते हैं कि डॉक्टर उनके लिए बिना शुल्क के उपलब्ध रहे।

यह मानसिकता केवल आर्थिक असंतुलन नहीं दर्शाती, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि हम डॉक्टर के ज्ञान और समय का मूल्य नहीं समझते।

हर व्यक्ति डॉक्टर से लाभ लेना चाहता है, लेकिन उनके ज्ञान का मूल्य देने को तैयार नहीं होता।

विडम्बना यहीं समाप्त नहीं होती। जब डॉक्टर स्वयं किसी अन्य सेवा क्षेत्र में जाता है – चाहे वह वकील हो, इंजीनियर हो, दुकानदार हो या कोई अन्य पेशेवर – तो उनसे पूरा शुल्क लिया जाता है, कई बार अधिक भी।

अर्थात, समाज को डॉक्टर से सेवा तो चाहिए, लेकिन मुफ्त में! लेकिन डॉक्टर को कोई भी सर्विस या सामान बेचने वालों को पूरा पैसा चाहिए और उन्हें भी पेशेवर मानने में संकोच करते हैं। हम यह नहीं सोचते की हमारे यहाँ जो रिपेरिंग सर्विस वाले लोग आते हैं वो एक विजिट का हज़ार रुपए तक चार्ज कर लेते हैं लेकिन हमें डॉक्टर को पांच सौ रुपए की फीस देने में तकलीफ होती है। हमें हमारी यही सोच बदलनी होगी। जबकि दोनों की कार्यकुशलता की तुलना अकल्पनीय है।

स्थिति और गंभीर तब हो जाती है जब कोई आपातकालीन परिस्थिति उत्पन्न होती है। डॉक्टर अपनी पूरी क्षमता, अनुभव और ज्ञान का उपयोग करते हुए मरीज को बचाने का प्रयास करता है। लेकिन यदि परिणाम अनुकूल नहीं आता, तो वही डॉक्टर अचानक लापरवाह, लुटेरा या अयोग्य घोषित कर दिया जाता है।

क्या यह किसी अन्य पेशे में देखने को मिलता है?

क्या किसी वकील के केस हारने पर उसके साथ हिंसा होती है?

क्या किसी इंजीनियर की गलती पर भीड़ अस्पताल जैसी प्रतिक्रिया देती है?

हाल ही में एक ब्यूटी क्वीन ने अपने इंटरव्यू में कहा कि भारत में डॉक्टर होना आसान नहीं है – लंबे काम करने के घंटे, अत्यधिक तनाव, सीमित संसाधन और उसके बावजूद बहुत अधिक अपेक्षाएँ।

पूरी कोशिश करने के बाद भी यदि परिणाम अनुकूल न हो, तो दोष अक्सर डॉक्टर पर ही आ जाता है।

उन्होंने यह भी बताया कि मेडिकल क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उन्हें अभी कई वर्षों तक कठिन पढ़ाई करनी होगी, मुश्किल से लोन मिलेगा, और उसके बाद यदि वे नर्सिंग होम खोलती हैं तो उन्हें प्रशासनिक, आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। किसी मरीज के न बच पाने की स्थिति में तोड़फोड़, दबाव और पुलिस तक की नौबत आ सकती है।

इसके विपरीत, एक ब्यूटी कॉन्टेस्ट जीतने के बाद तुरंत करोड़ों के असाइनमेंट और एंडोर्समेंट के अवसर मिलते हैं, और जहाँ भी जाएँ, वीआइपी ट्रीटमेंट मिलता है।

यह विडम्बना है कि जो पेशा जीवन बचाता है, उन्हें न सम्मान मिलता है, न सुरक्षा – और जो पेशा केवल मनोरंजन से जुड़ा है, उन्हें विशेषाधिकार मिलते हैं।

समाज की यह विडम्बना और स्पष्ट तब होती है जब हम देखते हैं कि कई ऐसे लोग, जिनकी गतिविधियाँ सीधे तौर पर जनहित के खिलाफ हैं, समाज में सम्मान प्राप्त करते हैं।

खराब सड़कों का निर्माण करने वाले ठेकेदार, शराब के ठेके चलाने वाले व्यापारी, बड़े घोटाले करने वाले नेता – ये सभी समाज में प्रभावशाली और सम्मानित बने रहते हैं। लोग उनके साथ फोटो खिंचवाकर गर्व महसूस करते हैं। लेकिन जो डॉक्टर दिन-रात लोगों की जान बचाने में लगा है, उन्हें अपमानित करने में कोई संकोच नहीं होता।

जब जिम्मेदारी तय करने की बात आती है, तब भी समाज का दृष्टिकोण असंतुलित दिखाई देता है।

शराब और तम्बाकू के सेवन से शरीर को नुकसान पहुँचाने वाला व्यक्ति जब अस्पताल पहुँचता है और स्थिति गंभीर हो जाती है, तो गुस्सा डॉक्टर पर निकलता है – न कि उन कारणों पर जो बीमारी की जड़ में थे।

खराब सड़क के कारण हुई दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मृत्यु होने पर भी दोष डॉक्टर की लापरवाही पर डाल दिया जाता है, न कि उस प्रणाली पर जिसने दुर्घटना को जन्म दिया।

आज के समय में यह कहना बहुत आसान हो गया है –

डॉक्टर ने मरीज मार दिया।

यह कथन न केवल तथ्यहीन है, बल्कि यह उस पेशे के प्रति गहरी असंवेदनशीलता को दर्शाता है, जो पूरी तरह सेवा, समर्पण और जिम्मेदारी पर आधारित है।

वास्तविकता यह है कि डॉक्टर हर दिन ऐसे निर्णय लेता है, जहाँ एक छोटा सा अंतर जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकता है।

उनके सामने आने वाला हर केस अलग होता है, हर मरीज की स्थिति अलग होती है, और हर निर्णय में जोखिम होता है।

इसके बावजूद, डॉक्टर को हर समय यह भय रहता है कि कहीं कोई आरोप न लग जाए, भीड़ इकट्ठी न हो जाए, या हिंसा का सामना न करना पड़े।

क्योंकि जो मरीज ठीक हो जाता है, वह सार्वजनिक रूप से डॉक्टर की सराहना नहीं करता। लेकिन यदि कोई घटना नकारात्मक हो जाए, तो वह तुरंत चर्चा और आलोचना का विषय बन जाती है।

यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि चिकित्सा केवल विज्ञान नहीं है – यह विश्वास पर आधारित प्रणाली है।

जहाँ विश्वास समाप्त होता है, वहाँ उपचार की प्रभावशीलता भी प्रभावित होती है।

डॉक्टर बिना किसी भेदभाव – जाति, धर्म, भाषा या आर्थिक स्थिति – के हर मरीज का इलाज करता है। वह उन परिस्थितियों में भी सेवा करता है, जहाँ कई बार मरीज के अपने परिजन भी आगे आने से कतराते हैं।

डॉक्टर और नर्सें बिना किसी दिखावे के दिन-रात सेवा में लगे रहते हैं। यही उनकी पेशेवर प्रतिबद्धता और मानवीय संवेदनशीलता है।

हालाँकि, यह भी स्वीकार करना आवश्यक है कि चिकित्सा क्षेत्र पूरी तरह निर्दोष नहीं है।

समय-समय पर मेडिकल इंश्योरेंस कंपनियों द्वारा कुछ अस्पतालों और डॉक्टरों को ब्लैकलिस्ट किया जाता है। यह दर्शाता है कि पेशे के भीतर भी सुधार की आवश्यकता है।

कई अस्पतालों में आर्थिक दबाव के कारण डॉक्टरों पर टारगेट थोपे जाते हैं। इन टारगेट्स को पूरा करने के लिए अनावश्यक जांचें, दवाइयां और सर्जरी की जाती हैं, जिससे जनता का विश्वास कमजोर होता है। फलस्वरूप मरीज का शरीर ख़राब होता है और परिवार हर तरीके से बर्बाद हो जाता है।

इसलिए यह समस्या एक तरफा नहीं है – यह दोतरफा जिम्मेदारी का विषय है।

समाज को डॉक्टरों के प्रति सम्मान और विश्वास बनाए रखना होगा, और डॉक्टरों तथा अस्पतालों को अपनी नैतिकता और पारदर्शिता सुनिश्चित करनी होगी।

लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि समाज को यह समझना होगा कि –

एक डॉक्टर केवल सेवा देने वाला व्यक्ति नहीं है, बल्कि वह वर्षों की कठोर मेहनत, त्याग और भारी निवेश का परिणाम है।

यदि हम आज भी डॉक्टर के ज्ञान और समय को मुफ्त सेवा समझते रहेंगे, तो आने वाले समय में योग्य और प्रतिभाशाली युवा इस पेशे से दूर होने लगेंगे।

और जब समाज को सबसे अधिक आवश्यकता होगी, तब योग्य डॉक्टरों की कमी एक गंभीर संकट का रूप ले सकती है।

अंततः, किसी भी समाज की मजबूती उसके मूल स्तंभों पर निर्भर करती है।

गुरु और चिकित्सक – ये दोनों ही समाज के ऐसे स्तंभ हैं, जो संकट के समय दिशा और जीवन दोनों प्रदान करते हैं।

यदि इन दोनों का सम्मान कम होता है, तो समाज का संतुलन भी धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है।

जापान में कई दुकानों और संस्थानों पर स्पष्ट रूप से लिखा होता है कि शिक्षकों और चिकित्सकों को विशेष छूट दी जाती है। यह केवल आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि उनके प्रति समाज के वास्तविक सम्मान का प्रतीक है, जहाँ ज्ञान देने और जीवन बचाने वालों को व्यवहार में प्राथमिकता दी जाती है। इसके विपरीत, भारत में हम भले ही डॉक्टरों और शिक्षकों को शब्दों में भगवान का दर्जा देते हों, लेकिन व्यवहार में उनके समय, ज्ञान और योगदान का उचित मूल्य नहीं समझते। यह अंतर हमारी सामाजिक सोच को दर्शाता है और यह संकेत देता है कि हमें भी सम्मान को केवल कहने तक सीमित न रखकर उसे अपने व्यवहार में उतारना सीखना होगा।

डॉक्टर और पुलिस हमेशा आपातकालीन नाइट ड्यूटी पर उपलब्ध रहते हैं, और देर रात किसी दुर्घटना के होने पर सबसे पहले डॉक्टर को फोन करके जगाया जाता है। पता नहीं, डॉक्टर कितनी रातें ठीक से सो पाते होंगे।

इसलिए यह समय है कि हम अपनी सोच में बदलाव लाएँ –

डॉक्टर को केवल भगवान का रूप कहने के बजाय, उन्हें एक सम्मानित, प्रशिक्षित और मूल्यवान पेशेवर के रूप में स्वीकार करें।

क्योंकि सम्मान केवल शब्दों से नहीं, बल्कि व्यवहार से प्रकट होता है।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

नया सवेरा

सुनीता चावला

जब लालिमा छिप जाती है,
और शाम ढलने लगती है..!
तब मत समझना हार हुई,
एक नई आस जगती है..!!

सूर्यास्त तो बस एक पर्दा है,
जो रात की गोद में सोता है..!
पर याद रहे हर रात के बाद,
फिर सूर्योदय ही होता है..!!

अंधेरा कितना भी गहरा हो,
वह सूरज को रोक नहीं पाता..!
थककर जो सो जाता है आज,
कल फिर चमकने आता है..!!

हार - जीत के इस द्वंद में,
डर मत हिम्मत मत हार..!
देखना सूर्यास्त के बाद,
फिर एक नया सवेरा आता है..!!

–सुनीता चावला,
शिक्षक।

तापमान 43 डिग्री तक पहुंचने के आसार

बीकानेर, (निसं)। शहर में गर्मी ने अब तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। बीते 24 घंटे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में करीब 2 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, बीकानेर का अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.9 डिग्री ज्यादा है। वहीं बीती रात न्यूनतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक है।

उधर, गर्मी के कारण बीकानेर के अधिकांश तालाब सूखकर मैदान बन गए हैं। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि अब शहर में हीटवेव का दौर शुरू हो सकता है। आने वाले दिनों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर ही बना रहेगा। खासतौर पर 23 अप्रैल को पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई गई है। इसके बाद हल्की गिरावट हो सकती है, लेकिन तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से नीचे आने के आसार नहीं हैं।

प्री-बीएड में 1.06 लाख सीटों पर 92 हजार आवेदन आये

सीटों के मुकाबले आवेदन कम आने पर अंतिम तिथि 5 मई तक बढ़ी

बीकानेर, (निसं)। बीएड करने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए अच्छा मौका है। इस बार प्री-बीएड परीक्षा में सीटों के मुकाबले आवेदन कम हो रहे हैं। ऐसे में बीएड करने वाले अभ्यर्थियों का प्रवेश निश्चित नजर आ रहा है।

नोडल एजेंसी वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा ने 20 फरवरी से पीटीईटी प्रवेश परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू की थी। पूर्व में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 20 मार्च निर्धारित की गई थी। उसके बाद अंतिम तिथि को 20 अप्रैल तक बढ़ाया गया। 20 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या लगभग 92 हजार के करीब है, जबकि प्रदेश के 944 कॉलेज में दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम की सीटें 1.06 लाख के करीब हैं। सीटों के मुकाबले आवेदन कम आने पर नोडल एजेंसी ने इच्छुक अभ्यर्थियों को आवेदन करने का एक मौका और दिया है। अब अभ्यर्थी 5 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन की अंतिम तिथि में 15 दिन की बढ़ोतरी की गई है। प्रवेश परीक्षा का आवेदन शुल्क 500 रुपए निर्धारित है। नोडल एजेंसी में ऑनलाइन आवेदन में त्रुटि सुधार की अंतिम तिथि भी 7 मई तक बढ़ा दी गई है। पूर्व में त्रुटि सुधार की अंतिम तिथि 22 अप्रैल निर्धारित थी। अभ्यर्थी 200 रुपए शुल्क देकर ऑनलाइन आवेदन में संशोधन कर सकेंगे। हालांकि नाम, फोटो, हस्ताक्षर जैसे मूल विवरण में बदलाव नहीं होगा।

राशिफल बुधवार 22 अप्रैल, 2026

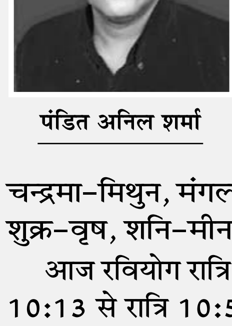

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2083, आर्द्रा नक्षत्र रात्रि 10:13 तक, अतिगंड योग प्रातः 9:08 तक, कौलव करण दिन 12:05 तक, चन्द्रमा मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग रात्रि 10:13 तक है। कुमार योग रात्रि 10:13 से रात्रि 10:50 तक है। आज चन्दन छठ है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:13 तक, शुभ 10:49 से 12:25 तक, चर 3:38 से 5:14 तक, लाभ 5:14 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:00, सूर्यास्त 6:50

मेष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

वृष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक सफलता से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मिथुन

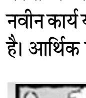

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

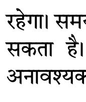

व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मानसिक तनाव बना रहेगा। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

सिंह

आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कन्या

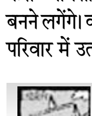

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला

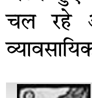

नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

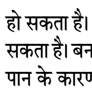

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कुंभ

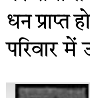

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन

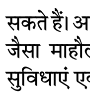

घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं एवं सुख-शांति बनी रहेगी।

प्रभावी मॉनिटरिंग से ही स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों में गुणवत्ता लाई जा सकती है : जिला कलेक्टर

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) राजस्थान के ब्राण्ड एम्बेसडर के.के. गुप्ता की अध्यक्षता में जिले के समस्त नगरीय निकायों के साथ जिला कलेक्ट्रेट सभागार सीकर में कार्यशाला आयोजित की गई।

■ स्वच्छता कार्यों में व्यवस्थाओं को सुदृढ़करने की है आवश्यकता : ब्राण्ड एम्बेसडर के.के गुप्ता

सीकर, (निसं)। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) राजस्थान के ब्राण्ड एम्बेसडर के.के. गुप्ता की अध्यक्षता में जिले के समस्त नगरीय निकायों के साथ कार्यशाला मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार, सीकर में आयोजित की गई। बैठक में स्वच्छता कार्यों की प्रगति, मॉनिटरिंग एवं प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यशाला में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) राजस्थान के ब्राण्ड एम्बेसडर के.के. गुप्ता ने बताया कि हमारा विजन बहुत ही स्पष्ट है कि जिन शहरों में पहले स्वच्छता के बारे में सोचा भी नहीं जाता था, उन्हें भी स्वच्छ बनाया गया है। उन्होंने कहा की आदिवासी क्षेत्रों में भी स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं, जो आज देश और दुनिया में पहचान बना चुके हैं। इसी उद्देश्य से निकायों के अधिकारियों के समक्ष छोटे-छोटे लेकिन महत्वपूर्ण बिंदु डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, सार्वजनिक शौचालयों की साफ-सफाई, प्लास्टिक मुक्त सीकर, व्यवसायिक क्षेत्रों में रात्रिकालीन साफ-सफाई, नीजी खाली प्लाट की साफ-सफाई, शहर के बाग बगीचों की साफ-सफाई के नगर पालिका के अधीशाषी अधिकारियों के सामने रखे गए हैं, ताकि स्वच्छता कार्यों को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारा जा सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सीकर जिले में भी निश्चित रूप से इन बिन्दुओं पर प्रभावी क्रियान्वयन किया जायेगा तो स्वच्छ भारत मिशन शहरी के कार्यो में सकारात्मक बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि जहां डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण प्रभावी रूप से हो रहा है, वहां कहीं भी कचरा दिखाई नहीं देता। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के स्पष्ट निर्देश हैं कि राज्य के सभी धार्मिक एवं पर्यटन स्थल पूर्णतः स्वच्छ होने चाहिए।

के.के. गुप्ता ने कार्यशाला में समस्त नगर निकाय के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता कार्यों में व्यवस्थाओं को सुदृढ करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता हमारा मूल कार्य है तथा इसके लिए पर्याप्त संसाधन एवं कर्मचारी भी उपलब्ध हैं। उन्होंने वर्ष 2015 से स्वच्छता अभियान से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने नगर निकाय के अधिकारियों से कहा कि वे स्वच्छ भारत मिशन की सभी योजनाओं को पूरी ईमानदारी, कर्तव्य निष्ठा के साथ धरातल पर उतारना सुनिश्चित करें।

उन्होंने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण को स्वच्छता का आधार बताते हुए कहा कि वर्ष के 365 दिन कचरा संग्रहण किया जाए तथा प्रतिदिन सुबह 10 बजे से पूर्व प्रत्येक घर से शत-प्रतिशत कचरा उठाया जाए। कचरा संग्रहण वाहन जीपीएस प्रणाली से संचालित हों तथा गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग एकत्रित किया जाए। उन्होंने आईईसी गतिविधियों के माध्यम से जन-जागरूकता बढ़ाने, 10-10 महिलाओं के समूहों की बैठकें आयोजित करने तथा समयबद्ध कचरा संग्रहण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रत्येक 400 घरों पर एक ऑटो टीपर की व्यवस्था की जानी चाहिए।

के.के. गुप्ता ने सार्वजनिक शौचालयों के संबंध में निर्देश दिए कि इन्हें कांच की तरह स्वच्छ रखा जाए तथा दिन में कम से कम तीन बार साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। शौचालयों की जियो-टैगिंग कर उनकी फोटो समूह में साझा की जाए, जिससे प्रभावी मॉनिटरिंग हो सके। साथ ही शमशान घाटों में भी नियमित साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

प्लास्टिक मुक्त सीकर की परिकल्पना पर जोर देते हुए गुप्ता ने कहा कि सड़कों पर प्लास्टिक बिल्कुल दिखाई नहीं देना चाहिए, क्योंकि यह न केवल गंदगी फैलाता है, बल्कि पशुओं के लिए भी घातक है। उन्होंने गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण को अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश दिए।

उन्होंने जन-जागरूकता के लिए 25 हजार की आबादी पर 4 तथा एक लाख की आबादी पर 8 होर्डिंग लगाने के निर्देश दिए। साथ ही सभी अधिशाषी अधिकारियों (ईओ) को अपने-अपने स्तर पर समूह बनाकर नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा। उन्होंने बताया कि स्वच्छता कार्यों की निगरानी डीएलबी द्वारा की जाएगी। गुप्ता ने सभी अधिकारियों से आव्हान किया कि वे पूरी ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि राजस्थान स्वच्छ भारत मिशन में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सके।

जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने बताया कि टीम को स्वच्छता कार्यों में निरंतर सुधार के लिए प्रेरित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रभावी मॉनिटरिंग से ही कार्यों में गुणवत्ता लाई जा सकती है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिले की समस्त टीम द्वारा गुप्ता द्वारा दिए गए निर्देशों की पालना करते हुए स्वच्छता कार्यों को बेहतर बनाएगी, जिससे सीकर जिला राज्य में एक उदाहरण बन सके।

कार्यशाला में नगर परिषद आयुक्त सीकर शशीकांत शर्मा, फतेहपुर अभिलाषा सहित समस्त नगर पालिकाओं के अधीशाषी अधिकारी, तकनिकी अधिकारी, मुख्य सफाई निरीक्षक, डोर-टू डोर कचरा संग्रहण के ठेकेदार, कनिष्ठ अभियन्ता, सहायक अभियन्ता, स्वच्छत भारत मिशन से जुडे हुए कार्मिक, रूडीप प्रोजेक्ट, जेजेएम योजना से जुड़े अधिकारी, कार्मिक उपस्थित रहे।

सार-समाचार

सुण्डाराम यादव को सीकर की जिम्मेदारी

पाटन (निसं)। अहीरवाल क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति, इतिहास और परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कार्यरत सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था नारनौल ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। संस्था द्वारा जारी प्रेस विज्ञिप्त के अनुसार राजस्थान क्षेत्र में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से सुण्डाराम यादव करजो को सीकर जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है।अहीरवाल क्षेत्र हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के नौ जिलों में फैला हुआ एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध क्षेत्र है। संस्था ने इस पूरे क्षेत्र के लगभग 2500 गांवों का इतिहास लेखन कार्य पूर्ण कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक साबित होगा। संस्था के निदेशक सत्यव्रत शास्त्री ने अहीरवाल की प्राचीन संस्कृति को पुनः वैभवशाली बनाने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना तैयार की है। इस योजना के तहत क्षेत्र की खोई हुई प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापित करने, पारंपरिक मान-बिंदुओं और रीति-रिवाजों को संरक्षित करने तथा नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जाएगा।सांस्कृतिक अहीरवाल का उद्देश्य न केवल इतिहास को संकलित करना है, बल्कि उसे प्रकाशित कर जन-जन तक पहुंचाना भी है। साथ ही क्षेत्र के सांस्कृतिक और धार्मिक पर्यटन स्थलों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा।सुण्डाराम यादव की नियुक्ति पर क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों ने खुशी व्यक्त की है। सामाजिक नेता रामरतन यादव, कालूराम सरपंच दलपतपुरा, सोमदत्त सरपंच मोहनपुरा, धर्मपाल यादव, सुरेश यादव रामपुरा और हरिराम बल्लूपुरा सहित अनेक लोगों ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन को नई गति मिलेगी और सांस्कृतिक अहीरवाल का मिशन और अधिक प्रभावी रूप से आगे बढ़ेगा।पिछले पांच वर्षों से निरंतर प्रगति कर रही संस्था को इस नियुक्ति से और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

ओटीपी लेकर 1.13 लाख उड़ाए

पिलानी (निसं)। घटना 18 अप्रैल की है, जब सिकंदर अली शादी समारोह में शामिल होने पिलानी आए हुए थे। इसी दौरान उन्हें एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को लोन फाइल क्लियर करने वाला अधिकारी बताया और व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर जुड़ने को कहा। झांसे में आकर सिकंदर अली वीडियो कॉल से जुड़ गए। ठग ने प्रोसेसिंग का बहाना बनाकर उनसे मोबाइल की स्क्रीन शेयर करवाई और मैसेज बॉक्स खुला रखने को कहा। इसी दौरान मोबाइल पर आए ओटीपी को ठगों ने हासिल कर लिया और नेट बैंकिंग के जरिए अपने खाते को बेनिफिशियरी के रूप में जोड़ लिया। दो किश्तों में साफ किया खाता नए बेनिफिशियरी के जुड़ने में 24 घंटे की देरी का फायदा उठाते हुए ठगों ने 19 अप्रैल को फिर संपर्क किया। एक बार फिर वीडियो कॉल के जरिए स्क्रीन शेयर करवाई गई और खाते से पहले 49,500 रुपए और फिर 64,000 रुपए ट्रांसफर कर लिए गए। शादी समारोह में व्यस्त होने के कारण सिकंदर अली को तुरंत धोखाधड़ी का पता नहीं चला। अगले दिन जब उन्होंने बैंक खाता चेक किया तो रकम गायब मिली। इसके बाद उन्होंने तुरंत साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होने के बाद साइबर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि ठगों ने बेहद सुनियोजित तरीके से तकनीक का इस्तेमाल कर वारदात को अंजाम दिया।

मूर्ति का अनावरण आज

चूरू (निसं)। जिला स्टेडियम में लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ की मूर्ति अनावरण समारोह व कृषि उपज मंडी में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के जन्मदिन पर होने वाली संकल्प सभा को लेकर विधायक हरलाल सहारण, जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, जिला महामंत्री चन्द्राराम गुरी व अभिषेक चोटिया ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि चूरू के लाल लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड की मूर्ति का अनावरण 22 अप्रैल को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला व सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर करेंगे। विधायक सहारण ने बताया कि पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के जन्म दिवस पर संकल्प सभा के रूप में विशाल जनसभा का आयोजन किया जायेगा। जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के नाम पर पिछले दिनों मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जिला खेल स्टेडियम का नाम रखा था, अब बुधवार को इनकी मूर्ति का अनावरण किया जायेगा। विधायक हरलाल सहारण ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस दौरान विधायक सहारण ने सभा स्थल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर नेताप्रतिपक्ष विमला गढ़वाल, मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, जिला मीडिया संयोजक रवि दाधीच सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आमजन की समस्याएं सुनी

रतनगढ़ (निसं)। पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि ने भाजपा कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे लोगों की विभिन्न समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान महर्षि ने कहा कि आमजन की मूलभूत समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के साथ सहज व सुलभ तरीके से होना चाहिए, जिससे लोगों को राहत मिल सके।जनसुनवाई में नई सड़क निर्माण, सड़कों की मरम्मत, जर्जर विद्युत पोल बदलवाने, नए बिजली कनेक्शन, 'आपणी योजना' के तहत जल कनेक्शन, जल आपूर्ति सुचारू करने, ट्यूबवेल की खराब मोटर बदलवाने सहित शिक्षा व चिकित्सा से जुडी समस्याएं प्रमुख रूप से उठाई गईं, जिन पर अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

चेक अनादरण मामले में एक वर्ष का कारावास

तारानगर (निसं)। तारानगर न्यायालय के न्यायिक मजिस्ट्रेट अजयदीपसिंह की अदालत ने चेक अनादरण के एक मामले में निर्णय पारित करते हुए सिद्धमुख तहसील के दयावठ निवासी रतनलाल पुत्र मुंशीराम को एक वर्ष के साधारण कारावास व 12 लाख रुपये के प्रतिकर से दंडित किया है, परिवादी की ओर से पैरवी कर रहे एडवोकेट जीताराम शर्मा ने बताया के दयावठ गाँव के ही सुनील कुमार ने रतनलाल के विरुद्ध 9,65,000 रुपए के चैक अनादरण का मामला दर्ज करवाया था दोनों पक्षों की साक्ष्य के उपरांत न्यायालय ने रतनलाल को एक वर्ष का साधारण कारावास व बारह लाख रुपए के प्रतिकर से दंडित किया है। परिवादी सुनील कुमार की ओर से पैरवी अधिवक्ता जीताराम शर्मा पंडरेऊ टिब्बा ने की।

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का भ्रमण किया

रतनगढ़ निसं)। आरयूआईडीपी द्वारा निर्मित चूरू रोड स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का मरुधर आईटीआई के विद्यार्थियों ने निदेशक महेश भाम्बू के नेतृत्व में भ्रमण किया। एल एंड टी कंपनी के इंजीनियर सोमेन बैरा, विष्णु स्वामी व कार्तिक ने विद्यार्थियों को प्लांट की कार्यप्रणाली, ट्रीटमेंट प्रक्रिया व आधुनिक तकनीक की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुद्ध किया गया पानी सिंचाई के काम आता है और उससे प्राप्त खाद भी उपयोगी होती है। इस दौरान विद्यार्थियों को विद्युत सिस्टम व मशीनों के कार्य के बारे में समझाया गया। कार्यक्रम में शिक्षक सुमित, अमित सहित अन्य उपस्थित रहे।

गर्मी में जगह-जगह प्याऊ शुरू

रतनगढ़ निसं)। रतनगढ़ नागरिक परिषद, कोलकाता ने गर्मी के मौसम में शहर के विभिन्न स्थानों पर राहगीरों के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था शुरू की है। गढ़ परिसर में प्याऊ का शुभारंभ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र कौशिक व एसीजेएम अरुण जागिड ने किया। परिषद के प्रतिनिधि एडवोकेट रजनीकांत सोनी ने बताया कि रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, सब्जी मंडी, अस्पताल सहित कई स्थानों पर पेयजल सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जरूरत अनुसार आगे भी प्याऊ व टैंकर से पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

सीएम किसान सम्मान निधि योजना की किस्त हस्तांतरण आज

सीकर (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार, 22 अप्रैल, 2026 को ओसियां, जोधपुर से मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत छठी किस्त का हस्तांतरण करेंगे। जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम वीडियों कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रातः 11 बजे जिला परिषद सभागार सीकर में प्रसारण किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजन व आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए गए हैं।

मोतियाबिंद जांच व ऑपरेशन शिविर कल

रतनगढ़ निसं)। माहेश्वरी सभा ट्रस्ट, शंकरा आई हॉस्पिटल व जिला अंधता निवारण समिति जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 23 अप्रैल को माहेश्वरी भवन (रामचंद्र पार्क के पास) में निःशुल्क मोतियाबिंद जांच व लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित होगा।

हीटवेव अलर्ट को लेकर प्रशासन सतर्क

हनुमानगढ़, (निसं)। आगामी हीटवेव की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारिया तेज कर दी हैं। मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पार्क में जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने परिंडे बांधकर 'परिंडे अभियान' की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए पेयजल की व्यवस्था करना हम सभी की जिम्मेदारी है। जिला कलेक्टर ने जिलेवासियों से अपील की कि वे अपने घरों व आसपास परिंडे बांधकर पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करें। साथ ही उन्होंने लोगों से स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखने और पालतू पशुओं की देखभाल करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि हीटवेव को लेकर सभी विभागों को सतर्क रहने और आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान सहायक निदेशक लोक सेवाएं दिव्या चौधरी, एसीईओ देशराज बिश्नोई, महाप्रबंधक उद्योग एवं वाणिज्य आकाशदीप सिद्धु, पशुपालन संयुक्त निदेशक डॉ. आनंद स्वरूप, उपनिदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी ममता बिश्नोई सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रक्तदान शिविर आयोजित

नोहर, (निसं)। यहां भाजपा नेता काशीराम गोदारा व नगरमण्डल भाजपा ने बताया कि स्थानीय भगत सिंह चौक स्थित लाइफ लाइन हॉस्पिटल में आज प्रातः 09 बजे एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, शिविर की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना है। रक्तदान जीवनदान के संदेश के साथ यह पहल की जा रही है।

चूरू में गर्मी का प्रकोप जारी

चूरू (निसं)। जिले में इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है। सोमवार को अधिकतम तापमान 41.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हीटवेव की आशंका को देखते हुए डीबी अस्पताल में विशेष तैयारियां की गई हैं। इमरजेंसी, मेल-फीमेल और मेडिसिन आईसीयू में हीटवेव पीडितों के लिए बेड आरक्षित किए गए है।। अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में ठंडे पानी की बोतलें और ओआरएस के पैकेट उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अलावा आइस पैक और तरल पदार्थों को ठंडा रखने के लिए डी-फ्रीज में रखा गया है ताकि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत उपयोग किया जा सके। इस तन झुलसाने वाली धूप के कारण दोपहर में शहर की सड़कों पर आवागमन काफी कम दिखाई देता है। लोग घरों से बाहर निकलने से पहले छाता या तौलिया का सहारा लेते हैं। सोमवार को चूरू में अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जनगणना-2027 को लेकर अधिकारियों का प्रशिक्षण, जिला कलेक्टर ने आवश्यक निर्देश दिए

हनुमानगढ़, (निसं)। आगामी जनगणना-2027 को सुचारू, पारदर्शी और त्रुटिरहित तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को उपखंड अधिकारियों एवं चार्ज अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम और समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसे पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ संपन्न किया जाना चाहिए। उन्होंने 1 मई से 15 मई 2026 तक प्रस्तावित 'सेल्फ एन्यूमरेशन' प्रक्रिया को अधिकाधिक बढ़ावा देने पर जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आमजन को इसके लिए जागरूक करें और पोर्टल के माध्यम से स्वयं डेटा दर्ज करने के लिए प्रेरित करें, ताकि आंकड़ों की सटीकता और गति सुनिश्चित हो सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना निदेशालय जयपुर के सहायक निदेशक कल्पेश गुप्ता ने अधिकारियों को जनगणना पोर्टल के उपयोग, डेटा एंट्री की मॉनिटरिंग तथा फील्ड स्तर पर आने वाली तकनीकी समस्याओं के समाधान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावी निगरानी रखने के निर्देश भी दिए। बैठक के अंत में उप जिला जनगणना अधिकारी डॉ. ममता बिश्नोई ने सभी अधिकारियों को कहा कि वे अपने क्षेत्रों में जनगणना की तैयारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करें। इस अवसर पर जिले के सभी उपखंड अधिकारी, चार्ज अधिकारी तथा जनगणना कार्य से जुड़े संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नागरिक स्वयं भर सकेंगे विवरण : जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने बताया कि इस बार जनगणना प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण डिजिटल पहल के रूप में स्व-गणना (सेल्फ इनुमेरेशन) का विकल्प भी शामिल किया गया है, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयं ऑनलाइन अपनी जनगणना विवरणी भर सकेंगे।

इस प्रक्रिया के तहत निवासी अपने परिवार से संबंधित जानकारी स्वयं ऑनलाइन पोर्टल://...पर दर्ज कर सकते हैं। यह पोर्टल 1 मई, 2026 से 15 मई, 2026 तक, प्रगणक के घर-घर सर्वे से 15 दिन पूर्व सक्रिय रहेगा। पूरी प्रक्रिया लगभग 15 से 20 मिनट में पूर्ण हो जाती है तथा सफल सबमिशन के बाद से शुरू होने वाली 11 अंकों की विशिष्ट जारी की जाती है। पंजीकरण एवं प्रक्रियाः सरल चरणों में पूरी होगी स्व-गणना स्व-गणना के लिए नागरिकों को पोर्टल पर राज्य का चयन कर कैप्चा भरते हुए लॉगिन करना होगा। इसके बाद परिवार के मुखिया का नाम, मोबाइल नंबर (प्रति परिवार एक) और वैकल्पिक ईमेल दर्ज करना अनिवार्य होगा। भाषा चयन के बाद ओटीपी सत्यापन किया जाएगा। आगे की प्रक्रिया में नागरिकों को अपने निवास का विवरण भरते हुए डिजिटल मानचित्र पर घर का सटीक स्थान चिन्हित करना होगा। इसके पश्चात निर्धारित प्रश्नावली भरकर के माध्यम से जानकारी की जांच की जा सकती है तथा अंतिम रूप से करने पर डेटा लॉक हो जाएगा। सत्यापन एवं सावधानियाः सुरक्षित रखना आवश्यक अंतिम सबमिशन के पश्चात प्राप्त को सुरक्षित रखना अनिवार्य है, जिसे एसएमएस अथवा ईमेल के माध्यम से भी प्राप्त किया जा सकता है।

चौपदार का जन्मदिन मनाया

नोहर, (निसं)। यहां प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष एम. डी. चौपदार का जन्मदिन आज नोहर में सेवा और सामाजिक सरोकारों के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर अल्पसंख्यक विभाग हनुमानगढ़ के जिला अध्यक्ष आरिफ टाक के नेतृत्व में सवेरा सेवा संस्थान में एक दिन की संस्था के निवाला प्रोजेक्ट के तहत एक दिन की रसौई परोसी गई व वहां उपस्थित आमजन के बीच केक काटकर जन्मदिन की खुशियां साझा की गई। कार्यक्रम के तहत कार्यकर्ताओं द्वारा कल्याण द्वार गौशाला में पशुओं को चारा व गुड खिलाकर सेवा कार्य किया गया। इसके साथ ही मदरसे में बच्चों को मिठाई वितरित कर खुशी व्यक्त की गई। मदरसे में मौलाना और बच्चों ने एम. डी. चौपदार के लिए लंबी उम्र और अच्छी सेहत की दुआ की। इस आयोजन में कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही।

अस्पताल का औचक निरीक्षण

खेतड़ी/झुंझुनूं (निसं)। भीषण गर्मी और जारी हीट वेव अलर्ट के बीच स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त रखने के लिए चिकित्सा विभाग पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने मंगलवार को उप जिला अस्पताल खेतडी का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की गहन पड़ताल की।

निरीक्षण के दौरान डॉ. गुर्जर ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों में पहुंचकर भर्ती मरीजों से सीधे संवाद किया और उन्हें मिल रही चिकित्सा सुविधाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने मौसमी बीमारियों की बढ़ती आशंका को देखते हुए दवाओं की उपलब्धता, जांच सुविधाओं और सिजेरियन डिलीवरी जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं की स्थिति का विस्तार से जायजा लिया। सीएमएचओ ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मा योजना के तहत पात्र मरीजों के पैकेज समय पर बुक किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों को योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि अस्पताल में पेयजल, दवाइयों और अन्य आवश्यक संसाधनों की किसी प्रकार की कमी न रहे। गर्मी के तीखे तेवरों को देखते हुए उन्होंने सभी वार्डों मे कूलर, पंखे और पर्दों की समुचित व्यवस्था करने तथा साफ-सुथरा पेयजल उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि हीट वेव के दौरान मरीजों को त्वरित और बेहतर उपचार देना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान पीएमओ डॉ. अक्षत शर्मा और बीसीएमओ डॉ. हरीश यादव सहित अस्पताल स्टाफ मौजूद रहा।

विधिक जागरूकता विषयों पर चर्चा

तारानगर (निसं)। तारानगर के अपर जिला एवं सेशन न्यायधीश व सिविल न्यायधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर द्वारा संचालित 'साईबर सुरक्षा जागरूकता, संरक्षण और न्याय तक समावेशी पहुँच' विषय पर 'ट्रांस्फॉरमेटिव ट्यूज्डे' नामक राजव्यापी प्रमुख कार्यक्रम के तहत मंगलवार को कस्बे के दो निजी शिक्षण संस्थानों में कक्षा 8वीं से 12वीं के विद्यार्थियों के बीच साईबर, विधिक जागरूकता विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान एडीजे संतोष कुमार मीणा ने बच्चों को साईबर सुरक्षा के बारे में बताया, साईबर अपराधों व साईबर ठगी से किस प्रकार बचा जा सकता है इस के उपायों के बारें में बताया इसके साथ ही मीणा ने बताया कि 'विद्यार्थी देश का भविष्य है। यदि वे कानून के प्रति जागरूक होंगे।

बेदखली सूचना यह कि मेरा पुत्र विरेन्द्र पुत्र स्व.मदन सिंह जाति राजपूत निवासी वार्ड नं. 02, सांखू फोर्ट तहसील राजगढ़ जिला चूरू आवारा प्रवृति और गैर चाल चलन का है और मेरे कहे में नहीं है, आये दिन मेरे साथ गाली गलोच व लडाई झगड़ा करता रहता है तथा मेरा कहना नहीं मानता है और मुझे धमकी देता है कि मुझे व मेरे परिवार को झूठे मुकदमें में फंसा दूंगा और मुझे तंग परेशान करता है। इस कारण मैने मेरे पुत्र विरेन्द्र के साथ सभी सम्बन्ध रिश्ते नाते खत्म कर लिये है मेरा मेरे पुत्र विरेन्द्र से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है और मेरे पुत्र विरेन्द्र को मेरी चल व अचल सम्पति से बेदखल करती हूं। भविष्य में मेरा पुत्र विरेन्द्र कोई गलत काम करता है तो वो स्वयं जिम्मेदार होगा और मेरे पुत्र विरेन्द्र से कोई भी व्यक्ति लेन देन करेगा तो उसका जिम्मेवार स्वयं लेनदार होगा और मेरा पुत्र विरेन्द्र आपराधिक प्रवृति का है और आपराधिक प्रवृति के लोगों के साथ इसका उठना बैठना है। अगर मेरा पुत्र विरेन्द्र कोई अपराध करता है या आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाया जाता है तो उसका जिम्मेवार मेरा पुत्र विरेन्द्र होगा। सर्वसाधारण आम को सूचित रहे। दिनांक 20.04.2026 प्रार्थीनी / सूचनाकर्ता- सुनिता पत्नी स्व. मदन सिंह जाति राजपूत निवासी वार्ड नं. 02, सांखू फोर्ट तहसील राजगढ़ जिला चूरू (राज.)

साइबर क्राइम व बाल विवाह के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया

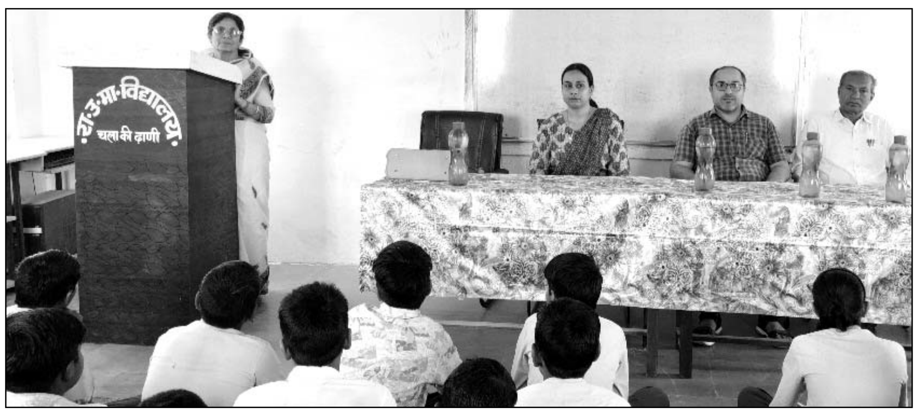

साइबर क्राइम व बाल विवाह के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया।

नीमकाथाना (निसं)। माननीय रालसा एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीकर के निर्देशन में तालुका विधिक सेवा समिति नीमकाथाना द्वारा जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में विधिक सेवा शिविरों का आयोजन किया गया।

इन शिविरों में साइबर क्राइम तथा बाल विवाह जैसी गंभीर सामाजिक समस्याओं पर विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी गई। तालुका विधिक सेवा समिति के सचिव अजय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता मुरारी लाल शर्मा, दर्शन सिंह सैनी, जसवंत मीणा एवं श्रीमती शशिकला सैनिक ने कानून से जुड़े महत्वपूर्ण प्रावधानों को सरल भाषा में समझाते हुए विद्यार्थियों को जागरूक किया।

साथ ही अधिकार मित्र चंदन करोटवान, राजेन्द्र प्रसाद सैनी, हर्ष कुमार एवं सुश्री रितिका कंवर ने भी सक्रिय सहभागिता निभाते हुए विद्यार्थियों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया।वक्ताओं ने साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताते हुए सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग पर जोर दिया तथा बाल विवाह को रोकने हेतु कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी।

उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं जागरूक बनें और समाज में भी जागरूकता फैलाने में सहयोग करें।इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कानून की जानकारी देकर उन्हें सशक्त बनाना रहा।

चौपहिया वाहन के लिए नई सीरीज शुरू

हनुमानगढ़, (निसं)। वाहनों के आकर्षक पंजीयन नंबरों की बढ़ती मांग को देखते हुए हनुमानगढ़ जिला परिवहन कार्यालय (31) द्वारा नई सीरीज शुरू की गई है। 5 सीट तक के चौपहिया वाहनों के लिए चतुर्थ अग्रिम सीरीज तथा 5 से अधिक सीट क्षमता वाले चौपहिया वाहनों के लिए चतुर्थ अग्रिम सीरीज खोली गई है। परिवहन अधिकारी पुनिया ने बताया कि इन दोनों सीरीज में 0001 से 9999 तक के पंजीयन नंबर उपलब्ध रहेंगे।

कार्यालय अध्यक्ष, महाविद्यालय विकास समिति राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सुजानगढ़ जिला-चूरू

क्रमांकः रामसु/लेखा/MVS/निविदा/2026-27/130-135 दिनांकः 21 अप्रैल, 2026

खुली बोली आमंत्रण सूचना

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए इस कार्यालय व इस नोडल कार्यालय के अन्तर्गत संचालित राजसेस महाविद्यालय में महाविद्यालय विकास समिति के प्रावधानान्तर्गत कार्यालय कार्य हेतु मानव संसाधन आपूर्ती सेवा कम्प्यूटर ऑपरेटर, बागवान, चौकीदार व स्वीपर की दर अनुबन्ध पर सेवा उपलब्ध करवाने हेतु खुली बोली आंमत्रित की जाती है। खुली बोली आमंत्रण सूचना एवं बोली दस्तावेज वेबसाईट "http://sppp.rajasthan.gov.in" पर देखी जा सकती है।

NIB: ECD2627A0019
UBN: ECD2627SSOB00019

अध्यक्ष,
महाविद्यालय विकास समिति
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
सुजानगढ़

कार्यालय, नगरपालिका मण्डल, बीदासर (चूरू) राज0

क्रमांकः-न.पा.बी/भूमि-शाखा/2026/104 दिनांक :- 16.04.2026

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित आवेदकों ने आवासीय निर्माण स्वीकृति/नामान्तरण/उपविभाजन/कृषि भूमि से आवासीय पट्टा/69-क पट्टा हेतु इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः आवेदनों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति /संस्था को कोई आपति हो तो मय दस्तावेज के साथ 07 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर देवे समयावधि पश्चात कोई आपति मान्य नही होगीं।

पत्रावलियों का विवरण

क्र. स	पत्रावली संख्या/दिनांक	नाम	भूमि का क्षेत्रफल (वर्गमीटर में)	आस-पास का विवरण: उतर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम
1.	116/ 13.04.2026	श्रीमति विजय लक्ष्मी पत्नि श्री अनिल कुमार जाति शर्मा निवासी वार्ड न. 10 स्टेट बैंक के पास बीदासर।	115.24 व.मी. (69-क)	गवालाराम	आम रास्त	चिमनाराम	गोपाल शर्मा
2.	117/ 13.04.2026	श्री अमर सिंह व महेन्द्र सिंह पुत्र श्री भूर सिंह जाति राजपूत निवासी वार्ड नं.34 उतरादा बास बीदासर।	108.70 व.मी. (69-क)	आम रास्त	नोरतमल	कन्हैयालाल	भंवरलाल
3.	23/ 10.4.2026	श्री सुरेंद्र कुमार टांटिया पुत्र श्री बनवारी लाल जाति टांटिया निवासी वार्ड नं.05 रामदवारा के पास बीदासर।	491 व.मी. (निर्माण स्वीकृति)	आम रास्त	आम रास्त	ओमप्रकाश/ जंवरीमल सोनी व मनीष सोनी	बच्छराज डोसी व शिवजी शर्मा
4.	24/ 10.4.2026	श्रीमति सावत्री पत्नि श्री शिव प्रसाद जाति शर्मा निवासी वार्ड न. 04 रामदवारा के पास बीदासर।	61.38 व.मी. (निर्माण स्वीकृति)	बच्छराज डोसी	आम रास्त	भूमि विक्रेता की	सावत्री
5.	25/ 16.04.2026	श्री अब्दूल रउफ पुत्र श्री इब्राहीम खान व जैनब बानो पत्नि श्री अब्दूल रउफ जाति कायमखानी निवासी वार्ड नं.15 बीदासर।	864 व.मी. (मकान निर्माण स्वीकृति)	आसाराम माली	उप तहसील भवन	आम रास्त	आम रास्त

राज.संवाद/सी/26/1143 अधिशाषी अधिकारी

अलवर के नौगांव में कुल्फी फैक्टरी में आग लगी, लाखों का सामान जला

वेल्डिंग से निकली चिंगारी पास ही रखे लकड़ी के ईंधन पर गिर गई और आग लग गई

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के नौगांव इलाके में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया जब आलमपुर रोड स्थित एक कुल्फी फैक्टरी में भीषण आग लग गई। आग ने चंद मिनटों में ही विकराल रूप धारण कर लिया और फैक्टरी में रखा लाखों रुपये का कीमती सामान, मशीनें और रेफ्रिजरेटर जलकर पूरी तरह राख हो गए। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने की शुरुआत फैक्टरी के भीतर चल रहे वेल्डिंग कार्य के दौरान हुई। वेल्डिंग से निकली चिंगारी पास ही रखे लकड़ी के ईंधन पर गिर गई। ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग ने देखते ही देखते पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। फैक्टरी संचालकों और स्थानीय लोगों ने शुरुआत में आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी तेजी से फैली कि उनके तमाम प्रयास विफल साबित हुए। आग की भयावह लपटों को देख आसपास के लोगों ने तत्काल दमकल विभाग को सूचित किया। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने करीब 2 से 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह बुझाया। आग बुझने के बाद जब स्थिति का जायजा लिया गया, तो फैक्टरी का अधिकतर हिस्सा और

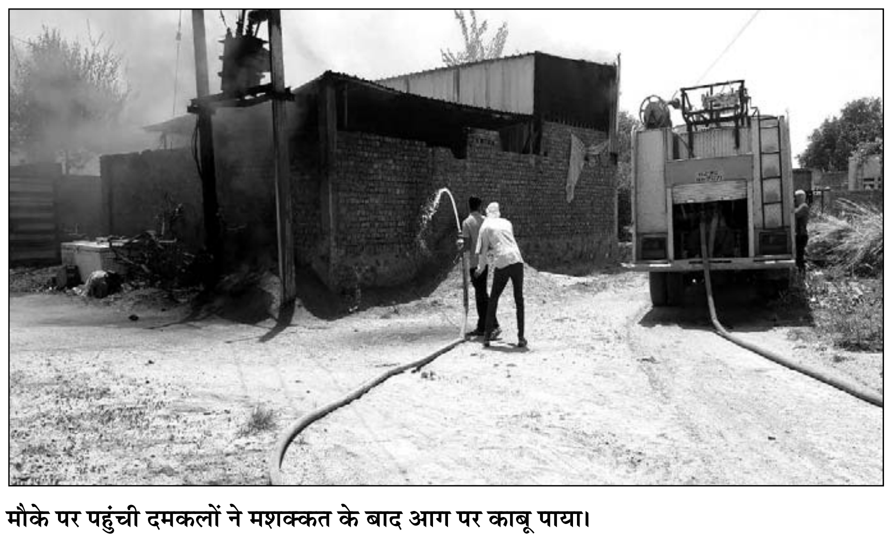

मौके पर पहुंची दमकलों ने मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

■ फैक्टरी संचालकों और स्थानीय लोगों ने शुरुआत में आग पर काबू पाने का प्रयास किया

सामान राख के ढेर में तब्दील हो चुका था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन भी सक्रिय हो गया और मौके पर पहुंचकर मुआयना किया। फिलहाल आग लगने के कारणों की आधिकारिक जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि प्राथमिक रूप से इसे वेल्डिंग के दौरान हुई लापरवाही का परिणाम माना जा रहा है। फैक्टरी मालिक को लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। प्रशासन ने क्षेत्र के अन्य उद्योग संचालकों को भी अग्नि सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने की चेतावनी दी है, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

पत्नी की हत्या के दोषी पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

हनुमानगढ़, (निसं)। सेशन कोर्ट ने पत्नी हत्या के दोषी पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जिला एवं सेशन न्यायाधीश तनवीर चौधरी की अदालत ने गांव अराईयांवाली निवासी आत्माराम उर्फ लाभा पुत्र मंगूराम को दोषी करार देते हुए 25 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है।

लोक अभियोजक मनोज शर्मा ने बताया कि यह प्रकरण 22 अक्टूबर 2021 का है। अराईयांवाली निवासी रूकमा देवी उर्फ रूकिया पत्नी आत्माराम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इस संबंध में मृतका के पिता महावीर निवासी रावतसर ने टाउन थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। परिवादी महावीर ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसका दामाद आत्माराम उसकी बेटी रूकमा को काफी समय से परेशान कर रहा था। इसे लेकर पंचायत भी हुई थी, लेकिन वह नहीं माना। महावीर ने पुलिस को बताया कि घटना के दिन वह सरदारशहर क्षेत्र के एक गांव में नरमा चुगाई के लिए गया था। फोन पर उसे रूकमा की मौत की सूचना मिली। अराईयांवाली पहुंचकर उसने देखा तो कमरे में उसकी बेटी का शव पड़ा था।

महावीर ने आरोप लगाया था कि रूकमा के पति आत्माराम ने उसकी बेटी के सिर पर चोट मारकर हत्या कर दी। इस संबंध में हनुमानगढ़ टाउन पुलिस थाने में धारा 302 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी।

लोक अभियोजक मनोज शर्मा ने जानकारी दी कि मामले की सुनवाई के दौरान 15 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। इसके अलावा, 44 दस्तावेज न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए। इन साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने मृतका के पति आत्माराम उर्फ लाभा को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वहीं यदि अर्थदंड जमा नहीं करवाया जाता है, तो दोषी को तीन माह का अतिरिक्त कारावास भोगना होगा।

पलंग पर सोते व्यक्ति को टैंकर ने कुचला, मौत

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के सायरा थाना क्षेत्र में दूध से भरे टैंकर ने रिवर्स लेते समय सोते व्यक्ति को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा सुआवतों का गुडा गांव में सुबह करीब आठ बजे का है।

सायरा थाने के एएसआई शंभू सिंह ने बताया कि मृतक के पुत्र गोवर्धन सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जिसमें बताया कि उनके पिता फतहसिंह राजपूत (55) सुबह घर के बाहर आम के पेड़ के नीचे पलंग पर सो रहे थे। बाड़े में दूध से भरा टैंकर खड़ा था। जिसे ड्राइवर भगवत सिंह राजपूत निवासी नरसिंगदासजी का गुडा ने स्टार्ट किया। वह टैंकर को आगे-पीछे कर रहा था। तभी लापरवाही बरतते हुए टैंकर को तेज गति से रिवर्स में लिया, जिसकी चपेट में पिता फतह सिंह आ गए। वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन व ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल को तत्काल गोगुंदा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस ने टैंकर को जब्त कर लिया है।

कार्यालय नगरपालिका आहोर जिला जालोर

क्रमांक: नपाआ / 2026 / 121 दिनांक 14.04.2026

:- निविदा सूचना :-

अपेक्षित श्रेणी में रजिस्टर्ड फर्मों को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका, आहोर द्वारा वित्तीय वर्ष 2026–27 में निम्नांकित कार्य की बिड जैम पोर्टल पर ऑनलाईन की गई है। इच्छुक फर्म / संस्था भाग लेना चाहे तो दिनांक 22.04.2026 तक उक्त बिड में भाग ले सकते है विस्तृत विवरण GEM PORTAL एवं sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

GEMPORTAL ID :- GEM/2026/B/7426727
SPPP:- UBN – DLB2627GSGB01661

क्र. सं.	कार्य का नाम	मात्रा	अनुमानित लागत राशि (लाखों में)
1	Supply of auto tipper of bin lifter or 1.8 cum capacity tata v30	01	14.00

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका आहोर

राज.संवाद / सी / 26 / 1152

करौली : टाइगर रिजर्व वन क्षेत्र में लगी आग, वन क्षेत्र की संपदा को नुकसान हुआ

करौली, (निसं)। सरमथुरा के निकटवर्ती गांव भेड़े का पुरा से सटे टाइगर रिजर्व वन क्षेत्र में कई किलोमीटर के रेडियस में आग से कई हैक्टर वन क्षेत्र की सम्पदा को भारी नुकसान हुआ। जानकारी के अनुसार उक्त क्षेत्र में छह टाइगरों का मूमेंट बना हुआ है। करौली अग्निशमन केन्द्र के वाहन ड्राइवर सूरज डागर, फायरमैन शीशाराम गुर्जर, विमलेश माली, लालू गुर्जर, पुष्पेन्द्र शर्मा, अक्षय शर्मा आदि ने करीब 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

■ रीठोली गांव के पशुचर जंगल में भी लगी भीषण से आग पशु चारा सहित हजारों पौधे जले

वहीं करौली विधानसभा क्षेत्र के रीठोली गांव के पशुचर जंगल में मंगलवार को दोपहर के समय भीषण आग लग गई। आग से पशु चारा सहित हजारों की संख्या में पौधे जलकर नष्ट हो गए। हिंडौन की दमकल गाड़ी ने बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को दोपहर के समय अकस्मात ही रीठोली गांव की सैकड़ों बीघा में फैली पशुचर वन क्षेत्र, जिस पशुचर वन क्षेत्र में नरेगा योजना के तहत 2 वर्ष में हजारों की संख्या में पौधा लगाए गए जो पशुचर वन क्षेत्र में आग के हवाले हो गया। ग्रामीण महेश चंद, गोपाल लाल, रूपसिंह, मोहरसिंह, अशोक, बृजलाल आदि ने बताया कि गांव के सैकड़ों बीघा पशुचर क्षेत्र में पड़े सूखे कचरे में अज्ञात व्यक्ति ने आग लगा दी, जिससे पशुचर वन क्षेत्र में नरेगा के तहत लगाए गए पौधों और पशु चारे को पूर्ण रूप से आग की चपेट में आने से हजारों पौधे और पशु चारा जलकर खाक हो गया। आग लगने की सूचना प्रशासन को दी गई, सूचना पर हिंडौन नगर परिषद प्रशासन की दमकल गाड़ी को लेकर कर्मचारी पहुंचे, जिन्होंने आग पर बड़ी मुश्किल से ग्रामीणों के सहयोग से काबू पाया।

जोधपुर में स्टील फैक्टरी में आग लगी

जोधपुर, (कासं)। बासनी इंडस्ट्रियल एरिया में मंगलवार को एक स्टील फैक्टरी में आग लग गई। कुछ ही देर में यह आग केमिकल के कारण भड़क गई। सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगजनी में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। गनीमत यह रही कि इसमें किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई।

बासनी स्टेशन फायर ऑफिसर प्रशांत सिंह चौहान ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे बासनी इंडस्ट्रियल एरिया स्थित राजलक्ष्मी फैक्टरी में आग लग गई।

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2025-26/4461- 72 दिनांक :- 17/04/2026

ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 04/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 02 कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

उक्त कार्यों का विस्तृत विवरण, निविदा शर्तें, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in https://bhda.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है।

निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal का अवलोकन करें।

UBN विवरण:— 01. WAQ2627WSOB00012, 02. WAQ2627WSOB00013

राज.संवाद/सी/26/1165 अधिशाषी अभियन्ता

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2026-27/22 - 24 Date :- 16/04/2026

ई-निविदा सूचना संख्या : 06/2026-27

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यों की कुल लागत	रूपये 472.85 लाख (01 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	18.04.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 14.05.2026 को सांय: 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	18.04.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 14.05.2026 को सांय: 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	15.05.2026 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2627WSOB00010

अधिशाषी अभियन्ता – तृतीय उदयपुर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/26/1160

राजसमंद में 101 किलो डोडा चूरा सहित तस्कर गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत पुलिस थाना चारभुजा व डीएसटी टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 101 किलोग्राम अवैध अफीम डोडा–चूरा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

यह कार्रवाई उदयपुर रेंज के महानिरीक्षक के निर्देशन में तथा जिला पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल एवं वृताधिकारी कुम्भलगढ़ ज्ञानेन्द्र सिंह राठौड़ के सुपरविजन में की गई। थानाधिकारी भगवत सिंह एवं डीएसटी प्रभारी सोनाली शर्मा के संयुक्त नेतृत्व में टीम ने तकनीकी सहायता से एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने पिकअप वाहन में कैरेट के नीचे सफेद प्लास्टिक के कट्टों में छिपाकर ले जाया जा रहा अवैध डोडा–चूरा बरामद किया। इस दौरान पिकअप चालक गणेश लाल कुमावत (32) निवासी ओडा, थाना रेलमगरा, जिला राजसमंद को मौके से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ थाना चारभुजा में प्रकरण दर्ज कर जांच पुलिस उपनिरीक्षक ओमसिंह को सौंपी गई है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर रिमांड लिया जाएगा।

पुलिस थाना चारभुजा व डीएसटी टीम ने डोडा-चूरा जब्त किया।

डूंगरपुर में वाहन की टक्कर से युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। धम्बोला थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है, जिसमें कहा गया है कि उन्हें सूचित किए बिना और औपचारिक रूप से मृत घोषित किए बिना ही शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया।

पीठ निवासी नाथीलाल ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उनका भांजा भावेश सोमवार रात अपने साथी अमन और गोविंद के साथ एक शादी समारोह में गया था। देर रात करीब लौटते समय रास्ते में उनकी बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में भावेश गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे एम्बुलेंस के जरिए सीमलवाड़ा राजकीय अस्पताल ले जाया गया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने परिवार को सूचित किए बिना और औपचारिक रूप से मृत घोषित किए बिना ही भावेश के शव को मोर्चरी में रखवा दिया।

जोधपुर में टैक्सी चालक ने आत्महत्या की

जोधपुर, (कासं)। शहर के महामंदिर पुलिस थाना क्षेत्र के भदवासिया स्थित गली नंबर सात में रहने वाले एक टैक्सी चालक नेअपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। उसके साथ मारपीट करने और जान की धमकी दिए जाने का आरोप लगाते हुए बहनों ने कुछ लोगों को नामजद कर रिपोर्ट दी है। घटना से पूर्व वह कुछ लोगों से मिला था। फिलहाल महामंदिर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महामंदिर पुलिस ने बताया कि नागौर जिले के डेगाना की रहने वाली आशा पुत्री कैलाश और उसकी बहन निशा पुत्री दीपक ने संयुक्त रूप से रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया कि उनका भाई सचिन यहां जोधपुर में अपने ननिहाल भदवासिया, सांसी बस्ती गली नंबर 7 में रहता था। वह ऑटो चलाता था। 19 अप्रैल की सुबह पांच बजे के करीब उसके पास में दीपक, राजेंद्र, अर्जुन आदि का फोन आया था और उन लोगों ने टैक्सी लेकर बुलाया। उसे घूमने के चलने के लिए कहा गया। इस पर सचिन वहां पहुंचा तो उक्त लोगों ने उस पर हमला बोला और लात-घूंसों से पिटाई की, साथ ही नुकीली वस्तु संभवत: क्लीप से मारा गया था। उसे जबरन शराब पिलाकर जान की धमकी भी दी गई। रिपोर्ट में बताया कि बाद में सचिन को छोड़ दिया गया। वह घर लौटा और घटनाक्रम अपने ननिहाल वालों मामा–मामी आदि को बताया और जान की धमकी के बारे में जानकारी दी। उसके बाद सचिन कमरे में चला और फंदा लगाकर जान दे दी। महामंदिर थाना पुलिस ने मामले में नामजद लोगों के खिलाफ अब जांच आरंभ की है।

■ मृतक की बहनों ने कुछ लोगों पर मारपीट और धमकी दिए जाने का आरोप लगाया है

कार्यालय नगरपालिका मण्डल राजगढ़, चूरू (राज0)

क्रमांक :- न.पा.रा. / 2026–27 / 07 दिनांक :- 13.04.2026

- संशोधित निविदा सूचना -

(NIB CODE – DLB2627A0528)

नगरपालिका राजगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य से सम्बन्धित समस्त संवर्ग / सेवाओ श्रेणी के केन्द्र / राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्म्स / सप्लायर्स से दिनांक 21.04.2026 को ऑफलाईन निविदा कॉपी आमंत्रित की जाती है। ऑफलाईन निविदा कॉपी दिनांक 21.04.2026 को 12:00 तक विक्रय की जाकर उसी दिन दोपहर 03:00 बजे तक प्राप्त की जावेगी। तथा प्राप्त निविदाए दिनांक 22.04.2026 को सायं 04:00 बजे उपस्थित संवेदको के समक्ष खोली जावेगी। निविदा से संबंधित शर्ते एवं विस्तृत विवरण निम्न विवरणानुसार इंटरनेट साईट पर http://sppp.rajasthan.gov.in व कार्यालय में कार्यालय समय पर भी देखी जा सकती है।

S.No.	Tender UBN/NIB Number
1	(DLB2627WSOB01628), (DLB2627WSOB01630), (DLB2627WSOB01631), (DLB2627WSOB01634), (DLB2627WSOB01635), (DLB2627WSOB01636), (DLB2627WSOB01637), (DLB2627WSOB01638), (DLB2627WSOB01639), (DLB2627WSOB01641), (DLB2627WSOB01643), (DLB2627WSOB01645), (DLB2627WSOB01647), (DLB2627WSOB01649), (DLB2627WSOB01650), (DLB2627WSOB01651), (DLB2627WSOB01652), (DLB2627WSOB01653), (DLB2627WSOB01654), (DLB2627WSOB01655)

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका राजगढ़

राज.संवाद / सी / 26 / 1151

अवैध शराब जब्त

झुंझुनूं, (निसं)। पचेरी कलां थाना पुलिस ने भारी मात्रा में शराब बरामद की है। पुलिस ने मौके से करीब 35 लीटर देशी व अंग्रेजी शराब और 24 बोतल बीयर जब्त की है, आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार गश्त के दौरान टीम को सूचना मिली कि सातौर से खान्दवा जाने वाली सड़क पर एक अस्थाई लोहे के खोखे से मजदूरों और राहगीरों को अवैध शराब बेची जा रही है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची लेकिन संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर फरार हो गया।

जोधपुर में सूने मकान से नगदी सहित जेवर चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के झालामंड स्थित सीएमएचओ कार्यालय के पास में एक सूने मकान में 18–19 अप्रैल की रात में सेंध लग गई। अज्ञात चोर घर की फाटक कूद कर घुसे और लोहे की लकड़ी के दरवाजे का ताला तोड़कर प्रवेश किया। बाद में सोने–चांदी के आभूषण और नगदी ले गए। परिवार के लोग घटना के समय एक शादी समारोह में बाड़मेर गए हुए थे। पड़ोसी की सूचना पर वापिस आए। घर के आसपास एक संदिग्ध ओला बाइक देखी गई है। पुलिस अब उसके नंबर के आधार पर तलाश में जुटी है।

कुड़ी भगतासनी पुलिस ने बताया कि मूलत: राजधानी जयपुर हाल झालामंड स्थित सीएमएचओ कार्यालय के पास शंकर नगर निवासी माधव सिंह पुत्र किशन सिंह की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। इसमें बताया कि वह 17 अप्रैल को परिवार सहित शादी में बाड़मेर गए थे। बाद में 18 को पड़ौसी ने घर का ताला टूटने की जानकारी दी।

इस पर उसके रिश्तेदार गजेंद्रसिंह को वहां भेजा गया। पता लगा कि चोरों ने घर में प्रवेश कर वहां से सोने–चांदी के जेवरात और नगदी ले गए हैं। घर के पोर्च में खड़ी बाइक की सीट पर फुट प्रिंट भी दिखे हैं। साथ ही 18 अप्रैल की रात साढ़े 11 से 3.30 बजे के बीच एक संदिग्ध ओला बाइक भी देखी गई है, जो वहां सूनी जगह पर खड़ी थी। वह कल वापिस जोधपुर पहुंचा तो पुलिस में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मौका मुआयना किया है और अब संदिग्ध ओला की तलाश आरंभ की है। पीड़ित द्वारा चोरी गए सामान का ब्यौरा फिलहाल पुलिस को उपलब्ध नहीं करवाया गया है। पीड़ित सरकारी नौकरी में बताया गया है।

■ परिवार के लोग घटना के समय शादी समारोह में बाड़मेर गए हुए थे

लूट का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

बुहाना/झुंझुनूं, (निसं)। करीब छह साल से फरार चल रहे एटीएम लूट मामले के वांछित और 5 हजार रुपये के इनामी आरोपी को बुहाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी बिमला बुडानिया के नेतृत्व में गठित टीम ने हरियाणा के नूंह (मेवात) जिले में दबिश देकर आरोपी राहुल मेव (27) को गिरफ्तार किया। आरोपी ग्राम सालाका, थाना सदर तावडू का निवासी है और पिछले 6 वर्षों से फरार चल रहा था।

कार्यालय नगरपरिषद, राजसमन्द

जिला परिषद रोड, राजनगर

टेलीफोन न. 02952–220034, फैक्स नं. 02952–221233, ई–मेल rajsamandnagarpalika@gmail.com

क्रमांक :- एफ( )नपरा / इंजी / ई निविदा / 3 / 2026–27 / 420 दिनांक :- 15.04.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 3/2026-27

नगर परिषद राजसमन्द द्वारा विकास कार्य हेतु समस्त विभागों में पंजीकृत संवेदकों, कम्पनी, संगठनों / संस्थानों से ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन तकनीकी व वित्तिय निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।

निविदा क्रमांक	तिथि व समय	
कार्य की संख्या	1	
कार्य की अनुमानित लागत	30.00 लाख	
निविदा अपलोड की तिथि	15.04.2026	06:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	16.04.2026	09:00 AM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	27.04.2026	06:00 PM
भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करने की तिथि	28.04.2026	01:00 PM
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	28.04.2026	04:00 PM
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in	
दोष निवारण अवधी	नियमानुसार	
UBN no.	DLB2627WSOB00716	

आयुक्त नगरपरिषद राजसमन्द

राज.संवाद / सी / 26 / 1176

कार्यालय नगरपालिका रतननगर (चूरू)

फोन नं. - 01562-281224, ईमेल - mun_rnagar@yahoo.in

Date :- 16/04/2026

Notice Inviting Bid

Bids for of STREET LIGHT RATE CONTRACT (ARC) work invited from interested bidders up to 01:00 PM 23-04-2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state official website.

UBN is: DLB2627SIRC01869

Raj.Samwad/C/26/1222 Executive Officer

कार्यालय नगर पालिका अटरू जिला बांरा (राज.)

क्रमांक :- न०पा०अ०/स्टोर/2026-27/188 दिनांक :- 16/04/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका अटरू द्वारा निम्नानुसार कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा क्रमांक :- न.पा.अ./स्टोर/2026-27/184-185 दिनांक 16.04.2026 से आमंत्रित की जाती है। निविदाओं से संबंधित विवरण वेबसाईट www.sppp.rajasthan.nic.in पर देखी व डाउनलोड किये जा सकते हैं। जिसका NIB code DLB2627A0590 है एवं UBN NO.- निम्नानुसार है :- DLB2627SLRC01804

राज.संवाद/सी/26/1210 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

क्रमांक :- न.नि.भ. / जनवरवाड़ / 2026–27 / 1105 दिनांक :- 13.04.2026

ई–निविदा सूचना–01/2026–27

नगर निगम, भरतपुर द्वारा उपयुक्त श्रेणी में एवं अन्य विभागों के "A"&"AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदा दिनांक 16.04.2026 से अन्तिम दिनांक 27.04.2026 तक आमंत्रित की जाती है। जिसमें टेण्डर निविदा की महत्वपूर्ण शर्ते एवं विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in/ एवं कार्यालय समय में कार्यालय में देखी जा सकती है।

UBN Number:-
1. DLB2627WSOB01625 2. DLB2627WSOB01626 3. DLB2627WSOB01626

राज.संवाद / सी / 26 / 1241 आयुक्त, नगर निगम, भरतपुर

श्रीगंगानगर में इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक से लाखों की धोखाधड़ी

कूलर फैक्टरी मालिक पर फर्जी चेक लगाने का आरोप, कोर्ट से नोटिस मिला तो पता चला

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां इलेक्ट्रॉनिक रिपेयरिंग का काम करने वाले एक मैकेनिक से लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट, श्रीगंगानगर में दी शिकायत में प्रभु दयाल निवासी ताखरांवाली, श्रीगंगानगर ने बताया कि उसकी गांव ताखरांवाली में इलेक्ट्रॉनिक सामान की रिपेयरिंग की दुकान है। जहां पर वह कूलर, पंखे व अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान रिपेयरिंग करने का काम करता है। उसने लॉकडाउन के बाद अपना काम दोबारा शुरू करने के लिए आरोपी

■ कूलर खरीदने के बदले दिये गये चेकों में हेराफेरी कर धोखाधड़ी की थी

सौरभ आहूजा निवासी विनोबा बस्ती श्रीगंगानगर से 20 कूलर खरीदे थे। सौरभ आहूजा की कूलर की फैक्टरी है। कूलर खरीदते समय प्रभु दयाल ने कूलरों के पैसे नगद दे दिए थे और 25 हजार और 24 हजार रुपए के दो चेक दिए गए थे। साथ ही यह भी तय हुआ था कि यदि कूलर में कोई खराबी आती है तो उसकी जिम्मेदारी फैक्टरी मालिक की होगी। कुछ समय बाद कई कूलर खराब हो गए। जिसके बाद शिकायतकर्ता ने उन्हें बदलने की मांग की, लेकिन आरोपी ने जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। आरोपी ने इस विवाद के चलते चेक में कूटरचना करते हुए 25 हजार की जगह 6 लाख 25 हजार रुपए भर दिए और उसे कोर्ट में लगा दिया। वहीं, दूसरे 24 हजार रुपए के चेक को भी कथित रूप से 2 लाख 24 हजार रुपए का बनाकर एक अन्य व्यक्ति के नाम से बैंक में लगा दिया, जबकि वह (प्रभुदयाल) उस व्यक्ति को जानता तक नहीं है।

प्रभुदयाल को इस पूरे मामले की जानकारी तब हुई जब उसे कोर्ट से नोटिस मिला। जिसके बाद उसने आरोपी से संपर्क किया तो आरोपी ने कहा कि फर्जी चेक लगाकर पैसे वसूलने के लिए ही यह सब किया गया है। इसके बाद परिवादी ने पुलिस थाना कोतवाली और एसपी को शिकायत दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसके बाद कोर्ट के माध्यम से इस्तगासा पेश किया। फिलहाल कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)

फोन न.07464–294024, ई–मेल आईडी np.karauli@yahoo.com, website – WWW.npkarauli.in

क्रमांक : 373 दिनांक : 10.04.2026

ई–निविदा सूचना

सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता है कि नगरपरिषद करौली परिषद क्षेत्र निम्न कार्य कराना चाहती है। जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण व शर्ते www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्य का नाम	नगरपरिषद क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्य :– कुल कार्य 04
निविदा की अनुमानित लागत	46.71 लाख
धरोहर राशि	प्रत्येक कार्य हेतु अनुमानित लागत की 2 प्रतिशत
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने / डाउनलोड की तारीख	15.04.2026 समय 5:00 पीएम से 28.04.2026 समय 6:00 पीएम तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की अन्तिम तिथि	28.04.2026 समय 6:00 पीएम तक
भौतिक रूप से निविदा शुल्क व दस्तावेज जमा कराने की अंतिम तिथि	29.04.2026 समय 2:00 पीएम तक
ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल प्राप्त निविदा खोलने की तिथि	29.04.2026 समय 3:30 पीएम
निविदा शुल्क	प्रत्येक कार्य हेतु 1000/– रूपये
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	प्रत्येक कार्य हेतु 500/–रूपये
निविदा प्रपत्र व शर्ते डाउनलोडिंग बेवसाईट	eproc.rajasthan.gov.in
UBN.-	Work no 1 - DLB2627WSOB01441 Work no 2 - DLB2627WSOB01442 Work no 3 - DLB2627WSOB01443 Work no 4 - DLB2627WSOB01444

आयुक्त नगरपरिषद, करौली

राज.संवाद / सी / 26 / 1191

अशोक गहलोत से पीछा छुडाना चाहता है कांग्रेस आलाकमान : घनश्याम तिवाड़ी

राज्यसभा सांसद तिवाड़ी ने कहा कि ''गहलोत के कार्यकाल में तो भ्रष्टाचार का रिकॉर्ड बना था, वह तो इस मुद्दे पर कुछ ना ही बोलें तो ठीक है। उनके मंत्री से लेकर अधिकारी तक जेल की सलाखों के पीछे गए हैं।''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि ''पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से कांग्रेस का आलाकमान पीछा छुडाना चाहता हैं। क्योंकि राजस्थान की जनता से 3 बार उनकी सरकार को हिलाया है। गहलोत के कार्यकाल में भ्रष्टाचार का रिकॉर्ड बना था। पेपरलीक से लेकर जल जीवन मिशन के घोटालों की गूंज पूरे प्रदेश के साथ-साथ देशभर में है। जे.जे.एम. घोटाले में कांग्रेस के मंत्री से लेकर अधिकारी तक जेल की सलाखों के पीछे है।''

सांसद घनश्याम तिवाड़ी

- **तिवाड़ी ने कहा कि ''प्रदेश में पंचायतीराज संस्थाओं का खाका अशोक गहलोत ने बिगाडा था, अब भजनलाल सरकार ओ.बी.सी. वर्ग को चुनाव में उसका अधिकार देगी।''**

तिवाड़ी ने यह बातें पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा प्रैस कॉफ्रेंस के दौरान लगाए गए आरोपों पर पलटवार करते हुए कही। उन्होंने कहा कि, अशोक गहलोत राज्य सरकार एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर बेबुनियाद बयानों से भ्रमजाल बुनने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं। वह भ्रष्टाचार पर नहीं बोले तो ही अच्छा है। उनके कार्यकाल में तो घोटालों का रिकॉर्ड बना हुआ है।

तिवाड़ी ने कहा कि, अशोक गहलोत इंतजार शास्त्र की बात तो कर रहे हैं, परंतु सरकार तो तब हिल रही थी, जब उनके उपमुख्यमंत्री अपने विधायकों को लेकर चले गए थे। मल्लिकार्जुन खडगे जब आए थे और विधायकों की मीटिंग बुलाई गई थी, तब भी सरकार हिली थी। राजस्थान की जनता ने तीन बार अशोक गहलोत की सरकार को हिलाया है। इसीलिए अब कांग्रेस का आलाकमान भी उनसे पीछा छुडाना चाहता चाहता है।

घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि अशोक गहलोत ने आरजीएचएस को लेकर सवाल उठाए हैं, लेकिन उनके कार्यकाल में भुगतान न होने की वजह से इस योजना की सेवाएं बार-बार बाधित होती थी।

इनकी गलतियों को ठीक करके आरजीएचएस योजना को अच्छे से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समयबद्ध रूप से सवा लाख से ज्यादा नौकरियां दी है और भर्ती कैलेंडर भी जारी किया जा चुका है। वह किस मुंह से बात कर रहे हैं, जबकि उनके कार्यकाल में पेपरलीक हुए थे।

घनश्याम तिवाड़ी ने रिफाइनरी को लेकर कहा कि यह दुखद घटना है, इसकी जांच हो रही है। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत अपने गिरेबां में झांक कर देखें। पंचायतीराज का खाका इन्होंने ही बिगाड़ा था। अब सरकार ओबीसी आयोग की रिपोर्ट के आधार इस वर्ग को चुनाव में आरक्षण के अधिकार का लाभ देना चाहती है। क्या अशोक गहलोत यह चाहते है कि ओबीसी आरक्षण के बिना ही पंचायतीराज चुनाव करवा लिए जाएं। तिवाड़ी ने कहा कि जितना भ्रष्टाचार अशोक गहलोत के कार्यकाल में हुआ उसे आज भी जनता याद करती है। जेजेएम घोटाले की चर्चा हर कोई करता है। इनकी डाली हुई पाईप लाइनों से पानी नहीं हवा निकलती है। अशोक गहलोत अपनी वरिष्ठता के अनुसार ही बयानबाजी करें और अपनी राजनीति बचाने के लिए अपने आलाकमान से बातचीत करें।

प्रदेश के हर जिले में स्थापित होंगे 'मेंटल हैल्थ केयर सेल'

जयपुर में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ तैयार होगा 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन मैंटल हैल्थ'

जयपुर। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर शुरू किए गए ''राज-ममता'' (राजस्थान मेंटल अवेयरनेस, मॉनिटरिंग एंड ट्रीटमेंट फोर ऑल) कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसके साथ ही केंद्र सरकार द्वारा नेशनल टेली मैंटल हैल्थ प्रोग्राम 'टेली मानस' का भी प्रदेशभर में प्रभावी संचालन किया जा रहा है।

भजनलाल सरकार की इस पहल से राजस्थान मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में देश के एक 'मॉडल राज्य' के रूप में उभरने की ओर कदम बढ़ाएगा। जयपुर में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन मेंटल हेल्थ' की स्थापना की जा रही है। यहां अत्याधुनिक काउंसलिंग और टेली-मेडिसिन जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे दूर-दराज के क्षेत्रों के लोगों को भी विशेषज्ञों की सलाह मिल सकेगी। साथ ही, प्रदेश के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर 'मेंटल हेल्थ केयर सेल' स्थापित किए जाएंगे, ताकि नागरिकों को अपने ही जिले में विशेषज्ञ परामर्श, पुनर्वास और उपचार सुलभ हो सके।

- **टेली-मानस के जरिए अब तक 71 हजार से अधिक प्रदेशवासियों को मिला परामर्श**

मानसिक तनाव या अवसाद से जूझ रहे लोगों की तुरंत सहायता के लिए संचालित 'टेली-मानस' (14416 और 18008914416) कार्यक्रम राजस्थान में अत्यंत सफल साबित हो रहा है। अब तक प्रदेश में कुल 71 हजार से अधिक लोगों ने इन टोल-फ्री नंबरों के जरिए परामर्श लिया है। 'राज-ममता' कार्यक्रम के तहत युवाओं में बढ़ते तनाव और आत्महत्या जैसी प्रवृत्तियों को रोकने के लिए शिक्षण संस्थानों में विशेष काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे। जमीनी स्तर पर जागरूकता फैलाने के लिए स्वास्थ्य मित्रों और आशा सहयोगिनियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि प्रारंभिक स्तर पर ही मानसिक रोगों के लक्षणों की पहचान कर त्वरित उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

ट्रांसजेंडर संशोधन कानून के कुछ प्रावधानों को क्यों ना कर दें रद्द?

राजस्थान हाईकोर्ट ने केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सचिव और केन्द्रीय विधि सचिव को नोटिस जारी कर पूछा

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सचिव और केन्द्रीय विधि सचिव को नोटिस जारी कर पूछा है कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों का संरक्षण संशोधन अधिनियम, 2026 के कुछ प्रावधान इस समुदाय के हितों के विपरीत होने के कारण क्यों ना उनको रद्द कर दिया जाए। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश नई भोर संस्था की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता मितुल जैन ने अदालत को बताया कि केन्द्र सरकार ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों का संरक्षण संशोधन अधिनियम, 2019 में कुछ प्रावधानों में बदलाव कर इस साल संशोधन अधिनियम लागू किया है। इस संशोधन अधिनियम के कई प्रावधान ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के केस में व्यवस्था दी थी कि ट्रांसजेंडर अपने आप को ट्रांसमैन या ट्रांसवुमन मान सकता है। वहीं पुराने कानून में भी इसी तरह की व्यवस्था थी। याचिका में कहा गया कि संशोधन अधिनियम में प्रावधान किया गया है कि अब संबंधित जिले का सीएमएचओ की अध्यक्षता वाला मेडिकल बोर्ड ट्रांसजेंडर व्यक्ति की मेडिकल जांच करेगा और अपनी रिपोर्ट स्थानीय मजिस्ट्रेट को देगा। वहीं मजिस्ट्रेट ट्रांसजेंडर व्यक्ति को प्रमाण पत्र जारी करेगा। ऐसे में इस प्रावधान से ट्रांसजेंडर व्यक्ति के स्वकल्पित लिंग पहचान के अधिकार को समाप्त हो गया है और वह प्रमाण पत्र के आधार पर अपनी पहचान मानने के लिए बाध्य है। इसी तरह इस कार्रवाई से उनकी पहचान उजागर होगी, जो निजता के अधिकार के खिलाफ है। याचिका में यह भी कहा गया कि संशोधन अधिनियम उन व्यक्तियों को भी बाहर कर देता है, जिन्होंने सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी करा ली है या हार्मोनल थेरेपी ले रहे हैं। ऐसे में संशोधन अधिनियम से इन्हें प्रावधानों को हटाया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने केन्द्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

मृतक सफाईकर्मियों के परिजनों को आर्थिक सहायता

जयपुर । सीवर चैंबर की सफाई के दौरान 17 अप्रैल को जहरीली गैस से हुई दो स्वच्छता कर्मियों की मौत के मामले में मंगलवार को जयपुर नगर निगम ने पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की। नगर निगम स्वास्थ्य शाखा के उपायुक्त ओम थानवी पीड़ितों के निवास पहुंचे और सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, वाल्मीकि समाज सरपंच मनोज चांवरिया व सफाई कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों की मौजूदगी में परिजनों को चेक सौंपे। प्रतिनिधिमंडल ने चांदमारी (पुरानी बस्ती, शास्त्री नगर) निवासी अजय उर्फ सेठी और चिंकारा कैंटीन क्षेत्र (नाला पावर हाउस) निवासी रामबाबू के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। निगम की ओर से अजय की माता छोटी देवी और रामबाबू की पत्नी पूनम को मुआवजा राशि के चेक दिए गए।

योग और आयुर्वेद से मधुमेह नियंत्रण पर लगी विज्ञान की मुहर : आचार्य बालकृष्ण

टाइप-वन डायबिटीज को लेकर प्रख्यात हैल्थकेयर में पतंजलि का शोध प्रकाशित, 612 शोधपत्रों का किया अध्ययन

हरिद्वार। डायबिटीज़ के इलाज को लेकर पतंजलि के वैज्ञानिकों की ओर से किए गए शोध ने एक क्रांति को जन्म दिया है। जो वैश्विक स्तर पर लंबे समय से टाइप-1 डायबिटीज़ के मुख्य उपचार इंसुलिन थेरेपी को लेकर नजरिया बदलने को मजबूर कर देगा। अंतर्राष्ट्रीय शोध संस्थान फ्रंटियर्स इन क्लिनिकल डायबिटीज़ एंड हेल्थकेयर शोध ने यह प्रमाणित किया है कि केवल इंसुलिन से नहीं बल्कि समग्र इलाज से ही मधुमेह को मात दी जा सकती है। जिसके लिए योग, प्राणायाम, ध्यान, संतुलित आहार, जीवनशैली में सुधार तथा पारंपरिक चिकित्सा पद्धितयों को अपनाना होगा। इसी अप्रैल माह में शोध को प्रकाशित किया गया है।

शोध में यह भी साबित किया है कि योग-प्रणायाम आदि को अपनाने से मरीजों के शुगर नियंत्रण, तनाव स्तर और जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार देखा गया। शोध अध्ययन में लगभग 612 शोध पत्रों का विश्लेषण किया गया। इस शोध को पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने लीड किया है। इस शोध ने यह भी प्रमाणित किया है कि पतंजलि वेलनेस का वह मॉडल है, जिससे करोड़ों मरीज़ पहले से लाभ उठा रहे हैं और अब विज्ञान भी इसे सार्थक बता रहा है।

आचार्य बालकृष्ण

इस शोध में पतंजलि हर्बल रिसर्च डिवीजन, पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, हरिद्वार, उत्तराखंड, डिपार्टमेंट ऑफ एलाइड एंड एप्लाइड साइंसेज़, यूनिवर्सिटी ऑफ पतंजलि, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार के वैज्ञानिक जया उप्रेती, मुस्कान चौहान, मयूर चौहान, प्रशांत कटियार, अनुराग डाबस और वेद प्रिया आर्य का विशेष योगदान रहा। इस शोध को पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण के नेतृत्व में किया गया। उनकी भूमिका इसमें सबसे अहम रही।

पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण का कहना है कि, टाइप वन मधुमेह पर आई नई रिसर्च ने यह साबित कर दिया है कि योग,

- **आचार्य बालकृष्ण ने इस शोध को लीड करते हुए कहा ''इंटीग्रेटेड थैरेपी वरदान है''**

आयुर्वेद और नेचरोपैथी जैसी इंट्रीग्रेटेड थरेपी मरीजों के लिए बेहद मददगार है। पतंजलि के वैज्ञानिकों ने इस ओर बड़ा पुरुषार्थ किया है। इतना ही नहीं एकीकृत इलाज से स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर दिखा है। अब दुनिया भर में इस विषय पर शोध तेजी से बढ़ रही है और भारत ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। पतंजलि योग, आयुर्वेद और नेचरोपैथी के जरिये मधुमेह सहित कई जटिल और असाध्य रोगों को लगातार अपने वैज्ञानिक और साक्ष्य आधारित प्रमाणों के साथ शोध कर रहा है।

यहां यह गौर करने वाली बात है कि पतंजलि वेलनेस का वह मॉडल है जिससे करोड़ों मरीज़ पहले से लाभ उठा रहे हैं और अब विज्ञान भी इसे सही साबित कर रहा है। यह कोई वैकल्पिक इलाज नहीं है। यह आधुनिक और समग्र स्वास्थ्य सेवा की नई दिशा है। डायबिटीज़ का असली इलाज एकीकृत है और अब इस शोध के साथ इसके सबूत भी मौजूद हैं।

'स्कूलों में लगे खेल उपकरणों की जांच करें खेल सचिव'

- **राज्य मानवाधिकार आयोग ने उदयपुर की निजी स्कूल में हैंडबॉल का पोल गिरने से छात्र की मौत पर प्रसंज्ञान लिया**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राज्य मानवाधिकार आयोग ने उदयपुर के निजी स्कूल में हैंडबॉल के पोल गिरने से छात्र की दर्दनाक मौत को लेकर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही आयोग ने खेल सचिव को कहा है कि वे ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी स्कूलों को परिपत्र जारी करें।

इसके साथ ही छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्कूली मैदानों में लगे खेल उपकरणों आदि की जांच करें, जिससे अबोध छात्र खेलने के भ्रम में अपनी जान ना गंवाए। अदालत ने अपेक्षा की है कि खेल सचिव सभी जिला मजिस्ट्रेट को इसके लिए पाबंद करेंगे।

वहीं आयोग ने मामले में उदयपुर कलेक्टर, शिक्षा निदेशक, एसपी और संभागीय आयुक्त को कहा है कि वे सभी स्कूलों की सुरक्षात्मक जांच करते हुए छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और घटना का संपूर्ण ब्यौरा व तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करें।

आयोग ने पीडित परिवार को उचित मुआवजा देकर इसकी जानकारी भी पेश करने को कहा है।

गौरतलब है कि बीते सोमवार को आठ साल का बच्चा निजी स्कूल में हैंडबॉल के पोल पर खेल रहा था। इस दौरान पोल गिरने से वह गंभीर घायल हो गया था और बाद में उसकी मौत हो गई थी।

कांग्रेस ने सुनियोजित षडयंत्र से महिला आरक्षण संशोधन अधिनियम को पारित होने से रोका

उन्होंने कहा कि ''महिलाओं की भागीदारी के बिना देश के विकास और परिपक्व राजनीति की कल्पना संभव नहीं।''

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने संसद में महिला आरक्षण विधेयक का विपक्ष द्वारा विरोध करने को लेकर मंगलवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में महिलाओं ने सदैव परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण और राजनीतिक भागीदारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने नारायणी देवी वर्मा, जानकी देवी बजाज, हाडी रानी, रानी कर्णावती, रानी पद्मावती, पन्ना धाय तथा अमृता देवी बिश्नोई का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं का योगदान ऐतिहासिक रूप से प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की इतनी महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद जब नरेंद्र मोदी महिलाओं को शीघ्र आरक्षण दिलाना चाहते थे, तब कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने इसमें बाधाएं उत्पन्न कीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने

सुनियोजित तरीके से षडयंत्र रचते हुए संशोधन अधिनियम को पारित नहीं होने दिया। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री इस विरोध से न तो हतोत्साहित हुए हैं और न ही उनके आत्मविश्वास में कोई कमी आई है। भाजपा महिलाओं के आरक्षण को एक सैद्धांतिक विषय मानती है और यह विश्वास रखती है कि महिलाओं की भागीदारी के बिना देश के विकास और

- **वसुंधरा राजे महिला सशक्तिकरण की जीवंत प्रतीक : डॉ. अग्रवाल**

परिपक्व राजनीति की कल्पना संभव नहीं है। पार्टी जल्द से जल्द महिला आरक्षण को व्यवहारिक रूप से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भाजपा विरोधी दलों के इस रुख को महिला विरोधी बताते हुए उसकी निंदा की।

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि वर्ष 2023 में विपक्ष ने मजबूरी में मन मसोसकर इस विधेयक का समर्थन किया था, लेकिन अब जब चुनाव दूर हैं, तो उन्हें लगता है कि जनता की स्मरण शक्ति कमजोर हो जाएगी। इसी कारण वे दक्षिण भारत की सीटों में कमी जैसे विभिन्न बहानों के आधार पर इस विधेयक का विरोध कर रहे हैं।

हाईवे पर तलवारें लहराकर हुडदंग करने वाले सात बदमाश गिरफ्तार

जयपुर-दिल्ली हाईवे पर गलता गेट इलाके में रविवार रात की घटना

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी में जयपुर-दिल्ली हाईवे पर बाइक सवार युवाओं द्वारा तलवारें लहराकर दहशत फैलाने का मामला सामने आया है। गलता गेट थाना क्षेत्र में हुई इस घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य फरार साथियों की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में 20 से अधिक बाइकों पर सवार 40-50 युवक काफिले के रूप में हाईवे पर हुड़दंग करते नजर आए। यह घटना रविवार रात करीब 10:15 बजे की बताई जा रही है। वीडियो में युवक ट्रैफिक नियमों की खुलेआम अवहेलना करते हुए लहराते हुए बाइक चला रहे थे और चलती बाइकों पर तलवारें लहराकर राहगीरों में दहशत फैला रहे थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए गलता गेट थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की और दबिश देकर सात युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में फरहान (24) निवासी ठाठर कॉलोनी आमेर, असगर अली (33) निवासी प्रभात कॉलोनी गलता गेट, मोहम्मद अजीम (32) निवासी रहीमन कॉलोनी, अजरूद्दीन उर्फ अज्जु (28) निवासी ईदगाह कच्ची बस्ती, सलीम कुरैसी (35) निवासी गुलजार कॉलोनी पाडामंडी, तौसिफ खान (26) निवासी एमडी रोड लालकोठी और जिशान खान (20) निवासी सैयद कॉलोनी शामिल हैं।पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ हुड़दंग और दहशत फैलाने के आरोप में मामला दर्ज कर लिया गया है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है।

मोबाइल स्नैचर चढा पुलिस के हत्थे

जयपुर। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने विशेष अभियान के तहत दो अलग-अलग कार्रवाइयों में बडी सफलता हासिल करते हुए मोबाइल स्नैचिंग और चोरी की वारदातों में शामिल तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल, पांच मोबाइल फोन और घरेलू सामान बरामद किया है।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि क्षेत्र में बढ़ती मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं के मद्देनजर गठित विशेष टीम ने 16 अप्रैल को हुई वारदात के बाद सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए भट्टा बस्ती निवासी साहिद चौहान (21) को गिरफ्तार किया। आरोपी राहगीरों से मोबाइल छीनकर फरार हो जाता था। पूछताछ में उसने मौज-मस्ती के लिए वारदात करना स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर दो बाइक और पांच मोबाइल बरामद किए गए।

वहीं दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने निर्माणाधीन मकान के स्टोर रूम से घरेलू सामान चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए दीपक नायक (21) निवासी विद्याधर नगर और सागर झा (21) निवासी शास्त्री नगर को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों से चोरी किया गया सामान बरामद कर लिया गया है।इस कार्रवाई में थानाधिकारी हिम्मत सिंह के नेतृत्व में एएसआई अर्जुनलाल, हेड कांस्टेबल मूलचंद, अशोक कुमार तथा कांस्टेबल मनीष व महिपाल सिंह की टीम की अहम भूमिका रही। पुलिस आरोपियों से अन्य वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

चारधाम यात्रा से पहले एडवाइजरी जारी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान से चारधाम यात्रा पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने विस्तृत हेल्थ एडवाइजरी जारी की है। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बदलते मौसम और कम ऑक्सीजन स्तर को देखते हुए यात्रियों को विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

निदेशक (जन स्वास्थ्य) डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अत्यधिक ठंड, कम हवा का दबाव, कम ऑक्सीजन, तेज अल्ट्रावायलेट रेडिएशन और कम आर्द्रता के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इसलिए यात्रियों को यात्रा से पहले और दौरान सावधानी बरतना जरूरी है।विभाग ने एडवायजरी में कहा है कि कम से कम 7 दिन की यात्रा योजना बनाएं, हर 1-2 घंटे में 5-10 मिनट का विश्राम लें, रोजाना 20-30 मिनट टहलें और श्वास व्यायाम करें, मौसम की जानकारी लेकर ही यात्रा शुरू करें, जरूरी सामान साथ रखें। यात्रियों को गर्म कपड़े, रेनकोट, छाता, पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर और जरूरी दवाइयां साथ रखने की सलाह दी गई है।हृदय रोग, अस्थमा, हाई बीपी या मधुमेह से पीडित लोगों को यात्रा से पहले स्वास्थ्य जांच करवाने और डॉक्टर की सलाह लेने को कहा गया है। यात्रा के दौरान शराब, कैफीनयुक्त पेय, धूम्रपान, नींद की गोलियां और तेज दर्द निवारक दवाओं से बचने की सलाह दी गई है।

साथ ही रोजाना कम से कम 2 लीटर तरल पदार्थ लेने और पौष्टिक आहार लेने की बात कही गई है। उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए टोल फ्री नंबर 104 जारी किया गया है। सांस लेने में तकलीफ, चक्कर आना, उल्टी, कमजोरी या चलने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या हेल्पलाइन से संपर्क करें।

रिफाइनरी में मरम्मत कार्य पूरा होते ही जल्द शुरू होगा कमर्शियल उत्पादन : मंत्री जोगाराम पटेल

संसदीय कार्य मंत्री ने बालोतरा में प्रैस वार्ता कर इस मुद्दे पर चर्चा की

बालोतरा/जोधपुर (कासं)। राजस्थान सरकार के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में रिफाइनरी से जुड़ी अहम जानकारी साझा करते हुए बताया कि प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। यह लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों होना था, जिसे तकनीकी कारणों के चलते टालना पड़ा।

मंत्री पटेल ने बताया कि दोपहर करीब 1:55 बजे रिफाइनरी परिसर में लीकेज की समस्या सामने आई थी। घटना की जानकारी मिलते ही तकनीकी अधिकारियों और एचपीसीएल की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज एक घंटे के भीतर, लगभग 2:45 बजे तक स्थिति पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। अधिकारियों की सतर्कता और त्वरित प्रतिक्रिया से एक संभावित बड़ी दुर्घटना को टाल दिया गया, जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

उन्होंने बताया कि घटना के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं आज रिफाइनरी पहुंचे और अंदर जाकर तकनीकी व्यवस्थाओं व बाहरी सुरक्षा इंतजामों का गहन निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कंट्रोल रूम में तैनात अग्निशमन अधिकारियों व कर्मचारियों से संवाद

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बालोतरा में प्रेस कॉफ्रेंस कर रिफायनरी प्रकरण को लेकर बातचीत की।

कर उनकी कार्यक्षमता की सराहना की। साथ ही, आपात स्थिति में मुस्तैदी से काम करने वाली महिला अधिकारियों के साहस और समर्पण की भी विशेष प्रशंसा की।

मंत्री पटेल ने बताया कि रिफाइनरी एक विस्तृत क्षेत्र में फैली हुई है और लीकेज से हुआ नुकसान केवल एक सीमित हिस्से तक ही सीमित रहा। उन्होंने कहा कि लीकेज के वास्तविक कारणों की गहन जांच के लिए अन्य रिफाइनरियों से विशेषज्ञों और बड़ी तकनीकी टीमों को बुलाया जा रहा है, ताकि समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मरम्मत कार्य पूरा होते ही रिफाइनरी अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कमर्शियल उत्पादन शुरू कर देगी। साथ ही प्रशासन और तकनीकी टीमें लगातार निगरानी बनाए हुए हैं, जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित यह

- **उन्होंने कहा कि, सोमवार दोपहर करीब 1:55 बजे रिफाइनरी परिसर में लीकेज के बाद आग लगी थी, तकनीकी अधिकारियों और एचपीसीएल टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज एक घंटे में स्थिति पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया था।**
- **लीकेज के वास्तविक कारणों की गहन जांच के लिए अन्य रिफाइनरियों से विशेषज्ञों और बड़ी तकनीकी टीमों को बुलाया जा रहा है, ताकि समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।**

रिफाइनरी क्षेत्र के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगी और रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगी।

झुंझुनूं : कार ने बाइक को टक्कर मारी, ममेरे भाई-बहन की मौत, बच्ची घायल

झुंझुनूं में इलाज के बाद तीनों बाइक से गांव लौट रहे थे, तभी बीड़ क्षेत्र में हादसा हो गया

झुंझुनूं, (निसं)। जिले में तेज रफ्तार का कहर एक बार फिर दो जिंदगियां लील गया। सदर थाना क्षेत्र के बीड़ चेकपोस्ट के पास सोमवार शाम हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार युवक और उसकी ममेरी बहन की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चार साल की मासूम बच्ची जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है।

■ **हादसा इतना भयानक था कि टक्कर लगते ही तीनों हवा में उछल गए और पीछे आ रही एक कार के शीशे पर जा गिरे, इससे कार का शीशा भी चकनाचूर हो गया।**

जानकारी के अनुसार हरिपुरा निवासी 23 वर्षीय पवन काजला अपनी ममेरी बहन पूजा (30) और उसकी चार वर्षीय बेटी गर्वी के साथ झुंझुनूं इलाज के लिए आया था। इलाज के बाद जब तीनों बाइक से गांव लौट रहे थे, तभी बीड़ क्षेत्र में सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण कि हवा में उछलकर कार के शीशे पर जा गिरे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा इतना भयानक था कि टक्कर लगते ही तीनों हवा में उछल गए और पीछे आ रही एक कार के शीशे पर जा गिरे। इससे कार का शीशा चकनाचूर हो गया। बाइक पूरी तरह क्षितग्रस्त हो गई और तीनों सड़क पर दूर जा गिरे। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने घायलों को तुरंत निजी वाहनों से बीडीके अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने पवन को मृत घोषित कर दिया। पूजा को जयपुर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल मासूम गर्वी का जयपुर के पास एक निजी अस्पताल में इलाज जारी है।

हादसे के दौरान वहां से गुजर रहे स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस का इंतजार किए बिना बच्ची को अस्पताल पहुंचाया। रास्ते में उसकी हालत बिगड़ने पर एक व्यक्ति ने लगातार सीपीआर देकर उसकी सांसें चलती रखीं, जिससे समय पर इलाज मिल सका।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़ :- पूजा बचपन से अपने बुआ-फूफा के पास पली-बढ़ी थी। उसकी शादी सेही कलां में हुई थी और वह पिछले कई दिनों से सांस की बीमारी से जूझ रही थी। वहीं पवन गुजरात में मजदूरी करता था और कुछ दिन पहले ही घर लौटा था। 23 अप्रैल को परिवार में खुशियों का कार्यक्रम तय था, लेकिन उससे पहले ही यह हादसा पूरे परिवार को गहरे सदमे में छोड़ गया। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

हनुमानगढ़ में कार की टक्कर से दो युवकों की मौत

हनुमानगढ़, (निसं)। गोलूवाला थाना क्षेत्र में देर रात हुए एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। परिजनों ने कार ड्राइवर पर लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाया है।

■ **परिजनों ने कार ड्राइवर पर लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाया**

जानकारी के अनुसार देर रात करीब 9:30 बजे फतेवाली ढाणी निवासी राजीव सिंह (40) और पृथ्वीराज (35) अपनी बाइक पर गांव लौट रहे थे। गोलूवाला क्षेत्र में भगत सिंह कॉलेज के सामने केंचिया की ओर से आ रही एक कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत 108 एम्बुलेंस की मदद से राजकीय अस्पताल गोलूवाला पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद राजीव सिंह को मृत घोषित कर दिया। पृथ्वीराज की गंभीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर किया गया, लेकिन बीकानेर ले जाते समय रास्ते में ही उसकी भी मौत हो गई।

मृतकों के परिजनों ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि कार चालक तेज गति और लापरवाही से वाहन चला रहा था, जिसके कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपी वाहन चालक की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक गोलूवाला मंडी में एसी रिपेयरिंग का काम करते थे। वे देर रात काम खत्म कर अपने गांव लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया।

सड़क हादसे में युवक की दर्दनाक मौत, एक घायल

बीकानेर, (निसं)। शहर में एलआईसी ऑफिस के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल की आमने-सामने भिड़ंत के कारण हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दूसरा सड़क पर गंभीर हालत में तड़पता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक पर दो युवक सवार थे। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, लेकिन घायल की मदद के लिए कोई आगे नहीं आया।

■ **राहगीर इमरान ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, 4.50 लाख रु. लौटाये**

मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान दिव्यांश (निवासी 7 एमडी घड़साना) के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक सुधीर बिश्नोई निवासी रोझा, लूणकरणसर है, जिसका पीबीएम अस्पताल में इलाज जारी है। हादसे के बाद जहां लोग तमाशबीन बने रहे, वहीं पीछे से गुजर रहे नई रोशनी जन कल्याण सेवा संस्थान के अध्यक्ष इमरान अली ने मानवता दिखाते हुए तुरंत वाहन रोका और घायल युवक को बिना देर किए पीबीएम अस्पताल पहुंचाया। समय पर अस्पताल पहुंचने से घायल की जान बच सकी। इमरान अली ने सिर्फ घायल की मदद ही नहीं की, बल्कि ईमानदारी की भी मिसाल पेश की। घायलों के पास मौजूद बैग को वे अपने साथ सुरक्षित अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों से संपर्क होने पर पता चला कि बैग में करीब साढ़े चार लाख रुपए नकद थे। इमरान अली ने पूरी जिम्मेदारी के साथ बैग सहित पूरी नकदी परिजनों को सौंप दी।

जालम सिंह हत्याकांड के आरोपी की जमानत याचिका खारिज

जोधपुर, (कासं)। सांचौर के बहुचर्चित जालम सिंह हत्याकांड के आरोपी चनणाराम विश्नोई की राजस्थान हाईकोर्ट ने लगातार दूसरी बार जमानत याचिका खारिज कर दी है।

जानकारी के अनुसार 18 अगस्त 2024 को पुलिस थाना सांचौर में परिवादी अनोप सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसका छोटा बेटा जालम सिंह हुबली में भागीरथ विश्नोई की लॉज पर नौकरी करता था। भागीरथ कुछ समय से उसको वेतन नहीं दे रहा था। जालम सिंह ने भागीरथ से तनख्वाह के बकाया रुपए मांगे तो भागीरथ विश्नोई ने उसे नौकरी से निकाल दिया। उसके कुछ बाद भागीरथ घर पर आया जालम सिंह पर मुखबिरी का आरोप लगाकर पंद्रह लाख रुपए की मांग की। बाद में जालम सिंह का अपहरण कर हत्या कर दी। मुकदमे में भागीरथ विश्नोई, चनणाराम विश्नोई व अन्य सह आरोपियों के विरुद्ध हत्या के प्रकरण में चार्जशीट पेश की गई, जिसका वर्तमान में मुकदमा अपर सेशन न्यायाधीश सांचौर में चल रहा है।

राजस्थान हाईकोर्ट में इस केस के मुल्जिम चनणाराम विश्नोई की ओर से उनके वकील ने जमानत प्रार्थना-पत्र पेश किया गया था। परिवादी अनोप सिंह की ओर से एडवोकेट निखिल भण्डारी ने हाईकोर्ट में बताया कि मुल्जिम चनणाराम विश्नोई ने अन्य सह आरोपियों के साथ मिलकर जालम सिंह के साथ बुरी तरह मारपीट करके उसे 40 चोटें पहुंचाकर नृशंस हत्या की है, जिसके सारे सबूत चार्जशीट में मौजूद हैं। मुल्जिम का नाम प्रथम सूचना रिपोर्ट में दर्ज हैं और वह पूर्वनियोजित षड्यंत्र में पूर्ण रूप से शामिल है, जिसका नतीजा जालम सिंह की हत्या के रूप में हुआ। चार गवाहों ने मुल्जिम चनणाराम विश्नोई के खिलाफ बयान दिए थे। एडवोकेट निखिल भण्डारी ने हाईकोर्ट को यह भी बताया कि अभी इस मुकदमे में 22 और गवाहों के बयान होने हैं, जिनमें डॉक्टर और पुलिस अधिकारियों के बयान भी होने बाकी हैं। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस कुलदीप माथुर ने मुल्जिम चनणाराम विश्नोई का लगातार दूसरा जमानत प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया।

बाइक की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के एम्स अस्पताल गेट संख्या 8 के सामने एक बाइक और स्कूटी में भिड़ंत हो गई। हादसे में स्कूटी सवार की अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने कार्रवाई के उपरांत शव परिजन को सुपुर्द किया। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि सांचोर जिले के करड़ा स्थित आकोली, चितलवाना हाल 8ई 21 निवासी श्रवण कुमार पुत्र मालाराम विश्नोई की तरफ से मामला दर्ज कराया गया। इसमें बताया कि उसका भतीजा मनोज अपनी स्कूटी लेकर एम्स अस्पताल गेट संख्या 8 के सामने से निकल रहा था। तब एक बाइक सवार से उसकी भिड़ंत हो गई। हादसे में उसका भतीजा मनोज घायल हो गया। जिसकी बाद में अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। मामले में चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने कार्रवाई की। शव परिजन को सौंप दिया।

एक साल से फरार चल रहे तीन स्थाई वारंटी गिरफ्तार

नापासर पुलिस ने अलग-अलग दबिश देकर गिरफ्तार किया

नापासर, (निसं)। रेंज आईजी ओमप्रकाश के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत नापासर पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने एक साल से फरार चल रहे तीन स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया। कार्यवाहक थानाधिकारी जगदीश कुमार के नेतृत्व में गठित टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। इस दौरान तीन वांछित आरोपियों को पकड़ा गया।

■ **नापासर पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया**

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में शिवलाल पुत्र मांगीलाल निवासी हिंमतासर, करणीदान उर्फ कालू सोनी पुत्र पूनमचंद निवासी नेहरू चौक नापासर और लालचंद पुत्र बाबूलाल निवासी हरिरामपुरा नापासर शामिल हैं। ये सभी लंबे समय से विभिन्न मामलों में वांछित थे। इनके खिलाफ न्यायालय द्वारा स्थाई वारंट जारी किए गए थे। हालांकि, ये आरोपी लगातार गिरफ्तारी से बचते हुए फरार चल रहे थे। पुलिस टीम ने सटीक सूचना और रणनीति के आधार पर मंगलवार को कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। बाद में उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। नापासर पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, जिसका उद्देश्य फरार अपराधियों पर शिकंजा कसना है।

अनूपगढ़ में दिनदहाड़े सात लाख के गहने व नगदी चोरी

मकान मालिक ने पड़ोसी दो युवकों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कराया

अनूपगढ़, (निसं)। गांव 15ए में दिनदाहड़े एक घर से करीब 7 लाख रुपए के सोने-चांदी के गहने और 18 हजार रुपए नगद चोरी हो गए। यह घटना दोपहर करीब 12 बजे हुई। मकान मालिक रणजीत सिंह ने अपने पड़ोस में रहने वाले दो युवकों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कराया है।

रणजीत सिंह (47) ने बताया कि मंगलवार को वह अपनी पत्नी के साथ रेडबग्गी गांव में एक शादी समारोह में गए थे। घर पर उनका बेटा अकेला था। उनका बेटा घर बंद कर बाल कटवाने चला गया था। करीब डेढ़ बजे जब उनका बेटा घर लौटा, तो उसने मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ पाया। बेटे ने तुरंत अपने माता-पिता को सूचना दी, जिसके बाद रणजीत सिंह और उनकी पत्नी घर पहुंचे। घर के अंदर सामान बिखरा हुआ था। रणजीत सिंह ने बताया कि अलमारी में रखे 3 तोले सोने के गहने, 800 ग्राम चांदी के गहने और 18 हजार रुपए नकद गायब थे। उन्होंने पुलिस को दी गई लिखित रिपोर्ट में बताया कि उनके पड़ोस में रहने वाले ओमप्रकाश उर्फ बूटिया और सोनू उर्फ ढडिया पुत्र कुम्भाराम नशे के आदी हैं और घरों में चोरियां करते हैं। रणजीत सिंह ने आरोप लगाया कि इन दोनों भाइयों ने पहले भी उनके घर में चोरी की है और इस बार भी उन्होंने ही यह वारदात की है।

एएसआई सलीम पठान ने बताया कि रणजीत सिंह की रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस रणजीत सिंह द्वारा नामजद किए गए दोनों युवकों से पूछताछ कर रही है।

नहरबंदी से श्रीगंगानगर के गांवों में पानी की किल्लत बढ़ी

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीगंगानगर जिले में तेज गर्मी का दौर शुरू हो चुका है। गर्म हवाओं के साथ धूलभरी आंधियां चलने से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। दिन का तापमान लगातार बढ़ रहा है और सोमवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया था। वहीं, नहरबंदी के कारण जिले के ग्रामीण इलाकों में पानी की किल्लत बढ़ गई है। वाटर वर्क्स की डिग्गियों में पानी का स्टोरेज पूरी तरह खत्म हो चुका है। जलदाय विभाग की कई डिग्गियां सूख गई हैं, जिससे पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो रही है।

■ **वाटर वर्क्स की डिग्गियों में पानी का स्टोरेज पूरी तरह खत्म हो चुका है, जलदाय विभाग की कई डिग्गियां सूख गई हैं**

मौसम विभाग ने 22 और 23 अप्रैल को जिले में हीटवेव का येलो अलर्ट जारी कर दिया है। इन दो दिनों में धूलभरी आंधियों के साथ तेज गर्म हवाएं चलने की संभावना है, जिससे गर्मी और भी बढ़ेगी।

मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर मंगलवार सुबह न्यूनतम तापमान 23.5 डिग्री दर्ज किया गया। सोमवार को न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री और अधिकतम तापमान40.4 डिग्री रहा, जबकि रविवार को न्यूनतम 23.1 डिग्री और अधिकतम 39.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ।

मंडफिया : भगवान श्री सांवलियाजी सेठ मंडफिया के दरबार में 16 अप्रैल चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती मंगलवार को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष की उपस्थिति में चौथे चरण में हुई। चौथे चरण से भंडार से 3 करोड़ 78 लाख 77 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व तीन चरणों में हुई भंडार गिनती से 27 करोड़ 22 लाख 86 हजार रुपए की नगद प्राप्त हुए थे। चारों चरणों को मिलाकर 31 करोड़ 1 लाख 63 हजार नगद प्राप्त हुए। पांचवें चरण की गिनती बुधवार को होगी। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव, सदस्य पवन तिवारी, प्रशासनिक अधिकारी राजेंद्र सिंह, संपदा प्रभारी भैरूगिरी गोस्वामी सहित मंदिर एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

मासूम से दरिंदगी के दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

झुंझुनूं, (निसं)। जिले में मासूम बच्ची के साथ हुई जघन्य वारदात के मामले में विशेष पॉक्सो न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर कुल 1.90 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना राशि जमा नहीं कराने की स्थिति में अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा।

विशिष्ट लोक अभियोजक सुरेंद्र सिंह भाम्बू ने बताया कि अभियोजन पक्ष ने मामले को मजबूती से प्रस्तुत करते हुए कोर्ट में 27 गवाहों के बयान और 104 दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए, जिनके आधार पर अदालत ने दोष सिद्ध माना।

घटना 5 मई 2025 की है। पीड़िता की मां की ओर से दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, परिवार जयपुर से एक धार्मिक कार्यक्रम से लौटकर रात करीब 11:30 बजे नवलगढ़ पहुंचा था। इसी दौरान आरोपी ने उन्हें घर छोड़ने का भरोसा दिलाया और अपनी बाइक पर बैठा लिया। रास्ते में पेट्रोल खत्म होने का बहाना बनाकर आरोपी ने परिजनों को उतार दिया और मासूम बच्ची को जबरन अपने साथ ले गया। बाद में बच्ची को गंभीर हालत में छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया और मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया।

विशेष न्यायालय के इस फैसले को समाज में बच्चों के खिलाफ अपराधों पर कड़ा संदेश माना जा रहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मासूमों के खिलाफ अपराध किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। यह फैसला न केवल पीड़िता को न्याय दिलाने की दिशा में अहम कदम है, बल्कि ऐसे अपराधों पर रोक लगाने के लिए भी एक मजबूत चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है।

एलपीजी के अवैध संग्रहण पर कार्रवाई

अलवर, (निसं)। जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन प्रवर्तन जांच दल द्वारा एलपीजी गैस के अवैध संग्रहण, परिवहन एवं व्यापार को रोकने के उद्देश्य से आज अलवर शहर के जसवंत नगर में कार्रवाई कर सात गैस सिलेंडर जब्त किए गए।

जिला रसद अधिकारी विनोद जुनेजा ने बताया कि जांच दल द्वारा शहर के जसवंत नगर में दामोदर पुत्र प्रभाती राम की मौजूदगी में बाडे की जांच की गई, जिसमें 19 किग्रा क्षमता के 6 गैस सिलेंडर एवं 5 किग्रा क्षमता का 1 सिलेंडर भण्डारित पाया गया। जो घरेलू गैस के अवैध व्यापार किए का स्पष्ट प्रमाण होने पर गैस सिलेंडरों को जब्त कर सुरक्षार्थ मैसर्स अलवर इंडेन गैस एजेन्सी को सुपुर्द किया गया। उन्होंने बताया कि गैस के अवैध उपयोग को रोकने हेतु आगामी दिवसों में भी कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में गैस सिलेंडर्स की पर्याप्त उपलब्धता है।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर मारपीट की, पांच गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाना पुलिस ने राहगीरों से अवैध वसूली और मारपीट करने के आरोप में पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों ने शराब के नशे में एक पिकअप ड्राइवर को रोककर मारपीट की थी और उसकी गाडी के कांच भी फोड़ दिए थे। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

■ **आरोपियों ने शराब के नशे में एक पिकअप ड्राइवर को रोककर मारपीट की थी**

दोवड़ा थाने के सीआई ने बताया कि पातली निवासी प्रवीण डेंडोर ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रवीण ने बताया कि 19 अप्रैल को वह अपने पिकअप ड्राइवर के साथ डूंगरपुर की ओर जा रहे थे। दोवड़ा पंचायत समिति के पास एक इनोवा कार ने उनकी पिकअप को ओवरटेक कर रास्ता रोक दिया। कार से उतरे बदमाशों ने शराब पीने के लिए रुपयों की मांग की। जब प्रवीण ने रुपए देने से इनकार किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए पिकअप पर पथराव शुरू कर दिया। बदमाशों ने प्रवीण और ड्राइवर पर लट्ठ से हमला कर उन्हें घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी भी दी। बीच-बचाव करने आए स्थानीय निवासियों के साथ भी आरोपियों ने अभद्रता और मारपीट की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। थानाधिकारी की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दबिश दी और पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दामडी फला नाल निवासी कृष्णकान्त परमार मीणा, सिदडी खेरवाड़ा निवासी जयन्ति परमार, महिपाल अहारी, जितेन्द्र अहारी और हथाई फला निवासी कान्तिलाल ननोमा मीणा शामिल हैं। पुलिस उनसे आगे की पूछताछ कर रही है।

अलवर : वन विभाग ने बाला किले की 400 साल पुरानी दीवार तोड़ी

हजारों पेड़ काटकर वन विभाग ने सफारी के लिए नया रास्ता बनाया

अलवर, (निसं)। शहर के पास सरिस्का बफर ज़ोन में वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा हो गया है। जंगल सफारी के नाम पर तैयार किए गए नए रास्ते ने न सिर्फ पर्यावरण बल्कि ऐतिहासिक धरोहर को भी नुकसान पहुंचाया है। यह रास्ता आड़ा पाड़ा से अंधेरी होते हुए सूरजकुंड से सीधे बाला किला क्षेत्र तक बनाया गया है। सबसे गंभीर बात यह है कि इस रास्ते के निर्माण के दौरान हजारों हरे-भरे पेड़ों को काट दिया गया। वहीं करीब 400 साल पुराने बाला किला की मजबूत परकोटा (सुरक्षा दीवार) को भी तोड़ दिया गया जो अलवर की ऐतिहासिक पहचान का अहम हिस्सा है। स्थानीय लोगों में इसको लेकर भारी नाराजगी है। सुबह घूमने आने वाले लोगों ने वन विभाग के इस फैसले को गलत बताया। उनका कहना है कि जब पहले से जंगल सफारी के लिए रास्ता मौजूद था तो नया रास्ता बनाने के लिए पेड़ों की कटाई और किले की दीवार तोड़ने की क्या जरूरत थी।

अलवर के बाला किले की तोड़ी गई दीवार का हिस्सा।

इस पूरे मामले को लेकर डॉ. कांतिप्रसाद शर्मा ने कड़ा विरोध जताते हुए साफ कहा है कि यह सीधा-सीधा पर्यावरण और धरोहर के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने चेतावनी दी है कि वे हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर करेंगे। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या वन विभाग पर्यटन को बढ़ावा देने के नाम पर नियमों को दरकिनार कर सकता है? क्या किसी भी कीमत पर विकास के नाम पर इतिहास और प्रकृति को नुकसान पहुंचाना सही है?

■ **जंगल सफारी के नाम पर तैयार किए गए नए रास्ते ने न सिर्फ पर्यावरण बल्कि ऐतिहासिक धरोहर को भी नुकसान पहुंचाया है**

इस मामले में सीसीएफ संग्राम सिंह ने कहा कि अभी मामले की जानकारी नहीं है। दिखवाकर ही कुछ कह पाएंगे।

बीएसएफ जवान संजय सिंह को सैन्य सम्मान से अंतिम विदाई दी

10 वर्षीय बेटे यश ने अपने पिता को मुखाग्नि दी

बुहाना, (निसं)। देश सेवा करते हुए एक और वीर सपूत ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। झुंझुनूं जिले के बुहाना क्षेत्र के गांव लालामंडी निवासी बीएसएफ जवान संजय सिंह का पश्चिम बंगाल में ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से निधन हो गया। मंगलवार को उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचा, जहां पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान पूरे गांव में शोक की लहर छा गई।

ड्यूटी पर ही बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में तोड़ा दम :- 35 वर्षीय संजय सिंह पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बीएसएफ की 146वीं बटालियन में तैनात थे। 19 अप्रैल को ड्यूटी के दौरान उनकी अचानक तबीयत खराब हो गई। साथियों ने तुरंत उन्हें बीएसएफ अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन हालत गंभीर होने के चलते 20 अप्रैल तड़के करीब 12:45 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। मंगलवार को जैसे ही शहीद जवान का पार्थिव शरीर गांव लालामंडी पहुंचा, पूरा क्षेत्र गमगीन हो उठा। तिरंगे में लिपटे अपने बेटे को देख परिजन बेसुध हो गए। सेना के जवानों ने पूरे सम्मान के साथ सलामी दी और पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया। इस हृदयविदारक पल में सबसे भावुक दृश्य तब सामने आया, जब संजय सिंह के 10 वर्षीय बेटे यश ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने वीर जवान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

पिछले कुछ वर्षों में उन्हें भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों की नागरिकता के प्रस्ताव मिले थे, जिन्हें उन्होंने ठुकरा दिया। आईपीएल 2023 के दौरान उनसे अनौपचारिक रूप से देश बदलने के लिए संपर्क किया गया था। – राशिद खान

अफगानिस्तान के गेंदबाज, इंडियन नागरिकता को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी ▶

रुबेल हुसैन

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच से पहले अनुभवी तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने पर औपचारिक विदाई दी। शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित इस समारोह में रुबेल के पूर्व साथी खिलाड़ी और मौजूदा टीम के सदस्य मौजूद रहे। बांग्लादेश क्रिकेट में इस तरह की औपचारिक विदाई कम ही देखने को मिलती है, ऐसे में बीसीबी द्वारा किया गया यह सम्मान खास रहा। रुबेल ने कहा, संन्यास की घोषणा के बाद तमीम इकबाल ने खुद फोन कर मुझे सम्मानित करने की इच्छा जताई।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने 598 टेस्ट में से 185 जीते हैं और 188 हारे हैं। राहुल द्रविड़ ने टेस्ट में सबसे ज्यादा गेंदों का सामना करने (31,258) का विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली को 47 रनों से हराया, अभिषेक के बाद मलिंगा ने बिखेरा जलवा

हैदराबाद, 21 अप्रैल। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 में जीत की हैट्रिक लगा दी है। एसआरएच ने मंगलवार को हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स को 47 रनों से धूल चटाई। एसआरएच ने 243 रनों का टारगेट दिया। जवाब में जीसी ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 195 रन बनाए।

इससे पहले, एसआरएच ने दो विकेट के नुकसान पर 242 रन जुटाए। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने तूफानी शतकीय पारी खेली। उन्होंने 68 गेंदों में नाबाद 135 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 10 छक्के हैं। टॉस गंवाकर बैटिंग करने उतरी हैदराबाद टीम को अभिषेक ने शानदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने ट्रैविस हेड (26 गेंदों में 37, दो चौके, दो छक्के) के साथ पहले विकेट के लिए 97 रनों की साझेदारी की। हेड को अक्षर पटेल ने नौवें ओवर में पवेलियन भेजा। इसके बाद, अभिषेक ने कप्तान ईशान किशन (13 गेंदों में 25, दो चौके, एक छक्का) के संग 79 रन जोड़े। ईशान 15वें ओवर में रनआउट हुए। अभिषेक और हेनरिक क्लासेन ने तीसरे विकेट के लिए 66 रनों की अटूट पार्टनरशिप की। क्लासेन ने 13 गेंदों में नाबाद 37 रन बनाए। उनके बल्ले से तीन चौके और तीन छक्के निकले। दिल्ली की ओर से नीतीश राणा सबसे ज्यादा महंगे रहे। उन्होंने चार ओवर में 55 रन लुटाए। मुकेश कुमार ने 53 रन खर्च किए।

ईशान मलिंगा हैट्रिक से चूके, 4 विकेट झटके

ईशान मलिंगा ने 4 विकेट झटके। उन्होंने इम्पैक्ट प्लेयर आशुतोष शर्मा (14 रन), ट्रिस्टन स्टब्स (27 रन), नीतीश राणा (57 रन) और डेविड मिलर (जीरो) को पवेलियन भेजा। राणा और मिलर को लगातार बॉल पर आउट करके बाद मलिंगा के पास हैट्रिक का चांस था, लेकिन वे चूक गए।

डीसी ने अपनी प्लेइंग इलेवन में एक बदलाव किया। आकिब नबी की जगह नीतीश राणा को शामिल किया। एसआरएच ने प्रफुल्ल हिंगे के स्थान पर दिलशान मदुशंका को मौका दिया। एसआरएच ने श्रीलंका के तेज गेंदबाज मदुशंका को इंग्लैंड के ब्रायडन कार्स के चोटिल होने के कारण रिप्लेसमेंट के रूप में जोड़ा था। हर्ष दुबे की भी वापसी हुई। नियमित कप्तान पैट कमिंस एसआरएच से जुड़ गए हैं लेकिन वह दिल्ली मैच के लिए उपलब्ध नहीं। ईशान किशन फिर से टीम की कमान संभाल रहे हैं। हैदराबाद सातवें और दिल्ली अपने छठे मैच में उतरी है। दोनों टीमों के छह-छह अंक हैं लेकिन एसआरएच बेहतर नेट रनरेट की वजह से पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर है। डीसी पांचवें पायदान पर हैं। एसआरएच मंगलवार को जीत की हैट्रिक लगाने की फिराक में होगी जबकि डीसी की कोशिश लय बरकरार रखने पर होगी। हैदराबाद ने अपने पिछले दो मैचों में चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स को शिकस्त दी। वहीं, डीसी ने अपने पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को हराया था।

के.एम. मुंशी मेमोरियल टेनिस टूर्नामेंट : ईशन्वी को स्वर्ण, सुहाना को रजत

जयपुर, 21अप्रैल। विद्याश्रम स्कूल द्वारा आयोजित के. एम. मुंशी मेमोरियल इंटर स्कूल टूर्नामेंट में युवा टेनिस खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के टेनिस टूर्नामेंट में मेजबान विद्याश्रम स्कूल की ईशन्वी ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। वहीं, कड़े मुकाबले में नीरजा मोदी वर्ल्ड स्कूल की सुहाना सिंघवी ने उत्कृष्ट खेल दिखाया और रजत पदक हासिल किया। इस उपलब्धि पर दोनों स्कूलों के खेल प्रशिक्षकों और प्रबंधन ने विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

राजस्थान रॉयल्स ने आरआर बनाम एसआरएच मैच के लिए 500 के विशेष छात्र टिकट की घोषणा की

जयपुर, 21 अप्रैल। राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में एसआरएच के खिलाफ अपने आगामी मैच के लिए एक विशेष छात्र टिकट पहल की घोषणा की है, जिसके तहत टिकट की कीमत 500 रखी गई है। यह विशेष बिक्री 23 अप्रैल 2026 को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में की जाएगी। छात्र 11:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक स्टेडियम के वेस्ट गेट पर स्थित निर्धारित बॉक्स ऑफिस काउंटर से टिकट खरीद सकते हैं। टिकट पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर उपलब्ध होंगे। इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए छात्रों को खरीद के समय अपना वैध स्कूल या कॉलेज आईडी कार्ड दिखाना अनिवार्य होगा। प्रत्येक आईडी पर केवल एक टिकट ही खरीदा जा सकेगा, जिससे अधिक से अधिक छात्रों को इस पहल का लाभ मिल सके। इस पहल का उद्देश्य युवा दर्शकों को खेल के और करीब लाना और उन्हें किफायती कीमत पर लाइव आईपीएल मैच का अनुभव देने का अवसर प्रदान करना है। जयपुर में होने वाले आगामी मैचों में दर्शकों को एक ऊर्जावान और रोमांचक स्टेडियम अनुभव मिलने की उम्मीद है।

लक्ष्य क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 21 अप्रैल। अंडर-12 पिंकसिटी कप में लक्ष्य क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 195 रन 7 विकेट के नुकसान पर बनाएं। नवदीप सिंह ने 78 और विहान शर्मा ने 30 रनों का योगदान दिया। कैंडलविक क्रिकेट अकादमी की ओर से अभिनव सैनी ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कैंडलविक क्रिकेट अकादमी 27 ओवर में 113 रन पर ऑल आउट हो गई। दिव्यांश ने 27 और सक्षम ने 22 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य क्रिकेट अकादमी की ओर से प्रतीक सैनी, पार्थ और प्रिंस यादव ने 2-2 विकेट लिए। मैन ऑफ़ द मैच नवदीप सिंह को चुना गया।

एसजे पब्लिक स्कूल ने मिनर्वा क्लब को हराया

जयपुर 21अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए मैच में एस जे पब्लिक स्कूल ने मिनर्वा क्लब को 84 रनो से हराया। जयपुर जिला क्रिकेट संघ के कन्वीनर राजेश कुमार ताम्बी ने बताया के एल सैनी स्टेडियम पर एस जे पब्लिक स्कूल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अक्षत चंदवाल के शानदार दोहरे शतक 203 रन नाबाद (155 गेंद, 24 चौके व 3 छक्के), हर्ष सैनी के 133 रन (92 गेंद, 16 चौके व 5 छक्के) से 50 ओवर में 2 विकेट पर 378 रन बनाए। मिनर्वा क्लब के लिए मोहम्मद शादाब व साईं ओम ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में मिनर्वा क्लब की टीम ने मोहम्मद शादाब के 36 रन, रियान सेबेस्टियन के 42 रन, अमरनाथ सिंह के 91 रन व रियांश अग्रवाल के 52 रनो से 50 ओवर में 9 विकेट पर 294 रन बनाए। एस जे पब्लिक स्कूल के लिए दिनेश मीणा ने 26 पर 3, साहिल नायक ने 57 पर 2, गुलजार, मोहित व उमेश मीना ने एक-एक विकेट लिया।

क्रिकेट डीपीएल-2 को किया गया स्थगित

दौसा, 21 अप्रैल। ज़िला क्रिकेट संघ दौसा सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि जिला क्रिकेट संघ द्वारा डीपीएल -2 का भव्य आयोजन दिनांक 10 5.2026 से राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम में किया जाना प्रस्तावित था लेकिन राजस्थान क्रिकेट संघ ने इस साल होने वाले टूर्नामेंट का नोटिफिकेशन कल ही जारी किया उसके अंतर्गत 11 मई 2026 से कॉलविन शील्ड टूर्नामेंट का आयोजन आरसीए द्वारा किया जाएगा जिसमे जिले से सभी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की टीम चयन करने के लिए ट्रायल मैच और टीम की तैयारी के लिए भी समय चाहिए जिसको देखते हुए डीपीएल-2 का आयोजन स्थगित किया गया है ।आगे समय तारीख तय कर सूचित कर दिया जाएगा सचिव बृजकिशोर उपाध्याय द्वारा यह भी बताया गया कि अभी आरसीए के टूर्नामेंट और उनके बाद बारिश के सीजन को देखते हुए सितंबर अक्टूबर में डीपीएल 2 का भव्य आयोजन जिला क्रिकेट संघ द्वारा करवाया जाना प्रस्तावित है।

बीसीसीआई के शेड्यूल से नाखुश हैं कोच गौतम गंभीर और शुभमन गिल

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल आईपीएल 2026 के खत्म होने के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच खेलेंगे। लेकिन कोच और कप्तान इस टेस्ट के शेड्यूल से खुश नहीं हैं।आईपीएल का फाइनल मुकाबला 31 मई को खेला जाना है जबकि अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट 6 जून से शुरू होना है। अभी तक ये भी तय नहीं है कि कौन-कौन सी टीमें आईपीएल प्लेऑफ में पहुंचेंगी। ऐसे में अजीत अगरकर की चयन समिति अफगानिस्तान टेस्ट के लिए कुछ रिजर्व खिलाड़ियों को मौका दे सकती है।

गंभीर और गिल पहले भी इतने व्यस्त शेड्यूल का विरोध कर चुके हैं और अब फिर उसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। वहीं चयनकर्ता प्लान बी पर काम कर रहे हैं। गुरनूर बरार, मानव सुधार, आकिब नबी, देवदत्त पडिक्कल और कुछ अन्य खिलाड़ी इस एकमात्र टेस्ट के लिए सेलेक्टर्स का नजर में हैं, क्योंकि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा जैसे सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जा सकता है। क्योंकि वे आईपीएल खेल रहे हैं और आगे भी लगातार बिजी शेड्यूल है।

वहीं एक सूत्र ने कहा कि, आईपीएल फाइनल और अफगानिस्तान टेस्ट के बीच ज्यादा अंतर नहीं है। इसलिए चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट खिलाड़ियों पर ज्यादा बोझ नहीं डालना चाहेंगे, क्योंकि इसके बाद तीन वनडे और फिर इंग्लैंड दौरे पर व्हाइट-बॉल सीरीज है। सूत्र ने बताया कि, अफगानिस्तान टेस्ट में डब्ल्यूटीसी के अंक नहीं मिलेंगे, इसलिए खिलाड़ियों का वर्कलोड संभालना जरूरी है। कुछ खिलाड़ी करीब दो महीने लगातार क्रिकेट खेलेंगे। अभी वनडे और डब्ल्यूटीसी ज्यादा अहम हैं। टीम चाहेगी कि उसके बड़े खिलाड़ी फिट, तरोताजा और श्रीलंका व न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट और बाकी वनडे मैचों के लिए तैयार रहें। ऐसे में इस टेस्ट के लिए बुमराह को जोखिम में डालने का क्या फायदा?

आईपीएल में सीएसके को झटका, हैमस्ट्रिंग चोट के चलते बाहर हुए आयुष म्हात्रे

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। फ्रेंचाइज़ी ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। म्हात्रे को यह चोट हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले के दौरान बल्लेबाजी करते समय लगी। जांच में उनकी हैमस्ट्रिंग में गंभीर खिंचाव की पुष्टि हुई है। डॉक्टरों के मुताबिक इस चोट से उबरने में उन्हें 6 से 12 सप्ताह का समय लगेगा, जिससे वह इस सीजन के शेष मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। मुंबई के इस युवा बल्लेबाज ने इस सीजन में शीर्ष क्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह पावरप्ले के अंतिम ओवरों में तेज रन बनाने के लिए जाने जाते रहे हैं। म्हात्रे ने इस सीजन में 6 मैचों में 201 रन बनाए, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 177.88 रहा और उन्होंने दो अर्धशतक भी लगाए।

मास्को में शिव ने स्वर्ण व धीरज ने जीता रजत पदक

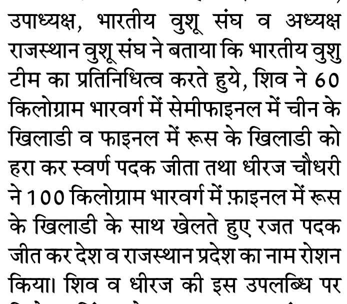

जयपुर, 21 अप्रैल। मास्को, रूस में 15 से 21 अप्रैल 2026 तक आयोजित हुई मास्को वुशू स्टार प्रतियोगिता में राजस्थान के खिलाडियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुये एक स्वर्ण व एक रजत पदक जीत राजस्थान का नाम रोशन किया। हीरानंद कटारिया, उपाध्यक्ष, भारतीय वुशू संघ व अध्यक्ष राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि भारतीय वुशु टीम का प्रतिनिधित्व करते हुये, शिव ने 60 किलोग्राम भारवर्ग में सेमीफाइनल में चीन के खिलाडी व फाइनल में रूस के खिलाडी को हरा कर स्वर्ण पदक जीता तथा धीरज चौधरी ने 100 किलोग्राम भारवर्ग में फ़ाइनल में रूस के खिलाडी के साथ खेलते हुए रजत पदक जीत कर देश व राजस्थान प्रदेश का नाम रोशन किया। शिव व धीरज की इस उपलब्धि पर विनोद सिंह शेखावत, मुख्य संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, गोपाल सैनी, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, राजकुमार शर्मा संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, भगवान सहाय जाटवा संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, के. सी. घुमरिया, चेयरमैन, राजस्थान वुशू संघ, ममता वर्मा, महासचिव, राजस्थान वुशू संघ, विजय सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ, वुशू कोच राजेश कुमार टेलर व सभी पदाधिकारियों ने बधाई दी।

आईसीसी महिला टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंची शेफाली

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने आईसीसी महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज़ी रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाकर छठा स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने डरबन में खेले गए दूसरे मुकाबले में 38 गेंदों पर 57 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें दो छक्के और चार चौके शामिल रहे। हालांकि, शेफाली की इस पारी के बावजूद भारतीय टीम को जीत नहीं मिल सकी और दक्षिण अफ्रीका ने यह मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। पांच मैचों की श्रृंखला में मेजबान टीम 2-0 से आगे है। वेस्टइंडीज की कप्तान हेले मैथ्यूज एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पहले मैच में नाबाद 47 रन बनाए थे, जिसके बाद वह दो स्थान की बढ़त के साथ संयुक्त 11वें स्थान पर पहुंच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोलवार्ट अब तक श्रृंखला में 105 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर हैं।

स्टेट लेवल यूथ कप अंडर-17

जयपुरिया विद्यालय व संस्कार एकेडमी जीती

जयपुर, 21 अप्रैल। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ कप अंडर 17 में आज खेले गए मैचों में जयपुरिया विद्यालय ने तारिक एकेडमी की 162 रनो से हराया तथा संस्कार एकेडमी ने एमी एकेडमी को 6 विकेट से हराया। नैना ग्राउंड पर जयपुरिया विद्यालय ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिनव धनकर के 55 रन, रचित 39 रन, निमिष के 44 रन व अभिषेक बालोत के 46 रनो से 50 ओवर में 9 विकेट पर 248 रन बनाए। तारिक एकेडमी के लिए रेहान खान ब चेतन मीणा ने 2-2 विकेट लिए। जवाबी पारी में तारिक एकेडमी की टीम चेतन मीणा के 11 रन, मोहन सैनी के 21 रनो से 25.3 ओवर में 86 रनो पर सिमट गई। जयपुरिया विद्यालय के लिए समक्ष जैन ने 18 पर 4, ओम शर्मा अभिषेक राठौर ने 13 पर 3, कुशाग्र ने 18 पर 2 विकेट लिए।

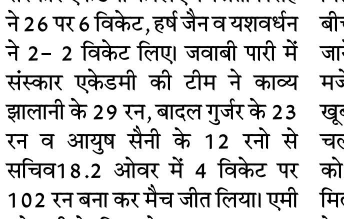

दूसरे मैच में नारायण ग्राउंड पर एमी एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नयन गिल के 20 रन व कृष यादव के 23 रनो से 19.4 ओवर में 97 रन बनाकर आउट हो गई। संस्कार एकेडमी के लिए गज प्रताप सिंह ने 26 पर 6 विकेट, हर्ष जैन व यशवर्धन ने 2- 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में संस्कार एकेडमी की टीम ने काव्य झालानी के 29 रन, बादल गुर्जर के 23 रन व आयुष सैनी के 12 रनो से सचिव18.2 ओवर में 4 विकेट पर 102 रन बना कर मैच जीत लिया। एमी एकेडमी के लिए मोहम्मद साद व कृष यादव ने 2-2 विकेट लिए।

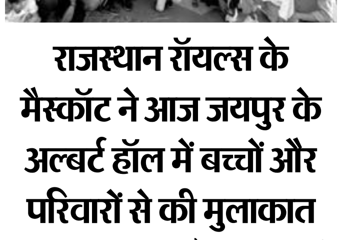

राजस्थान रॉयल्स के मैस्कॉट ने आज जयपुर के अल्बर्ट हॉल में बच्चों और परिवारों से की मुलाकात

जयपुर, 21 अप्रैल। जयपुर के ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल में आज शाम हल्ला बोल का जोश देखने को मिला, जब राजस्थान रॉयल्स के मैस्कॉट मूचू सिंह ने यहां आकर बच्चों और परिवारों के साथ शानदार समय बिताया। शाम 5:30 बजे से 7:30 बजे के बीच, अपनी खास मूंछ और जोश से पहचाने जाने वाले मूचू सिंह ने सैकड़ों बच्चों के साथ मजेदार गतिविधियों में हिस्सा लिया और उन्हें खूब एंटरटेन किया। मूचू सिंह का शहरभर में चल रहा टूर कल भी जारी रहेगा, जहां फैंस को फिर से गेम्स, मस्ती और गिवअवे का मजा मिलेगा। 22 अप्रैल को यह मस्ती अब शहर के पसंदीदा शॉपिंग डेस्टिनेशंस-वर्ल्ड ट्रेड पार्क और गौरव टावर में शाम तक जारी रहेगी।

आरसीए राष्ट्रीय स्तर के साथ राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में जिले के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले पुरुष-महिला खिलाड़ियों को देगा अवार्ड : डॉ. मोहित

जयपुर, 21 अप्रैल। आरसीए एडहॉक कमेटी के गठन के साथ ही कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव , सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर ,आशीष तिवाड़ी , अर्जुन बेनीवाल ,अरिष्ट सिंघवी राज्य के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर व युवा खिलाडियों को उनके राष्ट्रिय व राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने हेतु प्रत्साहित करने के साथ बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र से पूर्व राज्य की घरेलू क्रिकेट गतिविधियों को जल्द से जल्द शुरू कर राज्य के युवा खिलाडियों को बीसीसीआई क्रिकेट सत्र की तैयारियों के लिए आवश्यक व पर्याप्त अवसर देने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं। संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव के अनुसार आरसीए बीसीसीआई क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की राष्ट्रिय पुरुष / महिला क्रिकेट प्रतियोगिताओं में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों के साथ आरसीए के घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की विभिन्न आयुवर्ग की पुरुष / महिला क्रिकेट प्रतियोगिताओं में जिले के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले राज्य के

प्रतिभावान पुरुष / महिला खिलाडियों का सम्मान कर उनका होंसला बढ़ाएगी। आरसीए एडहॉक कमेटीबीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2026 - 27 से पूर्व राज्य के युवा खिलाडियों के हितों को ध्यान में रखते हुए आगामी मई - जून माह में विभिन्न आयु वर्ग की पुरुष / महिला क्रिकट प्रतियोगिता आयोजित किया जाना प्रस्तावित है जिसमे 11 मई से राज्य की प्रतिष्ठित सीनियर कॉल्विन शील्ड राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता , 20 मई से सीनियर महिला राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता , 1 जून से अंडर 19 राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता , 15 जून से अंडर 16 राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता व 25 जून से अंडर 23 राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित करेगी जिससे राज्य के विभिन्न आयुवर्ग के युवा पुरुष / महिला खिलाडियों को आरसीए की घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिताओं में अपना शानदार प्रदर्शन कर बीसीसीआई के आगामी क्रिकेट सत्र 2026 - 27 से पूर्व तैयारियों के लिए आवश्यक समय व प्लेटफार्म मिलेगा।

अभिषेक बने आईपीएल 2026 के 'सिक्सर किंग'

हैदराबाद, 21 अप्रैल। सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा 2026 के सिक्सर किंग बन गए हैं। उन्होंने रजत पाटीदार से यह ताज छीना। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ शानदार शतकीय पारी खेली। उन्होंने 68 गेंदों में 10 चौकों और 10 छक्कों की मदद से नाबाद 135 रनों की पारी खेली। अभिषेक आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले प्लेयर बन गए हैं। वह जारी सीजन में अब तक सात मैचों में 27 छक्के लगा चुके हैं।

नोवाक जोकोविच ने की विराट कोहली की तारीफ, कहा- उनके कारण ही क्रिकेट को फॉलो करता हूं

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। टेनिस आइकन नोवाक जोकोविच इन दिनों क्रिकेट को फॉलो कर रहे हैं। जिसकी वजह भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली हैं। खेल की दुनिया का ऑस्कर कहे जाने वाले लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स से इतर एक भारतीय न्यूज चैनल से बातचीत करते हुए जोकोविच ने किंग कोहली की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि उनकी वजह से ही उन्होंने क्रिकेट को फॉलो करना शुरू किया है। उन्होंने साथ में ये उम्मीद भी जताई की जब भी वह कभी भारत जाएंगे तो कोहली उनके साथ जरूर रहेंगे। साथ ही टेनिस स्टार ने जल्द ही भारत आने की बात कही है। नोवाक जोकोविच ने टाइम्स नाउ के साथ बातचीत में कहा कि, विराट कोहली मेरे दोस्त हैं और ऐसे शख्स हैं जिनका मैं सम्मान करता हूं प्रशंसा करात हूं। ईमानदारी से कहें तो उनकी वजह से ही मैंने क्रिकेट को फॉलो करना शुरू किया है। मैंने पहले भी इसे फॉलो किया लेकिन उनके जरिए और ज्यादा फॉलो करना शुरू किया। हम संपर्क में रहते हैं और उम्मीद करता हूं कि मैं जब भी भारत आउंगा, मैं कहना तो नहीं चाहता लेकिन मैं जब भी भारत आउंगा वह मेरे साथ हो सकते हैं। हम थोड़ा बहुत टेनिस खेलेंगे और थोड़ा बहुत क्रिकेट। मस्ती करेंगे और स्पोर्ट का आनंद लेते हुए पॉजिटिव, गुड वाइब्स फैलाएंगे। वही नोवाक ने खुद को भारत का फैन बताया। उन्होंने बताया कि वह जल्दी ही भारत आने का भी प्लान कर रहे हैं जिसका वह लंबे समय से फैन रहे हैं।

ईशान किशन के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। ईशान किशन को आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में कप्तानी कर रहे हैं। उन्होंने इस सीजन के अब तक 6 मैचों में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी की है और इस दौरान एक अनचाहा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। इन 6 मुकाबलों में ईशान किशन की किस्मत ने बिल्कुल साथ नहीं दिया है। दरअसल, ईशान किशन आईपीएल 2026 में अब तक जितने भी मैचों में कप्तानी की है उनमें से एक में भी सिक्का उनके पक्ष में नहीं गिरा है। यानी वे सभी 6 मुकाबलों में टॉस जीतने में असफल रहे हैं। इसके साथ किशन आईपीएल के इतिहास के पहले ऐसे कप्तान बन गए हैं जिन्होंने कप्तानी करते हुए अपने पहले 6 मुकाबलों में लगातार टॉस नहीं जीता है। इससे पहले साल 2016 में डेविड मिलर ने पंजाब किंग्स की कप्तानी करते हुए अपने शुरुआती 5 टॉस गंवाए थे। जो एक रिकॉर्ड था लेकिन अब इस रिकॉर्ड को ईशान किशन ने तोड़ दिया है और वे आईपीएल के इतिहास के अपने शुरुआती 6 मुकाबलों में एक में भी टॉस ना जीतने वाले पहले कप्तान बने हैं।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला सिंह अवमानना के दोषी, दिल्ली उच्च न्यायालय सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह को जानबूझकर उसके आदेश की अवहेलना करने के लिए अदालत की अवमानना का दोषी ठहराया है। न्यायमूर्ति पुरुषेन्द्र कुमार कौरव ने कहा कि वह चार मई को सजा के मुद्दे पर सुनवाई करेंगे, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने भोलानाथ सिंह को 'उचित समझे जाने वाले उपाय' करके अवमानना को 'सुधारने' की स्वतंत्रता दी। अदालत ने हॉकी इंडिया की निर्वाचित उपाध्यक्ष सईद असीमा अली द्वारा दायर अवमानना से संबंधित याचिका पर 20 अप्रैल को फैसला सुनाया। उन्होंने अपनी इस याचिका पर हॉकी इंडिया के अधिकारियों द्वारा 17 जनवरी, 2025 को पारित आदेश का पालन नहीं करने का आरोप लगाया था। अदालत ने कहा कि उसके निर्देशों के अनुसार हॉकी इंडिया के अधिकारियों को याचिकाकर्ता को वे जरूरी लिंक उपलब्ध कराने थे जिससे कि वह कार्यकारी बोर्ड की सभी बैठकों में भाग ले सकें, लेकिन चार जुलाई, 2025 और 27 जुलाई, 2025 को आयोजित बैठकों के लिए ऐसा नहीं किया गया। इसमें पाया गया कि कथित तौर पर बाद की किसी भी घटना से अधिकारियों को याचिकाकर्ता को लिंक प्रदान करने के अपने दायित्व से छूट नहीं मिलती, जबकि उन्होंने निर्देश में संशोधन की मांग भी नहीं की थी।

फ्रेंच ओपन 2026 : चोट के चलते रोलां गैरों से बाहर हो सकते हैं कार्लोस अल्कराज

पेरिस, 21 अप्रैल। मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्कराज़ ने संकेत दिए हैं कि वह अपनी कलाई की गंभीर चोट के कारण इस साल के फ्रेंच ओपन (रोलां गैरों) में हिस्सा नहीं भी ले सकते हैं। 22 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी ने कहा है कि वह जल्दबाज़ी में वापसी करने के बजाय पूरी तरह फिट होकर लौटना चाहते हैं। अल्कराज़ को पिछले सप्ताह बार्सिलोना क्ले-कोर्ट टूर्नामेंट से हटना पड़ा, जब एक रिटर्न खेलते समय उनकी कलाई में समस्या आ गई। बाद में जांच में चोट उम्मीद से ज्यादा गंभीर निकली। इसके बाद उन्होंने मैड्रिड ओपन से भी नाम वापस ले लिया, जिससे 18 मई से शुरू होने वाले रोलां गैरों में उनके खेलने पर संदेह गहरा गया है। सोमवार को एक समारोह के दौरान उन्होंने कहा,मैं थोड़ा देर से लेकिन पूरी तरह फिट होकर वापसी करना पसंद करूंगा, बजाय इसके कि जल्दबाज़ी में लौटकर खुद को और नुकसान पहुंचाऊं। उन्होंने आगे कहा,मेरा करियर अभी लंबा है। अगर मैं इस रोलां गैरों में खुद पर ज्यादा दबाव डालता हूं, तो इसका असर आगे के टूर्नामेंट पर पड़ सकता है।

कार्यालय मुख्य अभियंता एवं महानिदेशक, सिंचाई प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान, दादाबाड़ी रोड, कोटा

टेलीफोन नं. 0744-2500682 Email:ceimti.kota@rajasthan.gov.in

क्रमांक-एच. डब्लयू. एम.आई. /निविदा/2026-27/28-34 दिनांक-15/04/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 01 वर्ष 2026-27

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्य अनुमानित लागत राशि रू. 19.98 लाख हेतु अनुभवी संवेदकों से ई-निविदा आमन्त्रित की जाती है।

निविदाएं ऑनलाइन वेबसाइट http://www.eproc.rajasthan.gov.in से दिनांक 17.04.2026 प्रातः 11.00 बजे से 06.05.2026 सांय 6.00 बजे तक डाउनलोड किये जाकर, ऑनलाईन निविदाएँ इसी वेबसाइट पर इच्छुक संवेदकों द्वारा दिनांक 06.05.2026 सांय 6.00 बजे तक अपलोड (जमा) की जा सकेगी। वेबसाइट पर निविदा दिनांक 07.05.2026 को सायं 3.00 बजे खोली जावेगी। यदि किसी कारणवश उस दिन अवकाश रहता है तो उसके अगले कार्य दिवस को उसी समय पर निविदाएं खोली जावेगी।

उपरोक्त निविदा www.dipr.rajasthangov.in. www.sppp.rajasthan.gov.in & www.water.rajasthan.gov.in/imti पर भी उपलब्ध है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल (DSC) हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

NIB Code: WRD2627A0009

कार्य का यू.बी.एन. नम्बर- WRD2627WSOB00008

अतिरिक्त निदेशक
हाइड्रोलॉजी एण्ड वाटर मैनेजमेन्ट इन्स्टीट्यूट, बीकानेर

DIPR/C/7087/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण सांभरलेक जयपुर

क्रमांक :-50-57 दिनांक :-16.04.2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या- 01 / 2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 (MJSA2.0) Ph-II ब्लॉक जोबनेर जिला जयपुर अन्तर्गत स्वीकृत Farm Pond/Khet Talai (with HDPE Sheet) निर्माण कार्यों हेतु राजस्थान लोक उपापन में परदर्शिता नियम 2013 के अनुसरण में सार्वजनिक निर्माण विभाग / जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग / जल संसाधन विभाग / ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग / स्थानीय निकायों में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के लिए अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग /डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा दिनांक 17.04.2026 प्रातः 10.00 से दिनांक 27.04.2026 को सांय 06:00 बजे तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदाऐ दिनांक 28.04.2026 को सुबह 11:00 बजे कार्यालय में खोली जावेगी। निविदा का विस्तृत विवरण "https://sppp.rajasthan.gov.in", "https://eproc.rajasthan.gov.in" एवं विभागीय वेबसाइट "www.watershed.gov.in" पर देखा जा सकता है।

NIB CODE:-WSC2627A0088 (बलबीर सिंह)

UBN NO:- WSC2627WSOB00143 अधिशाषी अभियन्ता, जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण सांभरलेक (जयपुर)

DIPR/C/7120/2026

दिल्ली -मुंबई एक्सप्रेस-वे पर टक्कर में जयपुर के 6 लोग घायल

■ दादी का फाटक के बिजनेस मैन पुनीत अग्रवाल परिवार सहित हरिद्वार से लौट रहे थे।

अलवर, 21 अप्रैल (निसं)। दिल्ली-मुंबई सुपर एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार तड़के करीब साढ़े चार बजे एक कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई, जिससे कार में सवार बिजनेसमैन परिवार के छह लोग घायल हो गए। सभी घायलों को अलवर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि पिकअप को बचाने के चक्कर में यह हादसा हुआ।

बड़ौदामेव थाना प्रभारी मोहन गुर्जर ने बताया कि एक्सीडेंट तड़के साढ़े चार से पांच बजे के बीच में हुआ है। जयपुर के दादी का फाटक निवासी बिजनेसमैन पुनीत अग्रवाल (42) अपनी मां अल्का अग्रवाल (66), पत्नी बबीता अग्रवाल (38) और पुत्र सौम्य (9) और लक्ष्य (11) के साथ हरिद्वार घूमने गए थे। बिजनेसमैन परिवार मंगलवार सुबह करीब साढ़े चार बजे हरिद्वार से जयपुर लौट रहा था। एक्सप्रेस-वे पर अचानक एक पिकअप उनकी अर्टिगा कार के सामने आ गई। उसे बचाने के प्रयास में कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। कार चला रहे जयपुर निवासी अमित चौधरी ने कार का संतुलन बनाने की कोशिश की, लेकिन कार आगे चल रहे ट्रक से जा भिड़ी। कार में सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद पिकअप व ट्रक वाले फरार हो गए।

बिजनेसमैन पुनीत अग्रवाल के बेटे लक्ष्य ने बताया कि उनके पापा को सबसे ज्यादा चोटें आई हैं। पिकअप वाले मौके से भाग गए। उसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। फिर उनको अस्पताल पहुंचाया गया। राहगीरों ने घायलों की मदद की। पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को अलवर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

पूर्व क्रिकेटर व तृणमूल सांसद युसुफ पठान के ससुर व साले मुम्बई में गिरफ्तार हुए

दोनों पर तीन अन्य व्यक्तियों के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है

■ घटना भायकला की है, जहां सड़क पर पानी भरा हुआ था वहां से एक कार गुजरी और पानी के छींटे युसुफ पठान के ससुर व साले पर पड़ गए फिर उन्होंने कार में सवार तीन लोगों से मारपीट की।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अप्रेल। पूर्व क्रिकेटर और तृणमूल कांग्रेस के सांसद युसुफ पठान के ससुरालियों को आज मुंबई में एक परिवार के तीन सदस्यों पर हमले के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पठान के ससुर और साले उनके खिलाफ आरोपी हैं कि उन्होंने बांस की छड़ और बेसबॉल बैट से एक व्यक्ति और उसके रिश्तेदारों को पीटा, क्योंकि उनकी कार से पानी छिड़क गया था।

घटना मुंबई के भायकला क्षेत्र की है। किसी अन्य युसुफ पठान द्वारा चलाई जा रही कार के गुजरने पर खालिद पठान और शोएब खान, जो पूर्व क्रिकेटर के ससुर और साले हैं- पर सड़क पर जमा कीचड़ के छींटे पड़ गए। इसके बाद पहले तो मौखिक विवाद हुआ और फिर झगड़ा हो गया। पीड़ित पक्ष के सलमान ने बताया "मेरा भाई युसुफ पठान और मैं डिनर से लौट रहे थे, तभी कुछ कीचड़ शोएब नामक व्यक्ति पर छिटक गया।" "हमने कार रोकी और माफी मांगी, लेकिन शोएब ने नहीं सुना और हमारी कार की विंडशील्ड तोड़ दी।"

जब पीड़ित, युसुफ पठान और उनके परिवार के सदस्य पुलिस स्टेशन जाने के लिए बाहर निकले, तो उन पर हमला किया गया।

पीड़ित ने बताया, "जब मेरे पिता और मैं अपने भाई को अस्पताल ले जा रहे थे, आठ से नौ हथियारबंद व्यक्ति सामने आए और हम पर हमला करना शुरू कर दिया। उन्होंने हम तीनों को पीटा।"

खालिद और शोएब पर आरोप है कि उन्होंने बांस की छड़ और बेसबॉल बैट से परिवार पर हमला किया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। आरोपियों ने कथित रूप से जान से मारने की धमकियां दीं और फिर मौके से फरार हो गए।

शिकायतकर्ता के भाई सलमान का हाथ टूट गया, जिसे डॉक्टरों के अनुसार ठीक होने में एक साल लग सकता है। पीड़ितों को जेजे अस्पताल में चिकित्सा उपचार दिया जा रहा है।

मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतीत होता है कि विधानसभा चुनाव प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता की परीक्षा हैं। दूसरी ओर, भाजपा के कार्यकर्ता ऐसे किसी भी अवसर की प्रतीक्षा करते हैं और प्रधानमंत्री के पक्ष में खड़े होने के लिए तैयार रहते हैं। उदाहरण के लिए, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने स्पष्ट किया कि उन्होंने केवल यह आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री विपक्षी दलों को डराने के लिए केन्द्रीय जाँच एजेंसियों (ईडीसीबीआई आदि) का डर पैदा कर रहे हैं। फिर भी, भाजपा का शोर और तेज़ हो गया, क्योंकि पार्टी कार्यकर्ता यह मान रहे हैं कि खड़गे और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने "मोदी को आतंकवादी कहकर 140 करोड़ भारतीयों का अपमान किया।"

चेन्नई में द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए प्रचार करते समय, खड़गे ने कथित रूप से मोदी को "आतंकवादी" बताया और कहा कि भाजपा समानता और न्याय में विश्वास नहीं करती। उन्होंने पूछा, "वे (एआईडीएमके) मोदी के साथ कैसे जुड़ रहे हैं, तो इसका मतलब है कि वे लोकतंत्र को कमज़ोर कर रहे हैं।" बाद में खड़गे ने स्पष्ट किया कि उनका मतलब यह था कि मोदी अन्य राजनीतिक दलों को केन्द्रीय जाँच एजेंसियों के इस्तेमाल के डर से आतंकित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा तिल का ताड़ बना रही है।

केरल में पटाखा युनिट में विस्फोट, 13 की मौत

त्रिशूर के विख्यात उत्सव की तैयारी के लिए युनिट में बड़े पैमाने पर पटाखे बन रहे थे

■ धमाका बहुत शक्तिशाली था कई किलोमीटर दूर तक इसकी आवाज सुनाई दी और फिर कुछ ही मिनटों में आग की ऊंची लपटों ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया।

त्रिशूर, 21 अप्रैल। केरल के त्रिशूर जिले के मुंडाथिकोड क्षेत्र में मंगलवार को दोपहर करीब 3:30 बजे एक पटाखा निर्माण इकाई में हुए भीषण विस्फोट ने पूरे इलाके को दहला दिया। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 मजदूरों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार केरल के प्रसिद्ध त्रिशूर पूरम उत्सव के लिए पटाखों की तैयारी में जुटी इस पटाखा फैक्टरी में हादसे के समय करीब 40 मजदूर मौजूद थे। विस्फोट के बाद कई मजदूर आग की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए। घायलों को तत्काल सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल सहित आसपास के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, धमाका इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। कुछ ही मिनटों में आग की ऊंची लपटों और घने धुएं ने पूरे परिसर को अपनी गिरफ्त में ले लिया। राहत और बचाव कार्य के दौरान भी बीच-बीच में छोटे धमाके होते रहे, जिससे बचाव दलों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

मौके पर पहुंचे एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि वहां लगभग 40 मजदूरों के लिए खाने का इंतजाम किया गया था, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि हादसे के वक्त वहां इतने लोग मौजूद रहे होंगे।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक विस्फोट एक अस्थायी शेड में हुआ, जहां पटाखों का निर्माण और भंडारण किया जा रहा था। हालांकि, विस्फोट के सटीक कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन सुरक्षा मानकों की अनदेखी की आशंका जताई जा रही है।

'सीजेआई सूर्यकांत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाग लिया, जिनमें भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत भी शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एम.एम. सुंदरेश ने इस भूमिका में आने वाली चुनौतियों और कड़ी मेहनत के बारे में बात की। न्यायाधीश सुंदरेश ने तमिल में कहा कि इतने विशाल देश का मुख्य न्यायाधीश होना आसान काम नहीं है। उन्होंने सीजेआई सूर्यकांत की दिनचर्या को उजागर करते हुए बताया कि वे प्रतिदिन 17-18 घंटे काम करते हैं, रात को लगभग 3 बजे सोते हैं और फिर सुबह 7 बजे उठ जाते हैं। "बार एंड बैंच" की रिपोर्ट के अनुसार, सीजेआई सूर्यकांत ने भारत की न्यायिक प्रणाली में निचली अदालतों की केन्द्रीय भूमिका पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि जबकि सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालय कानून को आकार देते हैं, जिला अदालतें इसे लोगों के दैनिक जीवन में वास्तविक अर्थ देती हैं। अधिकांश नागरिकों के लिए जिला अदालतें न्याय तक पहुँचने का पहला और अक्सर एकमात्र साधन होती हैं, जिससे ये न्याय वितरण प्रणाली की रीढ़ बनती हैं।

'महिला की ''आउट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद मतदाता सूची से बाहर कर दी गई थी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता शादान फ़रासत (याचिकाकर्ता की ओर से) की सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया।

जुडिशियल ऑफिसर द्वारा 27 मार्च को याचिकाकर्ता का आवेदन खारिज करने के आदेश पर आपत्ति जताते हुए, वरिष्ठ वकील ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता के पास पासपोर्ट है, वह 2002 की मतदाता सूची का हिस्सा रही है और तब से लगातार मतदान कर रही है। फ़रासत ने यह भी बताया कि याचिकाकर्ता केवल सीमित राहत की मांग कर रही हैं, यानी विशेष (आउट-ऑफ-टर्न) सुनवाई की, क्योंकि सूची 27 अप्रैल को बंद हो जाएगी। जब सीजेआई ने पूछा कि क्या याचिकाकर्ता ने न्यायाधिकरण से संपर्क किया है, तो याचिकाकर्ता ने उत्तर दिया, "हाँ, मैंने 3 अप्रैल को आवेदन किया था, लेकिन दुर्भाग्यवश सुनवाई नहीं हुई। मैं केवल यह अधिकार (आउट-ऑफ-टर्न सुनवाई) चाहती हूँ और मैं आगे न्यायालय में आगे बढ़ूँगी।"

प्र.मंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन पर कांग्रेस ने विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया

कांग्रेस सांसद वेणुगोपाल ने लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखकर नोटिस भेजा

■ वेणुगोपाल ने कहा संविधान के अनुच्छेद 105 के तहत संसद में किसी सांसद के भाषण या मतदान पर संसद के बाहर टिप्पणी करने का अधिकार किसी को भी नहीं है।

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। संसद की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष एवं कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 18 अप्रैल को राष्ट्र के नाम संबोधन को लेकर विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विपक्षी सांसदों पर टिप्पणी की और उनके मतदान पैटर्न पर सवाल उठाए।

वेणुगोपाल ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष को दिए पत्र में कहा कि प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए उनके मतदान व्यवहार पर न केवल सवाल उठाए, बल्कि उनके इरादों पर भी संदेह जताया। यह कार्य संसद के विशेषाधिकार का उल्लंघन और सदन की अवमानना है। प्रधानमंत्री का इस तरह का भाषण शक्ति का दुरुपयोग है और यह लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है।

प्रधानमंत्री का यह संबोधन महिला आरक्षण से जुड़े संविधान (131वां संशोधन) विधेयक-2026 के लोकसभा में पास नहीं होने के एक दिन बाद किया गया था।

वेणुगोपाल ने कहा कि 16 एवं 17 अप्रैल को विपक्षी दलों के सभी सांसदों ने महिला आरक्षण का समर्थन किया था। उन्होंने 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम का जिक्र करते हुए मांग की कि महिला आरक्षण को तत्काल लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि 131वें संशोधन विधेयक के जरिए सरकार ने अनुच्छेद 82 में बदलाव कर परिसीमन से जुड़ी संवैधानिक सुरक्षा को हटाने की कोशिश की। विपक्ष का विरोध इसी कारण था, जबकि महिला आरक्षण के प्रति उनका समर्थन स्पष्ट और एकमत था। वेणुगोपाल ने कहा कि संसद की परंपरा और अनुच्छेद 105 के तहत किसी भी सदस्य के भाषण या मतदान पर किसी व्यक्ति, यहां तक कि प्रधानमंत्री को भी टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। ऐसा करना संसद की गरिमा को कमजोर करता है और सांसदों के स्वतंत्र कर्तव्यों में हस्तक्षेप करता है।

सीवर में सफाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके कारणों की विस्तृत जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही उन्होंने सुरक्षा मानकों की पुन: समीक्षा कर उन्हें और सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान, मुख्यमंत्री ने सी.डी.यू. (क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट) में लगी आग को तत्परता से काबू में करने वाले अग्निशमन कर्मियों और आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों से मुलाकात कर उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि समय रहते आग पर नियंत्रण पाना बड़ी राहत की बात है, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि. (एचपीसीएल) के अधिकारियों द्वारा दी गई प्राथमिक जानकारी के अनुसार, आग से हुआ नुकसान सीमित क्षेत्र तक ही रहा है और स्थिति अब नियंत्रण में है। अधिकारियों ने बताया कि रिफाइनरी के अन्य हिस्से सुरक्षित हैं और जल्द ही सामान्य संचालन बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार इस महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी परियोजना के शीघ्र पुन: संचालन के लिए एचपीसीएल को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना प्रदेश के औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन के लिए बेहद अहम है, इसलिए इसकी गति को प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा।

नाबालिग से दुष्कर्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राजेश चौधरी ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के पिता ने 14 अक्टूबर, 2023 को मानसरोवर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि दोपहर के समय उसकी पत्नी सोकर उठी तो कमरे में पन्द्रह वर्षीय पुत्री नहीं थी। जब उसकी तलाश करते हुए, वह छत पर गई तो वहां अभियुक्त उसकी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म कर रहा था। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घटना के दिन ही अभियुक्त को गिरफ्तार किया और बाद में अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

सुनवाई के दौरान, पीड़िता ने अभियोजन पक्ष की कहानी दोहराते हुए कहा कि अभियुक्त ने उसके साथ पहले भी दुष्कर्म किया था। विरोध करने पर उसने पीड़िता को डरा धमकाकर चुप करा दिया था। वहीं अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसे प्रकरण में फंसाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया।

ईरान युद्ध में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करते हैं। इस प्रकार, स्थिति और गंभीर हो गई है, क्योंकि अमेरिका ने दो ईरानी जहाज जब्त कर लिए हैं, एक ओमान की खाड़ी में और दूसरा हिन्द महासागर में।

ट्रम्प ने औपचारिक इंटरव्यू में कहा कि चीन युद्ध सामग्री ईरान भेज रहा प्रतीत होता है। उन्होंने चीन को लेकर अपनी अप्रसन्नता और निराशा व्यक्त की और कहा कि उन्हें लगता था कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनके बीच ईरान को युद्ध सामग्री की आपूर्ति को लेकर ठीक-ठाक समझबूझ है।

खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, चीन ईरान को उन्नत गोला-बारूद और वायु रक्षा प्रणालियाँ भेज रहा था। ट्रम्प ने आगे चेतावनी दी कि यदि चीन ने ऐसा किया तो उसे बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने पहले चेतावनी दी थी कि यदि चीन ईरान को किसी आपूर्ति में शामिल हुआ तो उस पर 50 शुल्क लगाया जा सकता है।

ईरान ने वार्ता शुरू होने से पहले अपने जहाजों की तत्काल रिहाई की मांग की है। दूसरी ओर, अमेरिका वार्ता शुरू होने से पहले ईरानी मांगों को स्वीकार करने के मूड में नहीं है। दोनों देशों के बीच यह ज़ुबानी लड़ाई इस तथ्य के संदर्भ में हो रही है कि ईरान और अमेरिका के बीच अस्थायी युद्धविराम बुधवार तक समाप्त होने वाला है।

दोनों पक्ष वार्ता से पहले अपनी शक्ति दिखा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ईरानी पावर प्रोजेक्ट, पुल और अन्य बुनियादी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बमबारी फिर से शुरू करने की गंभीर धमकियां दे रहे हैं और ईरानी सैन्य प्रवक्ताओं ने फिर से युद्ध के लिए तैयार होने का संकेत दिया है।

ऐसा प्रतीत होता है कि युद्ध एक बार शुरू हो जाने पर मुश्किल से नियंत्रित किया जा सकेगा और यह दिशाहीन भी हो सकता है।

हाईकोर्ट की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुआवजे के लिए आवेदन कर सकते हैं और आवासन मंडल भी विधि सम्मत कार्रवाई के लिए स्वतंत्र है।

राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ के इस फैसले के बाद हाऊसिंग बोर्ड ने करीब 2200 करोड़ रुपए की इस बेशकीमती जमीन का कब्जा लेने के लिए गत 16 अप्रैल को मौके पर तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू कर दी थी। इस दौरान स्थानीय लोगों ने हाऊसिंग बोर्ड के अधिकारियों और ध्वस्तीकरण के लिए पहुंची जे.सी.बी. मशीनों पर पथराव किया था। भारी पुलिस जाब्ता था इससे आवासन मंडल की टीम ने जमीन के कुछ हिस्से पर बनी हुई बाउंड्री वॉल, कोठरियां और अन्य अतिक्रमणों को ध्वस्त कर दिया था। परंतु मौके पर स्थानीय लोगों के बढ़ते विरोध और पथराव के बाद हाउसिंग बोर्ड अधिकारियों ने कार्रवाई रोक दी थी।

इस घटनाक्रम के बाद 17 अप्रैल को श्रीराम कॉलोनी विकास समिति ने खंडपीठ में अपील दायर की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह और अशोक कुमार जैन ने इस प्रकरण की सुनवाई 20 अप्रैल तक टाल दी थी। इस दौरान हाउसिंग बोर्ड ने भी अदालत को आश्वस्त किया था कि जब तक कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ में इस प्रकरण की सुनवाई नहीं होती, तब तक मौके पर पज़ेशन लेने की कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

अब हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के गत 9 अप्रैल के उस आदेश को ही स्थगित कर दिया है, जिसमें जयपुर में बी-टू-बाईपास पर स्थित 42 बीघा जमीन को आवासन मंडल की मानते हुए 31 जुलाई, 1981 के समझौता विक्रय को अवैध मानते हुए शून्य घोषित किया गया था। अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार और जेडीए सहित, अन्य से जवाब मांगा है।

प्रशांत किशोर की पुरानी कंपनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"हमने अभी तक घबराने का बटन नहीं दबाया है। अब अभियान के अंतिम 10 दिन हैं। हम इसे अपने अभियान पर असर डालने नहीं देंगे।"

एक अन्य स्रोत ने कहा कि आई-पैक को पार्टी की जीवनरेखा कहना अतिशयोक्ति है, और यह नोट किया कि कुछ कमी है, लेकिन वैकल्पिक सिस्टम अब सक्रिय हैं।

तृणमूल सूत्रों ने कहा कि कई आई-पैक पेशेवर अब भी उनके साथ काम कर रहे हैं, और अधिकांश घर या दूरस्थ स्थानों से अभियान की निगरानी कर रहे हैं।

आई-पैक के हालिया कार्य का केन्द्र विनीश चंदेल, प्रतीक जैन और ऋषिराज सिंह सहित एक मुख्य नेतृत्व समूह रहा है। चंदेल को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य को ईडी द्वारा समन भेजे गए हैं। इनमें प्रतीक जैन तृणमूल के अभियान तंत्र में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। अपनी तीक्ष्ण डेटा अंतर्दृष्टि और मतदाता भावना की गहन समझ के लिए आंतरिक रूप से जाने जाने वाले जैन, अभिषेक बनर्जी के उदय के इर्द-गिर्द रणनीति बनाने में गहराई से शामिल रहे हैं।

उन्होंने "नबो जोवार" अभियान जैसे आउटरीच प्रयासों के डिजाइन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो राज्यव्यापी यात्रा के इर्द-गिर्द बनाई गई थी और बनर्जी को जमीनी कनेक्ट वाला नेता दिखाती थी। जैन 2023 पंचायत चुनावों और 2024 लोकसभा चुनावों के रणनीति का भी केन्द्र बिंदु रहे, जहाँ तृणमूल ने अपनी संख्या बढ़ाई, जिससे उनकी पार्टी के वॉर रूम में प्रभावशीलता मजबूत हुई।

वर्ष 2024 में तृणमूल ने भाजपा से बेहतर प्रदर्शन किया, क्योंकि उसने समझा कि 2018 के पंचायत चुनावों में हुई हिंसा ने 2019 में 18 सीटें जीतने में मदद की थी। प्रतीक जैन ने पार्टी की रणनीति को सीमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस बीच, द्रमुक के लिए ऋषिराज सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, आई-पैक और पार्टी नेतृत्व के बीच मुख्य इंटरफेस के रूप में काम किया। सूत्रों के अनुसार, उनकी निर्णयकर्ताओं तक सीधे पहुँच थी, विशेष रूप से मुख्यमंत्री तक, और वे तमिलनाडु में अभियान रणनीति को समन्वित करने में गहराई से शामिल थे, यह सुनिश्चित करते हुए कि कंसल्टेंसी की इनपुट और द्रमुक की आंतरिक मशीनरी में तालमेल बना रहे।

उनकी भूमिका विशेष रूप से डेटा-आधारित अंतर्दृष्टि को जमीनी राजनीतिक संदेश और अभियान की प्रभावशीलता की माप के साथ एकीकृत करने में महत्वपूर्ण हो गई। तमिलनाडु में, द्रमुक पार्टी शो टाइम कंसल्टिंग के रॉबिन शर्मा के साथ भी काम कर रही है, जिन्होंने पहले एकनाथ शिंदे और चंद्रबाबू नायडू जैसे नेताओं के अभियान संभाले हैं।

पश्चिम बंगाल में छापों को लेकर राजनीतिक संदेश भी स्पष्ट रहा है। तृणमूल के एक सूत्र ने कहा, "यहाँ काम करने वाले अधिकांश युवा बांग्ला हैं... यह भाजपा के लिए ही उल्टा पड़ने वाला है।" वरिष्ठ नेता डेरेक ओ ब्रायन ने यह भी रेखांकित किया कि पार्टी आई-पैक से जुड़े युवा पेशेवरों के प्रति सजग है और उनके करियर को किसी भी जोखिम में नहीं डालने देगी।

तमिलनाडु में, द्रमुक ने इसी तरह की सावधानी बरती है। जबकि आई-पैक अभी भी शामिल है, पार्टी की आंतरिक इकाई, जिसे अक्सर पीईएन कहा जाता है और जो मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के दामाद सबरीसन द्वारा देखी जाती है, ने हाल के महीनों में अधिक भूमिका निभाई है। एक द्रमुक सूत्र ने कहा, आई-पैक और पीईएन अभियान संबंधी कार्यों में बहुत निकटता से काम करते हैं।"

अभी के लिए, दोनों पार्टियां सावधानीपूर्वक चल रही हैं। जमीनी स्तर पर अभियान गतिविधि स्थिर बनी हुई है, भले ही छापों के बाद आई-पैक का शीर्ष नेतृत्व के साथ जुड़ाव कम दिखाई दे। रणनीति स्पष्ट है, जोखिम को कम करना, आंतरिक क्षमता को अधिकतम करना, और चुनावी इंजन को चालू रखना। सामान्य रूप से यह अस्थिरता लग सकती है, लेकिन जमीनी स्तर पर यह सामान्य व्यवसाय जैसा ही है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600